जन-जन की वाणी...
हिन्दी दैनिक
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित
शुक्ल पक्ष, मूल, विक्रम संवत् 2083
• औरंगाबाद • सोमवार • 29 जून 2026 • वर्ष 28 • अंक 207 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
झारखण्ड 25 अनंत संभावनाओं की ओर

1,042 नव चयनित
इंटर एवं स्नातक
प्रशिक्षित सहायक आचार्यों का
नियुक्ति-पत्र
वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री राधाकृष्ण किशोर
माननीय मंत्री, वित्त विभाग, योजना एवं विकास विभाग, वाणिज्य कर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड

श्री संजय प्रसाद यादव
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग, झारखण्ड

29 जून, 2026 | अपराह्न 1:00 बजे
टाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची

PR. No.-383463/IPRD/2026-27

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड

चुनावी ड्यूटी के सात माह बाद भी भुगतान का इंतजार रजौली के वाहन मालिकों और चालकों में बढ़ा आक्रोश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ **आर्थिक तंगी से जूझ रहे गाड़ी मालिक, आगामी पंचायत चुनावों में वाहनों को न देने की बना रहे रणनीति; प्रशासनिक उदासीनता पर उठे सवाल**

रजौली। रजौली विधानसभा क्षेत्र संख्या 235 में चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुए एक लंबा अरसा बीत चुका है, लेकिन इस लोकतांत्रिक उत्सव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने में अपनी रात-दिन सेवा देने वाले वाहन मालिकों और चालकों की सुध लेने वाला आज कोई नहीं है। चुनाव के दौरान स्थानीय अंचल कार्यालय द्वारा जिन निजी बसों, बोलेरो, स्कॉर्पियो और अन्य छोटे-बड़े वाहनों को जबरन जब्त कर सरकारी कार्यों और सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया था,उनके मालिकों को सात महीने की लंबी अवधि बीत जाने के बाद भी अब तक नियत राशि का भुगतान नहीं किया गया है।

प्रशासन की इस कथित उदासीनता और टालमटोल की नीति के कारण अब वाहन मालिकों और चालकों के सामने गंभीर आर्थिक संकट गहराने लगा है और स्थानीय लोगों में व्यवस्था के प्रति असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है।विदित हो कि विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए स्थानीय प्रशासन ने बड़े पैमाने पर निजी वाहनों का अधिग्रहण किया था।उस वक्त वाहन मालिकों को जल्द से जल्द भुगतान का भरोसा दिलाकर वाहनों को अंचल कार्यालय के सुपुर्द कराया गया था, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद नियमतः तय समय सीमा के भीतर वाहनों के किराये और ईंधन के खर्च का भुगतान करना प्रशासन भूल गया। पीड़ित वाहन मालिकों का कहना है कि वे पिछले कई हफ्तों से अंचल कार्यालय और संबंधित जिला परिवहन कार्यालय व प्रखंड सह अंचल कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ कोरा आश्वासन ही नसीब होता है। कई मालिकों ने बैंकों से भारी-भरकम कर्ज लेकर गाड़ियां खरीदी हैं, जिनका मासिक ईएमआई भरना अब उनके लिए दूभर होता जा रहा है। इसके

अंचल सह प्रखंड कार्यालय द्वार रजौली

अलावा,जिन चालकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर चुनावी ड्यूटी की,उन्हें भी अब तक उनका पारिश्रमिक नहीं मिल सका है, जिससे उनके परिवारों के समक्ष भरण-पोषण की विकट समस्या खड़ी हो गई है।इस पूरे मामले पर जब अंचल कार्यालय और परिवहन विभाग के स्तर पर पड़ताल की गई तो अधिकारियों की ओर से प्रक्रियात्मक देरी का रोना रोया जा रहा है। अंचल कर्मियों का कहना है कि कागजातों में कुछ त्रुटियां थीं, जिन्हें सुधारकर परिवहन विभाग को दुबारा उपलब्ध करा दिया गया है। वहीं दूसरी ओर, जिला परिवहन कार्यालय से जुड़े सूत्रों का दावा है कि उनके स्तर से सभी आवश्यक कागजी प्रक्रियाएं पूरी कर इलेक्शन कमीशन को भेज दी गई हैं, लेकिन सरकार के स्तर से राशि उपलब्ध न होने के कारण भुगतान अटका हुआ है। अधिकारियों द्वारा लगातार यह कहा जा रहा है कि एक महीने के भीतर राशि का भुगतान कर दिया जाएगा, लेकिन पिछले सात महीनों से यही आश्वासन सुन रहे वाहन मालिकों की खाली जेबें अब और अधिक इंतजार करने की स्थिति में नहीं हैं।इस प्रशासनिक शिथिलता के बीच अब क्षेत्र में आगामी पंचायत चुनाव भी नजदीक आ रहे हैं, जिसे लेकर वाहन मालिकों का गुस्सा सातवें आसमान पर है।

आक्रोशित वाहन मालिकों का साफ कहना है कि यदि प्रशासन उनके पुराने बकाये का जल्द भुगतान नहीं करता है, तो वे आगामी चुनावों में अपनी गाड़ियां किसी भी कीमत पर नहीं देंगे।वाहन स्वामियों ने तीखा सवाल उठाया है कि क्या सरकारी कार्य में सहयोग के नाम पर मुफ्त में गाड़ी और चालक देने का कोई प्रावधान है? अगर नहीं, तो उनकी गाढ़ी कमाई को क्यों रोका जा रहा है? परिवहन पदाधिकारियों द्वारा लगातार किया जा रहा टालमटोल प्रशासनिक स्तर पर राशियों के बंदरबांट की आशंका को भी जन्म दे रहा है।

वाहन मालिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाकर उनके खातों में राशि नहीं भेजी गई, तो वे एकजुट होकर प्रशासन के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।चुनाव ड्यूटी में लगे वाहनों के भुगतान के संदर्भ में डीटीओ नवीन कुमार पांडेय का कहना है कि चुनाव ड्यूटी में लगे वाहनों के बकाया भुगतान की प्रक्रिया गति में है। वाहन मालिकों की राशि सीधे इलेक्शन डिपार्टमेंट से जारी होनी है।इस संबंध में जानकारी मिली है कि मुख्य बजट राशि पटना स्थित वित्त विभाग को प्राप्त हो चुकी है, जहां से इसे जिला स्तर पर भेजा जाना है।जिला में राशि उपलब्ध होते ही एक सप्ताह के भीतर सभी संबंधित वाहन मालिकों के बकाए का भुगतान सुनिश्चित कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

यज्ञस्थल से फिर बाइक चोरी, ग्रामीणों ने पुलिस से चोरी की घटनाओं के पर्दाफाश की उठाई मांग

कौआकोल। प्रखंड क्षेत्र के सोखोदेवरा गांव में आयोजित सप्तदिवसीय यज्ञ के दौरान बाइक चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार की रात एक बार फिर अज्ञात चोरों ने यज्ञस्थल के पास खड़ी दो अलग अलग लोगों की बाइक चोरी कर ली, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौआकोल थाना रोड निवासी शिक्षक मनोज कुमार एवं पावापुरी गोवरैया गांव निवासी उमेश कुमार यज्ञ में शामिल होने सोखोदेवरा पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक यज्ञस्थल के पास खड़ी कर कार्यक्रम देखने चले गए। कुछ देर बाद लौटने पर देखा कि दोनों की बाइक वहां से गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो पीड़ित ने कौआकोल थाना में लिखित आवेदन देकर बाइक बरामदगी की गुहार लगाई।बताया जाता है कि इसी सप्तदिवसीय यज्ञ के दौरान अब तक आधा दर्जन बाइक चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जिससे श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि शराब तस्करी से जुड़े किसी संगठित गिरोह द्वारा योजनाबद्ध तरीके से इन वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर चोरी में शामिल गिरोह का जल्द पर्दाफाश करने तथा लगातार हो रही घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की है।

ग्राम पंचायतों में मनाया गया पंचायत दिवस

नारदीगंज,नवादा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देशानुसार नारदीगंज प्रखंड के सभी पंचायतों में रविवार को पंचायत दिवस मनाया गया। इस कड़ी में डोहरा पंचायत में रविवार को 'पंचायत दिवस' का आयोजन किया गया। पुस्तकालय भवन ,डोहरा में मुखिया रेखा देवी की अध्यक्षता और पंचायत सचिव राजकुमार प्रसाद के संचालन में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखीं। प्रमुख रूप से ग्रामीणों ने डोहरा गांव में आहर से लेकर गौरैया स्थान तक ढक्कनयुक्त नाली निर्माण की मांग की। मुखिया रेखा देवी ने इसे जनहित का आवश्यक कार्य बताते हुए आश्वासन दिया कि फंड उपलब्ध होते ही इसे प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। इसके अलावा पेयजल, सोलिंग और वृद्धापेंशन पर भी चर्चा हुई। जीविका दीदी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए रोजगार ऋण की जानकारी दी। मौके पर समाजसेवी दिलीप साव, वार्ड सदस्य व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। यह कार्यक्रम अब हर माह के अंतिम रविवार को होगी।

ताजिया जुलुस के दौरान बिजली गुल होने पर चोरों ने लाखों का सामान चुराया

नवादा (नारदीगंज)। मुहर्रम की रात बिजली गुल होने का फायदा उठाकर चोरों ने पड़रिया गांव में एक बड़ी चोरी को अंजाम दिया। घटना तुलसी मिस्त्री के पुत्र रामाशीष मिस्त्री के घर हुई। शनिवार की रात ताजिया जुलूस के कारण बिजली कटी हुई थी। गर्मी और अंधेरे की वजह से पूरा परिवार छत पर सोने चला गया था। इसी बीच चोर छत के रास्ते से दूसरी मंजिल में खुले दरवाजे से घर में घुस गए। चोरों ने बक्से का ताला तोड़कर 20 ग्राम सोना, 200 ग्राम चांदी के जेवरात, 35 हजार रुपये नकद और जमीन के जरूरी कागजात चुरा लिए। वारदात के बाद चोर खाली बक्सा पास के खेत में फेंककर भाग गए। सुबह जब परिजन नीचे आए तो बिखरा सामान देख सन्न रह गए। पीड़ित पिता ने रोते हुए बताया कि ये गहने बेटी की शादीके लिए पाई-पाई जोड़कर जुटाए जा रहे थे। इस घटना से परिवार पूरी तरह टूट गया है। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि आवेदन मिलने पर पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और चोरों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रोहुआ में युवक की एक आंख फोड़कर किया जख्मी ईलाज के लिए पटना रेफर। एक आरोपी गिरफ्तार

पकरीबरावां। पकरीबरावां थाना क्षेत्र के रोहुआ गांव में एक युवक के साथ मारपीट कर उसकी एक आंख को फोड़ दिया गया। एसडीपीओ सुजय विद्यार्थी ने बताया कि इस मामले में घायल युवक की पत्नी द्वारा कराई गई प्राथमिकी के नामजदों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि रोहुआ गांव का प्रदीप गुप्ता का पुत्र सूरज कुमार गुप्ता शादी- व्याह एवं अन्य कार्यों में खाना बनाने का काम करता है। इस कार्य के लिए वह मजूदर लाने के लिए गांव के ही महादलित टोला में गया हुआ था। बताया जाता है कि किसी बात को लेकर वहां विवाद हो गई और उसके साथ मारपीट के बाद उसकी एक आंख को फोड़ दिया गया। घायल युवक की पत्नी पूजा कुमारी ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें दो लोगों को नामजद बनाया है। उन्होंने प्राथमिकी के लिए दिए गए आवेदन में लिखा है कि जब उसका पति मजदूर की तलाश में मोहल्ले में गया, तब यह कहकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दिया गया कि तुम हमारे दारू बेचने की सूचना थाना को देते हो। चर्चा है कि जिस समय उसके साथ मारपीट की जा रही थी, उस समय वहां पर लोग तमाशबीन बने हुए थे। किसी ने उसे बचाने का प्रयास नहीं किया और उसकी एक आंख फोड़ दी गई। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पकरीबरावां लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे विम्स पावापुरी रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि वहां से उसे पटना रेफर कर दिया गया है। थानाध्यक्ष रंजन चौधरी ने बताया कि घायल युवक की पत्नी ने प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसके नामजद आरोपियों बासुदेव मांझी उर्फ भगत एवं राकेश मांझी उर्फ राजेश मांझी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

ताजिया जुलूस में हुए मारपीट में आधा दर्जन लोग घायल

पकरीबरावां। पकरीबरावां थाना क्षेत्र के पकरी गांव में ताजिया जुलूस के दौरान लाठी खेलने के दौरान एक पक्ष के दो गुटों के बीच हुए विवाद में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि शनिवार को ताजिया जुलूस के दौरान खेल-खेल में दो पक्षों के बीच अचानक कहासुनी हो गई। कहासुनी इतनी बढ़ गई कि देखते ही देखते दोनों गुट आमने-सामने आ गए और दोनों तरफ से लाठियां भांजी जाने लगीं। इससे जुलूस में भगदड़ मच गई। मारपीट की घटना में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। मारपीट में मो. जमील अंसारी, जुबेद अंसारी, शमीर अंसारी, सरवर अंसारी, साहिल अंसारी एवं छोटू अंसारी घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पकरीबरावां ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। मो. जमील अंसारी की गंभीर चोट को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, नवादा रेफर कर दिया गया है। अन्य घायलों का उपचार पकरीबरावां में ही चल रहा है। एसडीपीओ सुजय विद्यार्थी ने बताया कि मारपीट से संबंधित आवेदन किसी पक्ष ने नहीं दिया है। थानाध्यक्ष को इसकी जानकारी लेकर कार्रवाई करने को कहा गया है।

रजौली पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार,भेजे गए जेल

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के ड्योढ़ी पर से पुलिस बलों ने चोरी के बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। चोरी की बाइक बीते 20 जून की रात्रि को सोहदा गांव से चुराया गया था,जिसको लेकर पीड़ित शिवपूजन कुमार ने 22 जून को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बाइक चोरी के महज एक सप्ताह में पुलिस द्वारा चोरी की बाइक को बरामद कर लिया गया है। चोरी की बाइक में रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट खोलकर चलाया जा रहा था,ताकि बाइक मालिक और पुलिस को गुमराह किया जा सके,लेकिन पुलिस की पैनी नजर से बाइक चोर बच नहीं सका। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि सोहदा गांव निवासी मोती यादव के पुत्र शिवपूजन कुमार द्वारा लिखित आवेदन देकर बताया गया कि उनकी काले रंग की स्प्लेंडर बाइक संख्या बीआर27वाई7512 को वे 20 जून की रात्रि को अपने घर के बाहर लगाकर खाना खाने अंदर गए थे। जब खाना खाकर बाहर आए,तो देखा कि उनकी बाइक नहीं है। बाइक को लेकर आसपास काफी खोजबीन की,किंतु कुछ भी जानकारी नहीं मिल सकी। प्राप्त आवेदन के आलोक में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस अनुसंधान में जुट गई थी। इसी क्रम में थाने में पदस्थापित एएसआई सत्यदेव प्रसाद ने रविवार को दोपहर में ड्योढ़ी के समीप एक बिना नम्बर प्लेट के काले रंग के स्प्लेंडर बाइक की जांच की। जांच के क्रम में पता चला कि यह वही बाइक है, जिसे सोहदा गांव से चुराया गया था। चोरी के बाइक के साथ एक युवक को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक की पहचान रजौली क्षेत्र के कुंडला मोहल्ला निवासी भोला यादव के पुत्र प्रमोद कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने कहा कि चोरी की बाइक को जब्त कर थाना परिसर लाया गया है। वहीं गिरफ्तार युवक को रविवार को ही मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

प्लस पोलियो अभियानः पहले दिन वारिसलीगंज पीएचसी में 8,476 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

वारिसलीगंज (नवादा)। प्रखंड क्षेत्र में 28 जून से 2 जुलाई 2026 तक चलने वाले पांच दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को किया गया। अभियान के पहले दिन वारिसलीगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के तहत 8,476 बच्चों को पोलियोरोधी दवा की दो बूंद पिलाई गई।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आरती अर्चना के निर्देशन में संचालित अभियान के लिए कुल 82 हाउस-टू-हाउस टीम में 15 ट्रांजिट टीम तथा 4 मोबाइल (मैन) टीम का गठन किया गया है,इन टीमों को घर-घर जाकर तथा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वारिसलीगंज पीएचसी क्षेत्र में इस अभियान के दौरान लगभग 35 हजार बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पहले दिन टीमों ने विभिन्न पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक दी तथा अभिभावकों को अभियान के प्रति जागरूक भी किया।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी कारणवश कोई बच्चा पहले दिन पोलियो की

खुराक से वंचित रह गया हो, तो आगामी दिनों में टीम के पहुंचने पर उसे अवश्य दवा पिलाएं। अभियान 2 जुलाई तक चलेगा। इसके बाद बी-टीम द्वारा छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें भी पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक अभियान से वंचित न रहे।स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि पोलियो मुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी अभिभावकों का सहयोग आवश्यक है और पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाई जानी चाहिए।

विश्व वृक्ष दिवस पर छपरा गांव में हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। विश्व वृक्ष दिवस के अवसर पर रविवार को रजौली प्रखंड के छपरा गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रजौली पश्चिमी पंचायत के पूर्व मुखिया विनय सिंह ने पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विनय सिंह ने कहा, "वृक्ष हैं तो जीवन है।" उन्होंने बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन का हवाला देते हुए प्रत्येक व्यक्ति से जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील की। कहा कि पेड़-पौधे शुद्ध ऑक्सीजन देते हैं, पर्यावरण संतुलित रखते हैं और वर्षा चक्र बनाए रखने में मददगार हैं। "वृक्ष लगाएं, जीवन बचाएं और निरोग रहें" का नारा भी दिया। कार्यक्रम में पंचायत के गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया और हर वर्ष अधिक पौधे लगाने की प्रतिबद्धता जताई।

इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान मुखिया सुभद्रा सिंह, जो पूर्व मुखिया विनय सिंह की पत्नी हैं, को हाल ही में उत्कृष्ट कार्यों के लिए नवादा जिले की इकलौती मुखिया के रूप में सम्मानित किया गया है।

वृक्षारोपण करते पूर्व मुखिया एवं ग्रामीण

उनके सम्मान पर पंचायतवासियों ने खुशी जताई और कहा कि पंचायत विकास में उनकी भूमिका प्रेरणादायी है। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल करने और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

दम्पत्ति से मारपीट करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजे गए जेल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र धमनी पंचायत अंतर्गत सबलपुर चोरनु गांव में बीते शनिवार को दंपत्ति के साथ हुई मारपीट मामले में पुलिस बलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। मारपीट को लेकर पीड़िता सानो देवी ने थाने को लिखित आवेदन देकर सात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी कराई थी। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि बीते शनिवार की शाम को बच्चों के बीच उत्पन्न झगड़े में सबलपुर चोरनु गांव निवासी रंजीत राजवंशी एवं रंजीत राजवंशी की पत्नी सानो देवी गम्भीर रूप से घायल हो गए थे। घटना की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस बलों ने नामजद सात आरोपियों में से एक

थाना परिसर से जेल जाता गिरफ्तार आरोपी

आरोपी सबलपुर चोरनु गांव निवासी मंगर राजवंशी के पुत्र राजेंद्र राजवंशी उर्फ राजो राजवंशी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को मेडिकल जांच के बाद रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

हवन पूर्णाहुति,नवकन्या पूजन एवं प्रसाद वितरण के साथ ही सप्तदिवसीय श्री श्री 108 श्री सूर्यनारायण महायज्ञ संपन्न

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ **श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने खेली फूलों की होली, श्रीकृष्ण-सुदामा चरित्र का हुआ भावपूर्ण वर्णन**

कौआकोल। प्रखंड क्षेत्र के सोखोदेवरा गांव में आयोजित सप्तदिवसीय श्री श्री 108 श्री सूर्यनारायण महायज्ञ रविवार को हवन,पूर्णाहुति,नवकन्या पूजन एवं प्रसाद वितरण के साथ ही श्रद्धा और भक्तिभाव के माहौल में संपन्न हो गया। यज्ञ के समापन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की तथा सुख-समृद्धि की कामना की। यज्ञ के दौरान आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन वृंदावन (चित्रकूट धाम) से पधारे कथा वाचक आचार्य श्याम दास जी महाराज के द्वारा श्रीकृष्ण और सुदामा चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा के समापन पर श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर फूलों की होली खेलते नजर आए,जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। वहीं इस दरम्यान लोगों ने श्रीकृष्ण रासलीला का भी आनन्द उठाया। सात दिवसीय महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद के रूप में खिचड़ी का वितरण

किया गया,जिसमें आसपास के गांवों से पहुंचे लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

वहीं अंतिम दिन विशेष रूप से खीर का प्रसाद तैयार किया गया,जिसे हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में सोखोदेवरा गांव के ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन समिति एवं ग्रामीणों के सहयोग से पूरे सात दिनों तक धार्मिक अनुष्ठान,कथा,रासलीला एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

0 से 5 वर्ष के बच्चों के लिए पल्स पोलियो अभियान की हुई शुरुआत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कटिहार। जिले में 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा 28 जून से 02 जुलाई तक पल्स पोलियो अभियान चलाया जा रहा है। जिले में सिविल सर्जन डॉ जितेन्द्र नाथ सिंह में उपस्थित 0 से 5 वर्ष के बच्चों को दो बूंद पोलियो ड्राप पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। पोलियो ड्राप पीने वाले बच्चों के अंगुली में चिन्ह लगाकर पोलियो सुरक्षित होने की पुष्टि की गई। सिविल सर्जन द्वारा सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को जिले के सभी प्रखंड में 0 से 5 वर्ष के सभी बच्चों को शत प्रतिशत पोलियो टीका पिलाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान घर से बाहर रहने वाले बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाने के लिए सभी चौक चौराहे, ईंट भट्ठों, घुमंतू लोगों के क्षेत्रों में टीम लगाते हुए वहां उपलब्ध बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उद्घाटन के दौरान डीआईओ डॉ एस सरकार, वाधवानी एआई जिला समन्वयक चंद्रा विभा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बीएचएम, बीसीएम, एसएमओ सहित सभी जिला प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

घर-घर पहुँचकर जिले के 06.58 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी दवा : सिविल सर्जन डॉ जितेन्द्र नाथ सिंह ने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में 28 जून से 02 जुलाई तक पल्स पोलियो अभियान का संचालन किया जाएगा।

इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर पहुँचकर उपस्थित 0 से 5 वर्ष के सभी बच्चों को दो बूंद पोलियो ड्राप पिलाई जाएगी। पल्स पोलियो अभियान के दौरान स्वास्थ्य टीम द्वारा 06 लाख 58 हजार 233 बच्चों को को दो बूंद पल्स पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। सिविल सर्जन ने बताया कि 05 दिवसीय पल्स पोलियो अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए पूरे जिले में 01 हजार 723 टीम बनाई गई है जिसके द्वारा बच्चों को घर-घर पहुँचकर पोलियो ड्राप पिलाया जाएगा। इसके अलावा चौक चौराहे और यातायात क्षेत्रों में सफर करने वाले बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाने के लिए 217 ट्रांजिट टीम लगाई गई है।

जिले के ईंट भट्ठों, गुमन्तु क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए 23 मोबाइल टीम तैनात किया गया है। इसके अलावा सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए 66 वन मैन टीम लगाई गई है। सभी बच्चों को पोलियो ड्राप मिलने का मूल्यांकन करने के लिए सभी प्रखंडों में 659 सुपरवाइजर तैनात किया गया है। हर दिन शाम में स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा प्रखंड स्तर पर कार्यक्रम का मूल्यांकन करते हुए लाभार्थी बच्चों की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को भेजना सुनिश्चित किया जाएगा।

सोखोदेवरा जेपी आश्रम में त्रिपुरारी शरण की 13 वीं पुण्यतिथि मनाई गई

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। सर्वोदयी नेता व बिहार खादी पुरूष त्रिपुरारी शरण की 13वीं पुण्यतिथि रविवार को सोखोदेवरा जेपी आश्रम में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम निर्माण मंडल के परियोजना निदेशक डॉ० भारत भूषण शर्मा ने की। इस अवसर पर लोगों ने उनके तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा से याद किया। मौके पर मौजूद वक्ताओं ने कहा कि त्रिपुरारी शरण एक महान समाजसेवी,सर्वोदय नेता एवं खादी आंदोलन के मजबूत स्तंभ थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाजसेवा,खादी ग्राम उद्योग, सर्वोदय एवं भूदान आंदोलन को समर्पित किया। वक्ताओं ने कहा कि खादी के क्षेत्र में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। बताया गया कि त्रिपुरारी शरण बिहार राज्य खादी बोर्ड के अध्यक्ष भी रह चुके थे। उनके प्रयासों से खादी के विकास को नई दिशा मिली। यही कारण रहा कि झारखण्ड सरकार ने भी उन्हें "खादी रत्न" सम्मान से सम्मानित किया था। इसके पूर्व उनके पुण्यतिथि के अवसर पर सर्वोदय आश्रम में सामूहिक साफ सफाई एवं सर्वधर्म प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया। मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ० जयवंत कुमार सिंह,वैज्ञानिक अंगद कुमार,दिनेश मंडल,सुचिता तिर्की, धीरेंद्र कुमार मनु,पिंटू पासवान समेत कई लोग उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 11

खेल

डैनी वायट की तूफानी पारी से जीता इंग्लैंड, न्यूजीलैंड हुआ बाहर, इंग्लैंड की धमाकेदार...

Page 09

देश

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक पर सियासी संग्राम अभिजीत दीपके ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की...

शुक्ल पक्ष, मूल, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • सोमवार • 29 जून 2026 • वर्ष 28 • अंक 207 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,31,950	₹ 2,40,000

आज का इतिहास

2012 : करीब 15 हजार परमाणु विरोधी आंदोलनकारियों ने तोक्यो में जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे के कार्यालय का घेराव किया।

2002 : उत्तर और दक्षिण कोरियाई गश्ती नौकाएं येलो सागर में येओनप्योंग द्वीप के पास एक विवादित सीमा के साथ टकरा गईं।

न्यूज बाइट्स

कबीर जयंती पर राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

पटना (नि.सं.) । बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने कबीर जयंती के पावन अवसर पर बिहारवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। अपने शुभकामना संदेश में राज्यपाल ने कहा कि संत कबीरदास महान संत, कवि, समाज सुधारक तथा भक्तिकाल के प्रमुख स्तंभ थे। उन्होंने अपनी वाणी और रचनाओं के माध्यम से भेदभाव, संकीर्ण मतवाद, अलगाववादी प्रवृत्तियों तथा सामाजिक एवं धार्मिक रूढ़ियों के विरुद्ध जन-जागरण का कार्य किया। साथ ही प्रेम, भाईचारे, सद्भाव, समरसता और मानवता का संदेश देकर समाज को नई दिशा प्रदान की। राज्यपाल ने कहा कि ज्ञानाश्रयी शाखा के महान साधक संत कबीरदास ने भक्ति एवं आंतरिक साधना के मार्ग का प्रवर्तन किया। भारतीय समाज और संस्कृति के प्रति उनका योगदान अमूल्य एवं सदैव स्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुंगेर जिले से राज्यव्यापी 'पंचायत विकास शिविर' का किया शुभारंभ, कहा

हर महीने लगेगा पंचायत विकास शिविर

30 दिन में काम नहीं करने वाले अधिकारी होंगे निलंबित, अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहने का दिया संदेश

- 15 अगस्त के बाद सरकारी अस्पतालों से अनावश्यक रेफरल पर होगी कार्रवाई

निज संवाददाता | मुंगेर

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को मुंगेर जिले के टेटिया बंबर प्रखंड से राज्यव्यापी पंचायत विकास शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने पंचायतों को विकास की धुरी बताते हुए प्रशासनिक जवाबदेही, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिए गांवों का सशक्त होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार ने प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सभी पंचायतों में पंचायत विकास शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को सहयोग शिविर तथा अंतिम रविवार को पंचायत विकास शिविर लगाया जाएगा, जहां गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य, जल प्रबंधन, स्वच्छता और सामाजिक न्याय से जुड़े मामलों की समीक्षा होगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सहयोग शिविरों में अब तक करीब चार लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें साढ़े तीन लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है। लगभग नौ हजार अधिकारियों को लापरवाही के कारण नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि कोई अधिकारी 30 दिनों के भीतर जनता की समस्या का समाधान नहीं करेगा तो 31वें दिन उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

2029 तक सभी जिला मुख्यालय फोरलेन सड़क से जुड़ेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 तक राज्य के सभी जिला मुख्यालयों को फोरलेन सड़कों से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा सभी प्रखंडों को पथ निर्माण विभाग की सड़कों से जोड़ा जाएगा। शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि टेटिया बंबर बिहार का पहला ऐसा प्रखंड होगा, जहां दो डिग्री कॉलेज संचालित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक प्रखंड में एक डिग्री कॉलेज स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त 2026 के बाद सरकारी अस्पतालों से मरीजों को बिना उचित कारण रेफर करने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी अस्पतालों में आवश्यक संसाधन एवं चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अपराध नियंत्रण पर मुख्यमंत्री ने दो-टूक कहा कि बिहार में अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है और उनके विरुद्ध सरकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायतों को मजबूत किए बिना विकसित बिहार और विकसित भारत का सपना साकार नहीं हो सकता। इसी उद्देश्य से पंचायत विकास योजना की शुरुआत की गई है, जिससे गांवों की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति मिलेगी।

बिहार में खत्म होगा 'इंस्पेक्टर राज'

बिहार सरकार ने राज्य के निबंधित कारखानों में निरीक्षण व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद फैक्ट्री निरीक्षण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और अधिकारियों द्वारा बिना सूचना औचक निरीक्षण नहीं किया जा सकेगा। सरकार का उद्देश्य निरीक्षण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना तथा भ्रष्टाचार और मनमानी पर रोक लगाना है। नई व्यवस्था के तहत केवल विभाग द्वारा नामित अधिकारी ही कारखानों का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण से पहले संबंधित फैक्ट्री संचालक को अधिकारी का नाम तथा निरीक्षण की तिथि की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे अनावश्यक दबाव, मनमानी कार्रवाई और अवैध वसूली जैसी शिकायतों पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य में अपराध और अपराधियों के खिलाफ सरकार का अभियान पूरी मजबूती से जारी है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी और कानून का राज हर हाल में कायम रखा जाएगा।

छूट चुकी महिलाओं को जल्द मिलेगी राशि

महिला सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में करीब 1.81 करोड़ महिलाएं जीविका समूहों से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। मुख्यमंत्री रोजगार योजना के तहत दी जा रही आर्थिक सहायता की दूसरी किस्त भी जल्द जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर अगले महीने प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय गृह मंत्री के बिहार आगमन के दौरान शेष पात्र महिलाओं के खातों में भी दूसरी किस्त की राशि हस्तांतरित की जाएगी।

अवैध घुसपैठ पर देशव्यापी अभियान की तैयारी

नौ जुलाई को सभी राज्यों के डीजीपी की बैठक बुलाएंगे अमित शाह

- घुसपैठियों की पहचान, वापसी और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की बनेगी रणनीति, केंद्रीय एजेंसियां भी होंगी शामिल

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश को अवैध घुसपैठ से मुक्त बनाने के लिए व्यापक अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में उन्होंने 9 जुलाई को नई दिल्ली में सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है, जिसमें अवैध घुसपैठियों की पहचान, उनकी वापसी तथा उनसे जुड़े नेटवर्क के खिलाफ संयुक्त रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में खुफिया ब्यूरो (आईबी), रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) सहित विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के प्रमुख भी शामिल होंगे। बैठक में अवैध घुसपैठ से जुड़े पूरे तंत्र को ध्वस्त करने और विभिन्न राज्यों में समन्वित कार्रवाई पर चर्चा होगी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय का मानना है कि अवैध घुसपैठ की समस्या केवल सीमावर्ती क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। सीमा पार करने के बाद बड़ी संख्या में घुसपैठिए महानगरों और औद्योगिक शहरों तक पहुंच जाते हैं, जहां उन्हें संगठित नेटवर्क के माध्यम से बसाया जाता है। ऐसे में केवल सीमावर्ती राज्यों में कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि पूरे देश में एक साथ अभियान चलाना आवश्यक है। बैठक में फर्जी दस्तावेज तैयार कराने, अवैध रूप से सीमा पार कराने तथा देश के विभिन्न हिस्सों में घुसपैठियों को पहुंचाने वाले नेटवर्क के खिलाफ भी कार्रवाई की रणनीति बनाई जाएगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को इस अवैध गतिविधि से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर उन्हें जब्त करने की जिम्मेदारी दी जा सकती है, जबकि आईबी और रॉ राज्यों को आवश्यक खुफिया सूचनाएं उपलब्ध कराएंगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले से दिए अपने संबोधन में अवैध घुसपैठ और उससे उत्पन्न जनसांख्यिकीय बदलाव को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बताया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने इस विषय के अध्ययन के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीधर प्रभावराव नावलेकर कर रहे हैं। समिति को एक वर्ष के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी है।

बोर्ड परीक्षा रजिस्ट्रेशन के लिए अपार आईडी अनिवार्य, 30 जून तक बनाने का निर्देश

- 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का बिना अपार आईडी नहीं होगा पंजीकरण, सभी डीईओ को बीएसईबी का निर्देश

निज संवाददाता | पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) ने 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए बोर्ड परीक्षा पंजीकरण में अपार आईडी को अनिवार्य कर दिया है। अपार आईडी के बिना किसी भी छात्र-छात्रा का बोर्ड परीक्षा के लिए पंजीकरण नहीं किया जाएगा। इस संबंध में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के सचिव ने राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों (डीईओ) को पत्र भेजकर 30 जून तक प्रत्येक छात्र-छात्रा का अपार आईडी हर हाल में तैयार कराने का निर्देश दिया है।

पत्र में कहा गया है कि शिक्षा विभाग, भारत सरकार ने विद्यालयों में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओं का 30 जून 2026 तक अपार आईडी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी के अनुरूप राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक के निर्देश पर 9वीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के बोर्ड परीक्षा पंजीकरण के लिए अपार आईडी एवं संबंधित विद्यालय का यू-डायस (यूडीआईएसई) कोड अनिवार्य किया गया है। समिति ने सभी डीईओ को निर्देश दिया है कि 30 जून तक सभी पात्र विद्यार्थियों का अपार आईडी निर्माण सुनिश्चित कराया जाए, ताकि कोई भी छात्र-छात्रा बोर्ड परीक्षा के पंजीकरण से वंचित न रहे। गौरतलब है कि इस संबंध में पूर्व में भी सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया गया था। सरकार ने अपार आईडी बनाने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की है।

मोदी कैबिनेट में जल्द होगा फेरबदल

नई दिल्ली(ए.)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में फेरबदल की चर्चा तेज हो गई है। सत्तारूढ़ दल के शीर्ष स्तर से संकेत मिल रहा है कि यह फेरबदल संभवतः संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले किया जा सकता है। संसद का मानसून सत्र आम तौर पर जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में पार्टी की नई टीम की घोषणा के साथ ही किया जाएगा। माना जा रहा है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व पदाधिकारियों की सूची को अंतिम रूप दे चुका है और 'नितिन नवीन की टीम' का एलान जल्द होने की संभावना है। पार्टी के युवा चेहरों को संगठन में अहम भूमिका दिए जाने की संभावना है। इस बात की भी प्रबल संभावना है कि कुछ मंत्रियों को संगठन में भेजा जाए और पार्टी पदाधिकारियों को मोदी सरकार में शामिल किया जाए।

बिहार के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का होगा ऑनलाइन निगरानी, बनेगा पोषण ट्रैकर कमांड सेंटर

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार का समाज कल्याण विभाग राज्य के 1 लाख 14 हजार 718 आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों की निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाने की तैयारी में है। इसके तहत मुख्यालय स्तर पर पोषण ट्रैकर कमांड सेंटर की स्थापना की जाएगी, जहां से सभी आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों की रियल टाइम (ऑन-टाइम) मॉनिटरिंग की जाएगी। यह व्यवस्था केंद्र प्रायोजित मिशन के तहत लागू की जा रही है। इसके शुरू होने के बाद छह वर्ष तक के बच्चों की पोषण स्थिति, वजन, ऊंचाई तथा समग्र शारीरिक विकास से संबंधित सभी रिपोर्टें पोषण ट्रैकर कमांड सेंटर के सार्वजनिक डैशबोर्ड पर उपलब्ध होंगी। आम नागरिक भी इन आंकड़ों को ऑनलाइन देख सकेंगे।

समाज कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने हाल ही में आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों की निगरानी के लिए पोषण ट्रैकर ऐप शुरू किया है। इस ऐप के माध्यम से राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यप्रणाली की प्रभावी निगरानी की जा रही है। बच्चों के शारीरिक विकास का सटीक आकलन करने के लिए सभी केंद्रों को ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस (विकास निगरानी उपकरण) से भी लैस किया गया है। इन उपकरणों की सहायता से बच्चों की लंबाई, वजन एवं पोषण संबंधी आंकड़े दर्ज किए जाएंगे। विभाग ने निर्देश दिया है कि 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों की पोषण स्थिति एवं विकास से संबंधित सभी आंकड़ों को पोषण ट्रैकर के सार्वजनिक डैशबोर्ड पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए।

सिपाही भर्ती परीक्षा में फर्जी बायोमीट्रिक अधिकारी गिरफ्तार

निज संवाददाता | मुजफ्फरपुर

केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) द्वारा आयोजित बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान रविवार को मुजफ्फरपुर में एक युवक फर्जी बायोमीट्रिक अधिकारी बनकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। केंद्राधीक्षक की लिखित शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक जमुई जिले का निवासी बताया गया है। घटना शहर के मिठनपुरा स्थित चैपमैन बालिका उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र की है। यहां अभ्यर्थियों के बायोमीट्रिक सत्यापन के लिए अधिकृत एजेंसी की टीम तैनात थी। इसी दौरान एक युवक परीक्षा केंद्र में पहुंचा और खुद को बायोमीट्रिक सत्यापन से जुड़ी कंपनी का अधिकारी बताते हुए अंदर प्रवेश करने का प्रयास करने लगा।

आरोपी ने अपना नाम जय प्रकाश कुमार बताते हुए खुद को कंपनी का चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर (सीएसओ) बताया और दावा किया कि उसकी ड्यूटी भी उसी परीक्षा केंद्र पर लगी है। हालांकि, मौके पर मौजूद अधिकृत बायोमीट्रिक टीम ने उसकी पहचान पर संदेह जताया और जांच के दौरान उसका दावा गलत पाया गया। इसके बाद केंद्राधीक्षक ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई सिपाही भर्ती परीक्षा, 2.25 लाख अभ्यर्थियों ने दिया परीक्षा

निज संवाददाता | पटना

केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) की ओर से रविवार को बिहार पुलिस सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा राज्यभर के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आयोजित की गई। परीक्षा में 993 रिक्त पदों के लिए करीब 2.25 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अभ्यर्थियों की जांच मेटल डिटेक्टर से की गई तथा जूते-चप्पल उतरवाकर सघन तलाशी ली गई। इसके बाद ही उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया।

अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश सुबह 10 बजे से शुरू हुआ, जबकि 11 बजे सभी केंद्रों के मुख्य द्वार बंद कर दिए गए। निर्धारित समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। लिखित परीक्षा दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक एक ही पाली में आयोजित की गई। भर्ती प्रक्रिया के तहत 993 पदों के लिए लगभग 2.25 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। इस प्रकार एक पद के लिए औसतन 227 से अधिक अभ्यर्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा रही। अभ्यर्थियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे द्वारा सात विशेष ट्रेनों का भी परिचालन किया गया, ताकि विभिन्न जिलों से आने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

BAYC Institute स्थापित 1972

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज

गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7

नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स

भारत का पहला कॉलेज

डॉक्टर बनें

एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE: DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DEMS Electrohomeopathy Medicine | DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine | DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE: MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BEMS Electrohomeopathy Medicine | BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture | MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2 | अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE: MD (Acu Yoga) MD (TM) | MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजुएट | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE: BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE: MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार

Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised

DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।

कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. अजय प्रकाश
सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in

Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

बड़े संस्थानों में परिसर में ही बनेगी खाद, चार श्रेणियों में होगा कचरे का संग्रहण

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली स्वच्छ बिहार की दिशा में ऐतिहासिक कदम : मंगल पांडेय

- पटना में बनेगा 514 करोड़ का अत्याधुनिक संयंत्र

निज संवाददाता | पटना

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडेय ने बिहार सरकार द्वारा लागू की गई ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 का स्वागत करते हुए इसे स्वच्छता, जनस्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी पहल बताया है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और कचरा प्रबंधन की चुनौतियों को देखते हुए बनाई गई यह नियमावली कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण को सुनिश्चित करने के साथ-साथ आम नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करेगी। मंगल पांडेय ने बताया कि नई नियमावली के तहत प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक कचरा उत्पन्न करने वाले होटल, मॉल, अस्पताल, अपार्टमेंट और अन्य बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अपने परिसर में ही गीले कचरे का निस्तारण कर उससे जैविक खाद तैयार करना अनिवार्य किया गया है। इससे नगर निकायों पर कचरे का बोझ कम होगा और जैविक खाद के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बनाने के लिए कचरा संग्रहण वाहनों में चार अलग-अलग रंगों के कंटेनरों की व्यवस्था की गई है। इनमें गीला, सूखा, घरेलू खतरनाक (डोमेस्टिक हैजार्डस) तथा सैनिटरी कचरे को अलग-अलग एकत्र किया जाएगा, जिससे कचरे के पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) की प्रक्रिया और अधिक आसान होगी। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने पटना के रामाचक बैरिया एवं बाढ़िया में 514 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक से लैस यह परियोजना राज्य में कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा देगी। उन्होंने सिवान जिले में शुरू किए गए कबाड़ मंडी मोबाइल ऐप की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक एवं अन्य गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे के बेहतर प्रबंधन के साथ-साथ लोगों की अतिरिक्त आय का भी माध्यम बनेगी। मंगल पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत मिशन' की भावना के अनुरूप बिहार सरकार ने इस अभियान को जनभागीदारी से जोड़ा है। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वच्छ, स्वस्थ एवं पर्यावरण अनुकूल बिहार के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट के मामले में नामजद प्राथमिकी दर्ज,एक गिरफ्तार, मारपीट के मामले में हुई गिरफ्तारी

अकोढी गोला(रोहतास)। अकोढी गोला थाना क्षेत्र में मारपीट का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में अकोढी गोला थाने की पुलिस को थाना क्षेत्र अंतर्गत शहंशाह मुहल्ला (अकोढ़ी गोला)की रहने वाले इरफान आलम पिता इम्तियाज आलम ने फर्द बयान में बताया कि अकोढ़ी गोला बाजार स्थित शहंशाह मुहल्ला मोड़ पर अंडा के दुकान के समीप अकोढी गोला के ही रहने वाले कौशलकुमार, रोशन कुमार गुप्ता, सोनू कुमार, संदीप कुमार(1)संदीप कुमार(2),अंकित कुमार,मोनू कुमार रंजन कुमार कुल 8 लोगों ने मुझे मिल कर मारा जिससे मुझे सर एवं शरीर के अन्य हिस्से में चोटें आई जिसका इलाज मैने सरकारी अस्पताल अकोढी गोला पर करवाया। इस मामले में अकोढी गोला थाना अध्यक्ष राकेश गोसाई ने बताया कि वादी के फर्द बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा कांड दर्ज करते हुए और रोशन कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जा रही है तथा अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पंचायत विकास दिवस के अवसर उनासोपचगाछी पंचायत में ग्राम सभा का आयोजन

कटिहार। जिले के कदवा प्रखंड अंतर्गत उनासोपचगाछी पंचायत में पंचायत विकास दिवस के अवसर पर ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा का अध्यक्षता पंचायत के मुखिया मोहम्मद एजाज ने किया।संचालन पंचायत के सरपंच मोहम्मद अबरार आलम ने किया। सह संचालन कार्यपालक सहायक राजा राम ने किया: ग्राम सभा के अध्यक्ष अध्यक्षता कर रहे मुखिया मोहम्मद एजाज ने पंचायत के दशा एवं दिशा पर बताया गया। बैठक की कार्रवाई के अनुपालन के बाद सभी सदस्यों को अवगत कराया गया। ई ग्राम स्वराज पोर्टल ई पंचायत एवं अन्य पोर्टल पर योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत के माध्यम से चलाई जा रही योजना तथा आगामी माह में प्रारंभ किए जाने वाली योजना के संदर्भ में जानकारी दी गई। वित्तीय वर्ष में ग्राम पंचायत के विभिन्न स्रोत से प्राप्त एवं अवशेष राशियों से ग्रामीणों को अवगत कराया गया। विगत माह में ग्राम पंचायत द्वारा क्रियान्वयन क्रियान्वित योजनाओं में से किसी किए गए खर्च से ग्रामीणों को अवगत कराया गया। सतत विकास लक्ष्य के नवी सीमा में से एक थीम पर चर्चा की गई। बैठक की थीम पर चर्चा विस्तार से किया गया। आगामी माह की बैठक में थीम संख्या दो पर चर्चा की जाएगी। इस प्रकार कुल प्रत्येक 9 थीमों पर परिचर्चा की जाएगी एवं दसवें माह में पुनः थीम संख्या एक पर चर्चा की जाएगी। ग्राम सभा में पंचायत विकास कार्यक्रम में राज्य के ऐसे पंचायत हैं। सरकार या किसी अन्य संस्था के द्वारा पुरस्कार दिया गया है या किसी पंचायत के द्वारा किसी खास क्षेत्र विशिष्ट कार्य किया हो से संबंधित ग्रामीणों को पंचायत के विकास की और प्रेरणा मिल सके। ग्राम सभा में रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री के द्वारा नागरिकों से सीधे संवाद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में सामान्य नागरिक, पंचायत राज संस्था तथा अन्य संगठनों के द्वारा किए जा रहे अनेक कार्य एवं प्रयासों की सराहना के साथ प्रासंगिक एवं महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी विचार को साझा किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय योजना ग्रामीण विकास स्वच्छता, रोजगार, शिक्षा, सामाजिक शहर एवं सामाजिक आर्थिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर दिए गए संदेशों से प्रेरित होकर ग्राम पंचायत ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में प्रविष्टि योगदान कर सकती है। प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुनने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं ग्राम पंचायत द्वारा किया गया। ग्राम पंचायत की आय का स्रोत की वृद्धि में परिचर्चा की गई। ग्रामसभा में बानो देवी, वीरेंद्र कुमार, श्याम राय, मफिजुद्दीन, धीरेंद्र राय, राणा देवी, सनोवर आलम,आधो देवी,रेणु देवी, रीता देवी, अरशद आलम, रुक्मिणी देवी, अर्जुन शाह, पिंकी कुमारी,शिवा, नूतन देवी, किरण कुमारी,ग्राम कचहरी के न्याय मित्र, ग्राम कचहरी के न्याय सचिव पार्वती कुमारी आदि ने भाग लिया।

जदयू के राज्य परिषद के सदस्य चंदन भगत को दिया बधाई

कटिहार। जनता दल यूनाइटेड के जिला महासचिव चंदन भगत को जदयू के राज्य परिषद का सदस्य बनाए जाने पर बधाई देने का सिलसिला जारी है। जदयू के राज्य परिषद के सदस्य चंदन भगत को फूल का माला पहनाकर एवं बुके देकर बधाई दिया। स्थानीय जदयू विधायक दुलाल चंद्र गोस्वामी,बरारी के विधायक विजय सिंह निषाद, जदयू जिला अध्यक्ष सूरज प्रकाश राय,जदयू प्रखंड अध्यक्ष विजय दास,जदयू युवा अध्यक्ष सोनू सिंह राणा,पूर्व प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश भगत,डंडखोरा प्रखंड अध्यक्ष कुंदन महतो, सहित मनोज भारती, शंकर पोद्दार, अंजार आलम, प्रवीण विश्वास, बीजेपी के वरिष्ठ नेता इंद्रजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह,अरुण सिंह,बिपिन बिहारी साह,अशोक मेहता,धर्मेंद्र नाथ ठाकुर, शोभन चंद्र दास,मनोज मंडल,मुन्ना ठाकुर, नीलांबर दास सहित दर्जनों एनडीए के नेताओं ने चंदन कुमार भगत को राज्य परिषद के सदस्य बनने पर बधाई दिया है। इस अवसर पर राज्य परिषद के सदस्य चंदन कुमार भगत ने कहा कि पार्टी के सर्वोत्तम हित में कार्य करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। कदवा विधानसभा से लेकर प्रदेश तक की कार्य को पार्टी के सर्वोत्तम हित में करेंगे।डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान कर संगठन को और भी मजबूत बनाने के दिशा में कार्य करेंगे। राज्य परिषद के सदस्य चंदन कुमार भगत ने कहा कि कदवा विधानसभा सहित संपूर्ण कटिहार जिला के एनडीए नेताओं के साथ कंधे से कंधे मिलाकर क्षेत्र के सर्वांगीण, विकास जनता की समस्याओं की समाधान करने के दिशा में कार्य करेंगे। इस अवसर पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष विजय दास जदयू युवा अध्यक्ष सोनू सिंह राणा भाजपा के वरिष्ठ नेता इंद्रजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह विपिन बिहारी साह ने कहा कि चंदन कुमार भगत धरातल से जुड़े हुए जदयू के कार्यकर्ता के रूप में कार्य प्रारंभ किया है उनके कार्य शैली से कदवा विधानसभा से लेकर प्रदेश तक कार्य कौशल की प्रशंसा हो रही है इनके राज्य परिषद के सदस्य बनने से कदवा विधानसभा क्षेत्र के एनडीए नेताओं में हर्ष व्याप्त है।

सनौली बाजार में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच साह मोटर बाइक शोरूम एवं सर्विस सेंटर का हुआ शुभारंभ

कटिहार। जिले के कदवा प्रखंड अंतर्गत सनौली बाजार में बिहार-बंगाल के चर्चित एवं मशहूर पंडित सुरेंद्रनाथ ठाकुर के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच साह मोटर बाइक शोरूम एवं सर्विस सेंटर का शुभारंभ किया गया। पिछले तीन दिनों से विधि विधान के साथ पंडित सुरेंद्रनाथ ठाकुर के नेतृत्व में कई पंडित के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से पूजा किया गया। आज पंडित सुरेंद्रनाथ ठाकुर, स्वर्गीय कैलाश प्रसाद साह की धर्मपत्नी रुक्मिणी देवी, पुत्र गोपाल कृष्ण साह,रवि कुमार साह, पंकज कुमार साह,प्रीतम कुमार साह, पुत्रवधू सह उप प्रमुख सीता देवी, शिक्षिका आरती कुमारी,अंजलि प्रकाश सहित स्थानीय समाज सेवी अशोक यादव, जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष विजय दास, समाजसेवी पिंटू यादव ने संयुक्त रूप से पिता काटकर उद्घाटन किया। अतिथियों के द्वारा बाईक शोरूम का निरीक्षण किया। इस अवसर पर रुक्मिणी देवी, व्यवसायी गोपाल कृष्ण साह, पूर्व प्रमुख सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष रवि कुमार साह, व्यवसायी पंकज साह,प्रीतम साह एवं मैनेजर मो.सलाम ने कहा कि कदवा प्रखंड का सबसे पुराना और पहला शोरूम शाह मोटर्स है। शाह मोटर्स के माध्यम से कदवा प्रखंड एवं आसपास के परिक्षेत्र में उनके कार्य, इनके कार्य शैली की गुणवत्ता, इनके कर्मचारियों के द्वारा कुशल व्यवहार की चर्चा बिहार से लेकर बंगाल तक है। पुराने स्थान अब छोटा पड़ रहा था, इसलिए आज नये स्थान पर नये सिरे से विधिवत रूप से बाइक शोरूम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पंडित सुरेंद्रनाथ ठाकुर ने कहा कि स्वर्गीय कैलाश प्रसाद साह हमारे बचपन के मित्र रहे हैं। आज उनके पत्नी रुक्मणी देवी के कर कमल से अपने बच्चों के द्वारा बनाये गये बाइक शोरूम का उद्घाटन की है।यह बेहद सुखद और शुभदायक है। व्यावसायी गोपाल कृष्ण साह,पूर्व प्रमुख सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष रवि साह, व्यवसायी पंकज साह,प्रीतम साह ने कहा कि बजाज कंपनी का बाइक शोरूम कदवा प्रखंड का पहला शोरूम है और पहले ही रहेगा। यहां सभी लोगों के साथ कुशल व्यवहार एवं कुशल कार्य के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री निखिल चौधरी, प्रमुख मंटू रविदास,कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश अग्रवाल, जनरल मैनेजर शशि रंजन, फाइनेंस विभाग के उज्जवल माधव,उड्डयन, सुमन पोद्दार, आदित्य सहित डॉक्टर सृष्टि साह, डॉक्टर रिमझिम रानी, सुनीता देवी, अंकिता कुमारी, सोनी प्रिया, श्रेया साह सहित जनप्रतिनिधि, किसान सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

बिहार सरकार की अभिनव पहल के तहत पंचायत विकास दिवस का शुभारंभ

- विक्रमगंज के जमोढ़ी ग्राम पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री-सह-प्रभारी मंत्री रोहतास जिला अशोक चौधरी हुए शामिल
- महिला हितैषी ग्राम पंचायत" थीम पर आयोजित ग्राम सभा महिला सशक्तिकरण पर रहा विशेष फोकस

प्रमाण पत्र देते प्रभारी मंत्री अशोक चौधरी

जिला मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मणिराज रंजन दवा पिलाते हुए

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास। राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित किए जाने वाले "पंचायत विकास दिवस" कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को पूरे बिहार के साथ-साथ रोहतास जिले में भी किया गया। इस अवसर पर जिले के बिक्रमगंज प्रखंड अंतर्गत जमोढ़ी पंचायत सरकार भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री-सह-रोहतास जिला प्रभारी मंत्री अशोक चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दीप प्रज्वलित कर पंचायत विकास दिवस कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" का सामूहिक लाइव प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान ग्रामीण विकास, जनभागीदारी और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर विशेष चर्चा हुई।

इस माह पंचायत विकास दिवस की थीम "महिला हितैषी ग्राम पंचायत" निर्धारित की गई थी। इसी थीम के अनुरूप आयोजित ग्राम सभा में महिलाओं की उल्लेखनीय एवं सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। पंचायत के विभिन्न वार्डों एवं सामाजिक क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और महिला सशक्तिकरण की दिशा में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे। महिलाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूहों तथा पंचायत स्तर पर निर्णय प्रक्रिया में बढ़ती भागीदारी से समाज में आए सकारात्मक परिवर्तनों के अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम में कई लाभुकों को प्रमाण पत्र दिया गया। उद्योग विभाग की महिला लाभुक ने अपना अनुभव साझा करते हुए मुख्यमंत्री, जिला पदाधिकारी एवं उद्योग विभाग को धन्यवाद दिया। महिला उद्यमी ने कहा कि उद्योग विभाग से मिले मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत उन्होंने अपना ब्यूटी पार्लर खोला है, जिससे खुद के साथ कई अन्य महिलाओं को रोजगार मिला है। कार्यक्रम में संगीत कला के माध्यम से नशा मुक्त बिहार को संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय मुखिया द्वारा ग्राम पंचायत में अब तक किए गए विकास कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, आवास तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। साथ ही पंचायत की आगामी विकास योजनाओं एवं भावी कार्ययोजना से ग्राम सभा को अवगत कराया गया तथा ग्रामीणों से सुझाव भी आमंत्रित किए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी रोहतास दीपक कुमार मिश्र ने त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ग्राम पंचायतों के अधिकारों, कर्तव्यों तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में जनसहभागिता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं और स्थानीय स्तर पर समस्याओं के समाधान का सबसे सशक्त माध्यम भी हैं।

अपने संबोधन में मंत्री अशोक चौधरी ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पंचायतों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं और पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण विकास को नई गति मिल रही है और शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से बिहार में पंचायत चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार ने इस दिशा में पूरे देश के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया है। मंत्री ने पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से अपील की कि वे विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं और पंचायत को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं समावेशी बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारना है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने पंचायत विकास दिवस जैसी पहल को ग्रामीण विकास और जनसंवाद के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में मंत्री, विधायक काराकाट, जिला पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया। इस अवसर पर माननीय विधायक काराकाट अरुण सिंह, पुलिस अधीक्षक रोहतास रौशन कुमार, उप विकास आयुक्त विजय कुमार पांडेय, अनुमंडल पदाधिकारी बिक्रमगंज, जिला सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, पंचायत की विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाएं, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

बीपीएससी पास कर कार्यालय पदाधिकारी नियुक्त होने पर किया गया सम्मान समारोह आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

दावथ /रोहतास। प्रखंड क्षेत्र के कोआथ नगर पंचायत अध्यक्ष व गगटी निवासी धर्मेन्द्र चौधरी भतीजा राजन पटेल के बीपीएससी पास कर कार्यालय पदाधिकारी नियुक्त होने पर रविवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर नवनियुक्त कार्यपालक पदाधिकारी को फुल माला और अंग दे सम्मानित किया। सम्मान समारोह में आएं स्थानीय विधायक आलोक कुमार सिंह ने बताया कि राजन पटेल का यह सम्मान समारोह तो है ही, लेकिन और लोगों के लिए सफलता के लिए प्रेरणा भी है। कोशिश और मेहनत करने वाले ही सफलता के शिखर तक पहुंचते हैं। चाहें वो किसी भी तरह की मेहनत और कोशिश हो। मैं भी अतिउत्साह में हूं कि हमारे क्षेत्र का युवक एक अच्छे पद पर चयनित हुआ है। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी ने बताया कि राजन शुरू से ही पढ़ने में काफी मेहनत करता था। जिसके मेहनत के बदौलत आज परिवार के साथ गांव घर और क्षेत्र का नाम रौशन किया है। वहीं कार्यपालक पद पर चयनित राजन पटेल ने बताया कि वह अपनी प्रारम्भिक पढ़ाई सैनिक स्कूल तामिलनाडु से किसी और उच्च शिक्षा एएन कालेज पटना से किया हूं। हमारे सफलता का श्रेय माता पिता के साथ पुरे परिवार का है जो आज उन्ही लोगों के प्रेरणा स्त्रोत और आशीर्वाद से चौथे प्रयास से चयनित हुआ है। और आगे के लिए पढ़ाई जारी रहेगी। मौके पर जदयू के प्रखंड अध्यक्ष गंगा सिंह, अभिषेक कुमार, जिला पार्षद प्रतिनिधि विकास कुमार, उसरी पैक्स अध्यक्ष ज्योति प्रकाश, नगर उपाध्यक्ष के प्रतिनिधि रिची गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भरत तिवारी एनकाउंटर के विरोध में डालमियानगर में निकला आक्रोश कैंडल मार्च

- जय भारती सेवा संस्थान व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री जीतन राम मांझी का जलाया पुतला
- दोषियों को फांसी, भरत तिवारी को शहीद का दर्जा व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की उठी मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

डेहरी (रोहतास)। भरत भूषण तिवारी के फर्जी एनकाउंटर के विरोध में रविवार को जय भारतीय सेवा संस्थान, राष्ट्रीय सवर्ण कल्याण मोर्चा, भारतीय ब्राह्मण महासभा के बैनर तले शहर के बुद्धिजीवियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाला. कैंडल मार्च में सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे. कैंडल मार्च डालमियानगर हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर, गोसाई जी की गुमटी होते हुए एस ब्लॉक,चौधरी चौक व झंडा चौक मैदान से एकता चौक पहुंचा।इस दौरान लोगों ने भारत माता की जय, शहीद भरत भूषण तिवारी अमर रहे, भरत तिवारी को न्याय दो, वर्तमान सरकार होश में आओ इत्यादि का नारा दिया। कैंडल मार्च समापन के बाद उपस्थित लोगों ने कैबिनेट मंत्री जीतन राम मांझी का पुतला दहन किया।इस दौरान जय भारतीय सेवा संस्थान के सचिव व अनुमंडल पूजा समिति के अध्यक्ष विनय बाबा ने कहा कि मौखिक रूप से सरकार अगड़े व पिछड़े की बात करती है। लेकिन पिछड़े के लिए संघर्ष करने वाले भरत भूषण तिवारी को वर्तमान सरकार के बराबर नीति का शिकार होना पड़ता है। कैबिनेट मंत्री जीतन राम मांझी द्वारा भरत तिवारी हत्याकांड में, जिस प्रकार बयान दिया गया है, वह शर्मनाक है. अपने परिवार के लिए राजनीति करने वाले जीतन राम मांझी को अमर्यादित व असंवेदनशील बयान देने के लिए तत्काल पदमुक्त कर देना चाहिए। भरत तिवारी को तत्काल न्याय नहीं मिला तो आक्रोशित लोग मजबूर होकर बड़े आंदोलन को बाध्य होंगे। वही सवर्ण समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी ने कहा कि भरत भूषण तिवारी समाज के कुरीतियों से लड़ने वाला एक अमर योद्धा है। वर्तमान सरकार की गलत नीति ने उसे मार डाला। कहा कि भरत तिवारी को शहीद का दर्जा, परिजनों को 5 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, साथ ही एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, दोषी अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त करने व हत्या का मुकदमा दर्ज करने के साथ ही कठोर सजा की मांग की गई हैं। सरकार इस मांग को नहीं माना तो भरत भूषण तिवारी को न्याय दिलाने के लिए बड़ा आंदोलन होगा।

कैंडल मार्च में जय भारती सेवा संस्थान व मोर्चा के वरिष्ठ सदस्यों के अलावा अधिवक्ता उमाशंकर पांडेय,प्रवीण दुबे, सामाजिक कार्यकर्ता अनिल मिश्रा, पंकज ओझा, पारस दुबे, छोटू सिंह, महेंद्र सिंह,राम इकबाल सिंह, कृष्ण विजय दुबे, हेमंत राय पंकज ओझा , अनिल मिश्रा, मृत्युंजय मिश्रा, अजय गुप्ता, अनिल गुप्ता, आलोक सिंह, मनीष सिंह सहित कई गणमान्य लोग शामिल थे। उल्लेखनीय है कि भरत भूषण तिवारी का एनकाउंटर भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुआ था. जिसे लेकर उनके समर्थकों द्वारा लगातार न्याय की मांग की जा रही है।

नियोजित शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चुने गए मुन्ना पांडेय

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कोचस (रोहतास) सासाराम शेरशाह तालाब शिवमन्दिर परिसर में रविवार को रोहतास जिला नियोजित शिक्षक संघ की चुनाव संपन्न हुई। जिसमें मुन्ना कुमार पांडेय को सर्वसम्मति से शिक्षकों ने अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित किया। इससे पूर्व श्री पांडेय ने विहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के पद से लिखित रूप से त्यागपत्र दिया। साथ ही कार्य कारिणी में 23 सदस्यों को स्थान दिया गया। जिसमें जिलाध्यक्ष मुन्ना कुमार पांडेय,जिला महासचिव दिनेश शर्मा, उपाध्यक्ष उदय पाल,सचिव सुनील कुमार राय, इसके साथ ही जिलास्तरीय कमिटी में अमरजीत प्रसाद गुप्ता,संजय पाल,अजीत कुमार मिश्रा, रमेश सिंह, टुनटुन पासवान, संजय सिंह, अजीत कुमार दूबे, अभिषेक कुमार, सतेंद्र भगत, रजनी कुमारी,अनिल कुमार, राजेश कुमार, रामाश्रय प्रसाद, मनोज कुमार, रामकुमार गोंड आदि को स्थान दिया गया। बैठक में नियोजित शिक्षकों की लड़ाई को सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ने का संकल्प व्यक्त किया गया। बैठक में राकेश रंजन बि रा प्रा शि जिलाध्यक्ष जेपी सिंह नौशाद नवीन,श्वेता कुमारी, सतेंद्र सिंह, चंद्र किशोर प्रसाद,अजय कुमार, संतोष ठाकुर, धनंजय कुमार सिंह,राकेश त्रिगुण, संजय पाठक, संतोष कुमार सिंह, विजेंद्र प्रताप आदि उपस्थित थे।

70वीं बीपीएससी में सफलता पर प्रकाश का भव्य सम्मान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कुरसेला (कटिहार): समेली प्रखंड के राजेंद्र पार्क डुमरिया निवासी प्रकाश कुमार पासवान के 70वीं बीपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर प्रखंड अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण पदाधिकारी पद पर चयनित होने पर रविवार को भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों, शिक्षकों, स्वजनों एवं मित्रों ने उन्हें फूल-माला और बुके भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह की शुरुआत कुरसेला बाजार से गाजे-बाजे के साथ हुई। इसके बाद जुलूस विभिन्न टोला-मोहल्लों से गुजरते हुए प्रकाश कुमार पासवान के पैतृक आवास राजेंद्र पार्क डुमरिया पहुंचा। यहां ग्रामीणों एवं मित्रों की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कई सेवानिवृत्त एवं वर्तमान शिक्षकों के साथ-साथ ग्रामीण, स्वजन और मित्रगण मौजूद रहे। उपस्थित वक्ताओं ने प्रकाश की सफलता को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति और कड़ी मेहनत से ग्रामीण परिवेश के छात्र भी उच्च पदों तक पहुंच सकते हैं। इस अवसर पर प्रकाश कुमार पासवान ने बताया कि उनके पिता वीर नारायण पासवान उत्क्रमित मध्य विद्यालय ललहरिया में प्रधानाध्यापक हैं, जबकि उनकी माता हीरा देवी गृहिणी हैं। पांच भाई-बहनों में तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रकाश की प्रारंभिक शिक्षा गांव के उत्क्रमित मध्य विद्यालय राजेंद्र पार्क डुमरिया से हुई। उन्होंने मैट्रिक की पढ़ाई अयोध्या प्रसाद हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट की शिक्षा रामपरी योगेश्वर इंटर कॉलेज, कुरसेला से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी से स्नातक की पढ़ाई पूरी की और बीपीएससी की तैयारी के लिए पटना जाकर लगातार अध्ययन किया। प्रकाश कुमार ने कहा कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और स्पष्ट लक्ष्य के साथ गांव में रहकर शिक्षा प्राप्त करने वाला छात्र भी अधिकारी बन सकता है। उन्होंने बताया कि उन्हें यह सफलता चौथे प्रयास में मिली है। 70वीं बीपीएससी परीक्षा में उन्होंने 4227वीं रैंक प्राप्त की है, जिसके आधार पर उनका चयन प्रखंड अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण पदाधिकारी पद पर हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें जो भी दायित्व सौंपा जाएगा, उसका निर्वहन पूरी कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के साथ करेंगे।

रोहतास में "पंचायत विकास दिवस": महिला सशक्तिकरण पर रहा विशेष जोर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नासरीगंज(रोहतास)। बिहार सरकार के निर्देश पर 28 जून 2026, रविवार को रोहतास जिले की सभी ग्राम पंचायतों में "पंचायत विकास दिवस" मनाया गया। नासरीगंज प्रखंड के पडुरी पंचायत भवन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जिला प्रभारी सचिव-सह-सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग बिहार श्री संदीप कुमार आर. पुडकलकुट्टी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए श्री पुडकलकुट्टी ने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की आधार हैं। सरकार का लक्ष्य पंचायतों को सशक्त, आत्मनिर्भर और पारदर्शी बनाना है ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचे। उन्होंने पदाधिकारियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस माह की थीम "महिला हितैषी ग्राम पंचायत" रही। इसके तहत महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुखिया, वार्ड सदस्य, जीविका दीदियों और युवाओं ने भाग लिया। गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेंशन और रोजगार सृजन पर त्वरित कार्रवाई का रोडमैप भी तैयार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा सांसद ने फारबिसगंज में कार्यकर्ताओं के साथ सुनी पीएम के मन की बात

अररिया। सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने फारबिसगंज में नगर उपाध्यक्ष आदर्श गोयल के आवास पर रविवार को कार्यकर्ताओं के साथ पीएम के मन की बात सुना। भाजपा नगर अध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद मिंटू की अगुवाई में बूथ संख्या 151 और 152 के बूथ स्तरीय कार्यकर्ता भी सांसद के साथ पीएम के मन की बात सुनने के लिए एकत्रित हुए। मौके पर सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के जरिए संवाद देश के कोने-कोने में हो रहे सकारात्मक प्रयासों, जनभागीदारी, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करता है और उनकी कही बातें जीवन में आत्मसात करने वाली होती है। मौके पर मौजूद भाजपा नेता प्रवीण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सांसद ने जहां मन की बात में पीएम के संबोधन का उल्लेख कार्यकर्ताओं से करते हुए पीएम द्वारा कही गई बातों को राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को रेखांकित करने वाला बताया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, बीमा योजनाओं, प्रकृति संरक्षण, खेल संस्कृति, वोकल फॉर लोकल समेत कई विषयों पर बात की और लोगों से स्थानीय समुदाय में हो रहे प्रेरणादायक प्रयासों के बारे में लिखते रहने का आग्रह किया। वहीं सांसद श्री सिंह ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के विचार हम सभी को सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। ऐसे संवाद को कार्यकर्ताओं को हर गांव हर घर तक पहुंचाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भूमिका निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद मिंटू, जिला महामंत्री राजेंद्र यादव, भाजपा नेता प्रवीण कुमार, जदयू नेता मूलचंद गोलछा, मुख्य पार्षद वीणा देवी, शंभू साह, नगर उपाध्यक्ष आदर्श गोयल, आयुष कुमार, मंत्री विपिन जायसवाल, शिवराम शर्मा, धीरज पासवान, प्रदीप कनौजिया, राहिल खान, दिलीप पटेल, सुरेश केसरी, शुभम राय सहित अनेकों कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद थे।

पंचायतों के सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का होगा सपना साकार : सांसद

अररिया। फारबिसगंज के मझुआ पंचायत में रविवार को आयोजित पंचायत विकास दिवस कार्यक्रम में सांसद प्रदीप कुमार सिंह एवं विधायक मनोज विश्वास ने संयुक्त रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि गांव और पंचायतों का समग्र विकास ही विकसित भारत की मजबूत नींव है। केंद्र एवं बिहार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, इसके लिए पंचायतों की सक्रिय भागीदारी और जनसहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पंचायत स्तर पर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष बल दिया। वहीं विधायक मनोज विश्वास ने शहर के साथ आदर्श गांव निर्माण को वर्तमान समय का जरूरत करार दिया। उन्होंने कहा कि आज जब गांव समृद्ध होगा तभी देश समृद्ध होगा और इसके लिए जमीनी स्तर पर योजनाओं का सही कार्यान्वयन जरूरी है। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

15.25 करोड़ की ठगी केस में आरोपी गिरफ्तार

बेगूसराय। बेगूसराय साइबर थाना की टीम ने वित्तीय धोखाधड़ी के नेटवर्क से जुड़े एक और शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान फुलवरिया वार्ड नंबर-9 के रहने वाले महेंद्र शर्मा के पुत्र धर्मेंद्र कुमार के तौर पर हुई है। इस गिरोह ने बैंक खाते (म्यूल अकाउंट) से 15 करोड़ 25 लाख 35 हजार 307 रुपए का फ्रॉड ट्रांजेक्शन किया है। साइबर डीएसपी इमरान अहमद ने बताया कि SBI के एक बैंक खाते के खिलाफ देश के अलग-अलग राज्यों से नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर 205 गंभीर शिकायतें दर्ज थे। छानबीन के दौरान संदिग्ध खाताधारक फुलवरिया वार्ड नंबर-2 के रहने वाले सुरेश महतो के पुत्र सुनील कुमार को 16 मई को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर साइबर सेल और जिला पुलिस की टीम अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही थी। सटीक इनपुट के आधार पर पुलिस ने शनिवार को धर्मेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। यह बेगूसराय साइबर थाना में दर्ज कांड संख्या-34/26 का नामजद आरोपी है।

कैसे हुआ 15.25 करोड़ के महाठगी का खुलासा: दरअसल मामला तब सामने आया जब भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के एक संदिग्ध खाते पर देश भर से मिल रही शिकायतों का अलर्ट मिला। बेगूसराय साइबर पुलिस ने SBI खाता संख्या- 44559591771 का गहन अवलोकन और बैंक स्टेटमेंट की स्क्रूटनी (जांच) की तो अधिकारियों के भी होश उड़ गए। इस अकाउंट से करोड़ों का लेन-देन हुआ था। सभी शिकायतों को मिलाकर इस खाते में जमा और ट्रांसफर की गई कुल फ्रॉड राशि 15 करोड़ 25 लाख 35 हजार 307 रुपए है। इस अकेले खाते में विभिन्न राज्यों के सैकड़ों मासूम लोगों से ठगी गई रकम ट्रांसफर की जा रही थी। NCRP पोर्टल पर देश के अलग-अलग कोनों से इस खाते के खिलाफ 205 शिकायतें दर्ज पाई गई।

सुनील ने किया था अन्य ठगों के नाम का खुलासा: 16 मई को गिरफ्तारी के बाद जब साइबर थाना की पुलिस ने सुनील कुमार से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया था कि उसने साइबर अपराधियों के सिंडिकेट को यह बैंक खाता (म्यूल अकाउंट) इस्तेमाल करने के लिए 375000 रुपए में बेचा है। इतना ही नहीं सुनील कुमार ने इस पूरे रैकेट में शामिल 3 और मास्टरमाइंड धर्मेंद्र कुमार, राजकुमार एवं सौरभ कुमार के नाम का खुलासा किया था। आरोपी के बयान के आधार पर पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही थी। इसके बाद पुलिस को धर्मेंद्र कुमार के गिरफ्तारी में सफलता मिली। धर्मेंद्र से पूछताछ कर ठगी के तरीके को खंगाला जा रहा है। इसके साथ ही फरार चल रहे दो अन्य आरोपी के गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है। बेगूसराय पुलिस इस मामले में अन्य राज्यों की पुलिस से भी संपर्क साध रही है। जिससे इस गिरोह के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जा सके। उम्मीद लगाए जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में कुछ और गिरफ्तारी हो सकती है।

क्या होता है म्यूल अकाउंट: साइबर डीएसपी के अनुसार म्यूल अकाउंट (Mule Account) ऐसे बैंक खातों को कहा जाता है जिसका इस्तेमाल साइबर ठग अपनी पहचान छिपाने और अवैध रूप से कमाए पैसे को ठिकाने लगाने के लिए करते हैं। इसके लिए ये गरीबों या कम पढ़े-लिखें लोगों को थोड़े से पैसों का लालच देकर उनका पासबुक, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड अपने कब्जे में ले लेते हैं। उन्होंने लोगों से अपील किया है कि कभी भी पैसों के लालच में आकर अपना बैंक खाता, एटीएम या नेट बैंकिंग क्रेडेंशियल्स किसी अनजान व्यक्ति को नहीं बेचें और न ही किराए पर दें। ऐसा करना आपको सीधे तौर पर देशव्यापी साइबर अपराध का हिस्सा बना देता है, जिसमें जेल की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान है।

रिशु श्री घोटाले में तेजस्वी बताएं कितना कमीशन लिया

बेगूसराय। रिशु श्री के टेंडर घोटाले को लेकर तेजस्वी यादव की ओर से सवाल उठाए जाने से राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। बेगूसराय में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। नीरज कुमार ने आरोप लगाया है कि जब यह घोटाला हुआ, तब संबंधित विभाग की जिम्मेदारी खुद तेजस्वी यादव के पास थी। नीरज कुमार ने कहा है कि रिशु श्री के मामले में सबसे पहले तेजस्वी यादव को जनता को यह जवाब देना चाहिए कि उन्होंने इसमें कितना कमीशन लिया। बिहार में रिशु श्री के जितने भी घोटाले सामने आए हैं, वे सभी उस समय के हैं, जब संबंधित विभाग के मंत्री खुद तेजस्वी यादव हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि विभागीय मंत्री होने के नाते इस गड़बड़ी की पूरी जिम्मेदारी तेजस्वी यादव की बनती है। किसी पर भी उंगली उठाने या आरोप लगाने से पहले तेजस्वी को अपने दामन में झांक कर देखना चाहिए। उनका पूरा परिवार मजबूत सबूतों (एविडेंस) के आधार पर कोर्ट में चार्जशीटेड है। उनके खिलाफ अदालत में मुकदमा चल रहा है। ऐसे में दूसरों पर सवाल उठाने का उन्हें कोई नैतिक अधिकार नहीं है। राजनीति में बिना सिर-पैर के आरोप नहीं चलते।

दधीचि देहदान समिति, बिहार की भागलपुर शाखा का गठन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के श्री श्री गौशाला सभागार, भागलपुर में रविवार को दधीचि देहदान समिति, बिहार – भागलपुर शाखा की स्थापना सभा सह विचार गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नेत्रदान (कॉर्निया दान), अंगदान एवं देहदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा मानव सेवा के इस महान अभियान को जन-जन तक पहुँचाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ संरक्षकों, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा शांति मंत्र के साथ दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत माता तथा स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। डॉ. प्रमोद सिंघानिया की अध्यक्षता एवं रतन सांथालिया के संचालन में कार्यक्रम गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। स्वागत भाषण में डॉ. प्रमोद सिंघानिया ने कहा कि नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है तथा समाज के प्रत्येक नागरिक को इस पुनीत कार्य से जुड़ना चाहिए। दधीचि देहदान समिति, बिहार के क्षेत्रीय संगठन मंत्री निर्मल कुमार जैन ने संगठन के उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं भावी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समिति पूरे बिहार में जागरूकता अभियान चलाकर अधिकाधिक लोगों को नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान के लिए प्रेरित करेगी। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पटना उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता अरुण सत्यमूर्ति ने नवगठित भागलपुर शाखा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, सह सचिव, वित्त सचिव सहित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति के सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा संगठन के उद्देश्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि भागलपुर के विधायक रोहित पाण्डेय ने कहा कि नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने समिति के इस जनकल्याणकारी अभियान की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। श्री श्री गौशाला, भागलपुर के महामंत्री गिरधारी केजरीवाल ने समिति के गठन का स्वागत करते हुए इसे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी पहल बताया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उपाध्यक्ष मालू जैन, सह सचिव चांद झुनझुनवाला, चिंटू अग्रवाल सहित समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, समाजसेवियों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया तथा नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

जमीन विवाद में पिता-पुत्र पर हमला, पिता की हालत गंभीर, एक गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर हुए कथित जानलेवा हमले में पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पीड़ित ने जगदीशपुर थाना में आवेदन देकर 11 लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मायागंज अस्पताल में इलाजरत घायल मनोज पासवान के परिजन ने रविवार को बताया कि परिवार का जमीन विवाद कई वर्षों से चल रहा है। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर उनके चाचा ने अपने रिश्तेदारों को बुलाकर मनोज पासवान और उनके पुत्र पर लाठी-डंडों से हमला करवा दिया। परिजन का कहना है कि आरोपी चारपहिया वाहन से पहुंचे और अचानक हमला कर दोनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल के दूसरे पुत्र ने बताया कि घटना के बाद जब वे जगदीशपुर थाना पहुंचे तो उन्हें पहले घायलों का इलाज कराने की सलाह दी गई। इसके बाद उपचार के उपरांत थाना में आवेदन दिया गया, जिसमें 11 लोगों को नामजद किया गया है। परिजन के अनुसार अब तक इस मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। वर्तमान में मनोज पासवान का इलाज भागलपुर के मायागंज अस्पताल में चल रहा है, जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वहीं उनके पुत्र का भी उपचार जारी है घटना के बाद पूरे परिवार में दहशत और गहरा सदमा है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से मासूम की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र स्थित रत्तीपुर बेरिया के पास रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच वर्षीय मासूम की जान चली गई। मृतक की पहचान रत्तीपुर बेरिया निवासी पिंटू साह के पुत्र प्रेम कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है और परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के चाचा पप्पू साह ने बताया कि प्रेम कुमार पैदल दुकान की ओर जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मासूम लगभग 20 से 25 फीट तक ट्रैक्टर के साथ घिसटता चला गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चे को उपचार के लिए जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल जेएलएनएमसीएच ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसे बचाने का हरसंभव प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही नाथनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।बताया गया कि मृतक के पिता पिंटू साह महाराष्ट्र में मजदूरी करते हैं। बेटे की मौत की सूचना मिलते ही वे भागलपुर के लिए रवाना हो गए हैं। इस दर्दनाक हादसे से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं गांव में भी मातम का माहौल है।

रेलखंड पर चलाया गया सघन टिकट चेकिंग अभियान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। पूर्वी रेलवे के मालदा डिवीज़न ने मनीष कुमार गुप्ता डिवीज़नल रेलवे मैनेजर मालदा के मार्गदर्शन में रेलवे राजस्व की सुरक्षा, बिना टिकट यात्रा को रोकने और सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए लगातार सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाए हैं। इन प्रयासों के तहत रविवार को कार्तिक सिंह सीनियर डिवीज़नल कमर्शियल मैनेजर, मालदा के नेतृत्व में भागलपुर-जमालपुर सेक्शन में चलने वाली ट्रेनों - 22311 मुंबई एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 12367 विक्रमशिला एक्सप्रेस, 13334 पटना-दुमका एक्सप्रेस, 13424 अजमेर-भागलपुर साप्ताहिक हमसफर एक्सप्रेस और अन्य ट्रेनों में सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। कमर्शियल इंस्पेक्टर, टिकट चेकिंग स्टाफ और रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर रोक लगाने और रेलवे के नियमों और विनियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक टिकट जांच की। अभियान के दौरान, बिना टिकट और अनियमित यात्रा के कुल 313 मामले पकड़े गए, जिनसे 3,32,395 रुपया का जुर्माना वसूला गया। मालदा डिवीज़न रेलवे राजस्व की सुरक्षा, बिना टिकट यात्रा को रोकने और वास्तविक यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाना जारी रखेगा। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले वैध टिकट खरीदें, क्योंकि बिना वैध टिकट के यात्रा करना रेलवे नियमों के तहत दंडनीय अपराध है।

बारिश के कारण नहीं पहुंच सके राज्यपाल और कृषि मंत्री, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया समागम का समापन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। जिले के बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय आम समागम-सह-कार्यशाला का समापन समारोह रविवार को आयोजित किया गया। इस मौके पर भागलपुर के सांसद अजय मंडल, विधायक रोहित पांडे, सुल्तानगंज विधायक ललित कुमार और पीरपैंती विधायक मुरारी पासवान सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। खराब मौसम और विजिबिलिटी कम होने के कारण बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) और सूबे के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा का सबौर पहुंचने का वीआईपी कार्यक्रम तात्कालिक रूप से स्थगित करना पड़ा। हालांकि, तकनीक का लाभ उठाते हुए दोनों शीर्ष नेताओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (ऑनलाइन) के माध्यम से विश्वविद्यालय के कर्पूरी सभागार में आयोजित मुख्य समारोह में अपनी डिजिटल उपस्थिति दर्ज कराई और देश के 9 राज्यों से आए प्रगतिशील बागवानों का हौसला बढ़ाया। विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय कक्ष में देश के कोने-कोने से लाई गई 1,000 से अधिक दुर्लभ और उन्नत पारंपरिक आमों की भव्य प्रदर्शनी (एग्जीबिशन) सह विक्रय काउंटर लगाए गए हैं। यहाँ ढाई-ढाई किलो के आम और अनोखे स्वाद वाली किस्मों को देखकर आम दर्शक दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हैं। प्रदर्शनी दीर्घा में कुछ विशिष्ट और अत्यंत दुर्लभ आमों को देखने के लिए हजारों आम प्रेमियों और स्कूली बच्चों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम में देशभर से आए किसानों, वैज्ञानिकों और आम उत्पादकों ने हिस्सा लिया। राष्ट्रीय आम समागम के दौरान आम की अलग-अलग किस्मों, आधुनिक खेती की तकनीक और किसानों की आय बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। समारोह में आम उत्पादन को बढ़ावा देने और बिहार को आम की खेती के क्षेत्र में आगे ले जाने पर जोर दिया गया।

प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से ही संभव होगा पंचायत का सर्वांगीण विकासः डीएम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग द्वारा प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को आयोजित किए जाने वाले पंचायत विकास दिवस (विकसित भारत–समृद्ध बिहार) कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को सबौर प्रखंड की बरारी ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में पंचायत विकास दिवस का आयोजन किया गया। इस माह के कार्यक्रम की थीम महिला हितैषी पंचायत रही। कार्यक्रम में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव सह भागलपुर जिला के प्रभारी सचिव दीपक आनंद एवं जिलाधिकारी अलंकृता पांडे ने भाग लिया तथा ग्रामवासियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, प्रखंड विकास पदाधिकारी सबौर, अंचलाधिकारी सबौर, बरारी पंचायत के मुखिया जयकरण पासवान, सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि, जीविका दीदियाँ, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाएँ तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी सचिव ने कहा कि पंचायत विकास दिवस का उद्देश्य ग्राम पंचायत के सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए पंचायत के विकास कार्यों की समीक्षा करना तथा आगामी योजनाओं पर ग्राम सभा के माध्यम से विचार-विमर्श करना है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि बरारी पंचायत में सड़कों एवं नाला निर्माण जैसे आधारभूत विकास कार्यों के साथ-साथ खेल को बढ़ावा देने के लिए वॉलीबॉल कोर्ट का भी निर्माण कराया गया है, जो पंचायत की दूरदर्शी सोच का परिचायक है। उन्होंने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सहभागिता यह दर्शाती है कि महिलाएँ अब सशक्त होकर विकास की मुख्यधारा में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत विकास दिवस के माध्यम से लैंगिक समानता, शिक्षा एवं कौशल विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं के विस्तार तथा महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत की विकास योजनाओं के निर्धारण में आम जनता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है तथा ग्रामवासियों को अपनी आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं के चयन में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर डीएम अलंकृता पांडे ने कहा कि पंचायत विकास दिवस का वास्तविक उद्देश्य पंचायत के प्रत्येक नागरिक को विकास प्रक्रिया से जोड़ना है। उन्होंने कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं, बच्चों, वृद्धजनों एवं पुरुषों की समान भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि यही पंचायत विकास दिवस की मूल भावना है। उन्होंने कहा कि पंचायत की कार्ययोजना, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तथा भविष्य की प्राथमिकताओं के निर्धारण में प्रत्येक व्यक्ति का सुझाव महत्वपूर्ण है। सभी नागरिकों के विचारों एवं सहभागिता से ही पंचायत का सर्वांगीण एवं समावेशी विकास संभव हो सकेगा। डीएम ने पंचायत के युवा एवं शिक्षित मुखिया जयकरण पासवान की सराहना करते हुए पंचायत की पूरी टीम, सरपंच तथा आयोजन में सहयोग करने वाले सभी प्रतिनिधियों को बधाई दी। उन्होंने जीविका दीदियों, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं एवं क्षेत्र में कार्यरत सभी कर्मियों के योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं ग्रामीण परिवारों तक सरकारी सेवाएँ पहुँचाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि आगामी पंचायत विकास दिवस में वे अपने क्षेत्र की समस्याओं, सेवाओं में सुधार संबंधी सुझाव तथा स्थानीय आवश्यकताओं को खुलकर ग्राम सभा के समक्ष रखें।

सदर अस्पताल से पल्स पोलियो अभियान का डीएम ने किया शुभारंभ

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। जिले में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को सदर अस्पताल में जिलाधिकारी अलंकृता पांडे द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पांच वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील करते हुए कहा कि 2 जुलाई तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। डीएम ने कहा कि यदि किसी कारणवश किसी घर तक टीम नहीं पहुंचती है, तो संबंधित परिवार कंट्रोल रूम पर सूचना दे सकता है। सूचना प्राप्त होते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम को तत्काल भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम का नंबर स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किया जाएगा तथा प्रेस ब्रीफ के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें तथा पांच वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे को पल्स पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि पोलियो मुक्त समाज के निर्माण में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में डीएम ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान के दौरान कंट्रोल रूम 24 घंटे कार्यरत रहेगा, ताकि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

पंचायत में मनाया गया विकास दिवस, ग्रामीणों की उमड़ी भीड़

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। जिले के शाहजंगी पंचायत में रविवार को पंचायत विकास दिवस मनाया गया। पंचायत के समुदाय भवन में प्रखंड के कई अधिकारी एवं शाहजंगी पंचायत की मुखिया बीवी तरन्नुम एवं सभी वार्ड सदस्य उपस्थित थे। इस मौके पर ग्राम सभा का भी आयोजन किया गया। पंचायत कार्यपालक सहायक एवं प्रखंड लेखपाल ने सरकार की दिए गए योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी। सरकार के दिशा निर्देश पर ग्रामीण विकास को नई रफ्तार देने के लिए अब हर महीने के आखिरी रविवार को पंचायत विकास दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर सरकार के द्वारा चलाए जा रहे अहम योजनाओं पर भी विशेष चर्चा हुई। बीवी तरन्नुम ने बताया कि पंचायत हमारे लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी है। गांव का विकास लोगों की भागीदारी और जन कल्याण की योजनाओं को धरातल तक पहुंचने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मैं सरकार के दिए गए गाइडलाइन पर पूरी ईमानदारी के साथ काम कर रही हूं।

संक्षिप्त समाचार

सम्मन जैन को दी गई श्रद्धांजलि

आरा। समाजसेवी एवं संगीतप्रेमी स्व. सम्मन जैन की पुण्यतिथि पर जैन धर्मशाला के सामने जैन मंदिर परिसर में उनकी पुत्री डॉ. जया जैन के सौजन्य से श्रद्धांजलि एवं संगीत कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में स्व. जैन के व्यक्तित्व, समाजसेवा और संगीत के प्रति उनके गहरे लगाव को याद करते हुए डॉ. जया जैन ने उनके जीवन के बारे में बताया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।संगीत संध्या में राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध तबला वादक डॉ. लाल बाबू निराला ने कायदा, रेला और लयकारी प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जिले के 18 केंद्रों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा आज, 11544 अभ्यर्थी होंगे शामिल

आरा। आरा बिहार पुलिस दूरसंचार (वितंतु) एवं तकनीकी अराजपत्रित संवर्ग में सिपाही (प्रचालक) के पद पर नियुक्ति के लिए 28 जून 2026 (रविवार) को होने वाली लिखित परीक्षा की तैयारियां भोजपुर जिले में पूरी कर ली गई हैं। जिला दंडाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी भोजपुर के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कड़े दिशा-निर्देश दिए गए। भोजपुर जिला अंतर्गत इस परीक्षा के लिए कुल 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर 11544 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा एकल पाली में दोपहर 12 बजे से अपराह्न दो बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा के सफल और शांतिपूर्ण संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा 51 दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो परीक्षा केंद्रों पर कानून-व्यवस्था संभालेंगे। प्रशासन ने सख्त लहजे में निर्देश दिया है कि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति प्रातः 10 बजे से 11 बजे पूर्वाह्न तक ही दी जाएगी। प्रवेश की समय अवधि समाप्त होने के बाद किसी भी परिस्थिति में किसी परीक्षार्थी को अंदर जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। इसके साथ ही परीक्षा समाप्त होने से पहले कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र से बाहर नहीं निकल सकेगा। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स समेत इन चीजों को ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए नियमों को बेहद कड़ा किया गया है। परीक्षार्थी अपने साथ परीक्षा कक्ष में प्रवेश पत्र के अलावा किसी भी प्रकार की लिखित सामग्री, प्रवेश पत्र पर कोई लेख, सादा कागज, पेन, क्लिपबोर्ड, स्लाइड रूल, थिनर, रेजर एवं ब्लेड नहीं ले जा सकेंगे। इसके साथ ही कैलकुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, वाई-फाई गैजेट, इलेक्ट्रॉनिक पेन, पेजर, घड़ी, डिजिटल डायरी, पॉमटाप, पीडीए या अन्य किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूरी तरह वर्जित रहेगा।परीक्षा में किसी भी तरह की तकनीकी चोरी या विधि विरुद्ध मदद को रोकने के लिए सभी केंद्रों पर जैमर लगाए गए हैं। मुख्य प्रवेश द्वार पर कंट्रोल रूम, सभी परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरे और पूरी परीक्षा की वीडियोग्राफी कराने का कड़ा निर्देश दिया।

करोड़ों खर्च, फिर भी बेकार पड़े शौचालय

बक्सर। भारत स्वच्छता मिशन के तहत शहर में 2.68 करोड़ से बनाए गये 18 सामुदायिक शौचालयों अधिकांश उपयोग के लायक नहीं रह गये हैं। ऐसे में शहर में रहने वाले भूमिहीन परिवार आज भी खुले में शौच करने को विवश हैं। बता दें कि नगर परिषद की ओर से स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर अंक प्राप्त करने की तैयारी में यह रोड़ा बन सकता है। नप कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के विभिन्न जगहों पर बने 5 सीट के दो, 12 सीट के पांच और 18 सीट के ग्यारह शौचालय मात्र शोपीस बन कर रह गये हैं। अधिकांश शौचालय बंद और बेकार हो गये हैं। लाइट, पानी आदि की व्यवस्था तक नहीं है।

रेलवे ट्रैक पार कर जान जोखिम में डाल रहे लोग

बक्सर। इटाढ़ी रेलवे गुमटी को स्थायी रूप से बंद किए जाने के बाद स्थानीय लोग अपनी जान की परवाह किए बिना धड़ल्ले से रेलवे ट्रैक पार कर आ-जा रहे हैं। शॉर्टकट के चक्कर में किया जा रहा यह दुस्साहस किसी भी वक्त बड़े हादसे का सबब बन सकता है। गुमटी बंद होने से राहगीरों और वाहन चालकों को लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है, जिससे बचने के लिए लोग पैदल ही पटरियां पार कर रहे हैं। इसको लेकर रेलवे प्रशासन भी सख्त नहीं है। इटाढ़ी रेलवे गुमटी के पास रेलवे ट्रैक पार करने वालों पर रोक नहीं लगाया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

अभ्यर्थियों के लिए बक्सर से दानापुर के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

बक्सर। बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए एक राहत भरी खबर है। परीक्षा के बाद घर लौटने वाले परीक्षार्थियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने एक विशेष ट्रेन (स्पेशल ट्रेन) के संचालन की घोषणा की है। यह कदम अभ्यर्थियों की सुगम, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि स्टेशन पर किसी प्रकार की अव्यवस्था न फैले। दोपहर 2:30 बजे रवाना होगी स्पेशल ट्रेन : रेलवे यातायात निरीक्षक विंध्याचल पाण्डेय के अनुसार, 28 जून (रविवार) को आयोजित होने वाली परीक्षा के बाद बक्सर स्टेशन पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ जुटने की पूरी संभावना है। इसी मद्देनजर रेलवे ने त्वरित निर्णय लेते हुए बक्सर से दानापुर के लिए एक परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह विशेष ट्रेन रविवार को दोपहर 2:30 बजे बक्सर स्टेशन से खुलेगी और सीधे दानापुर के लिए रवाना होगी। 13 केंद्रों पर परीक्षा देंगे 5400 अभ्यर्थी रेलवे प्रशासन को मिली आधिकारिक सूचना के मुताबिक, बक्सर जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में बिहार आरक्षी चयन परीक्षा के लिए कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर करीब 5,400 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा का समय दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक निर्धारित है। परीक्षा समाप्त होने के ठीक आधे घंटे बाद (2:30 बजे) इस ट्रेन का समय रखा गया है, ताकि अभ्यर्थी बिना किसी हड़बड़ी के सुरक्षित रूप से स्टेशन पहुंचकर ट्रेन पकड़ सकें। रेलवे प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों और आम यात्रियों से अपील की है कि वे इस विशेष ट्रेन सेवा का अधिकतम लाभ उठाएं। किसी भी प्रकार की भगदड़ या असुविधा से बचने के लिए अभ्यर्थी निर्धारित समय से थोड़ा पहले स्टेशन पहुंचें और शांतिपूर्वक यात्रा सुनिश्चित करें।

30 से स्कूल 12:30 बजे तक होगा संचालित

बक्सर। जिले में लगातार पड़ रही उमस भरी गर्मी और बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए, जिला प्रशासन ने विद्यालयों के संचालन को लेकर नया आदेश जारी किया है। जिला दंडाधिकारी साहिला ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत आदेश जारी करते हुए 30 जून से 4 जुलाई तक जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों, प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा कोचिंग संस्थानों में सुबह दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होगा। दोपहर 12:30 बजे के बाद आठवीं कक्षा तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक लगा दी है। जारी आदेश में कहा गया है कि जिले में अत्यधिक उमस भरी गर्मी, विशेषकर दोपहर के समय बढ़े तापमान के कारण बच्चों के स्वास्थ्य एवं जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटे में मौसम में बदलाव और सुबह के समय गर्मी में कुछ कमी आने की संभावना है, फिर भी एहतियात के तौर पर यह निर्णय लिया गया है। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया है कि वे इस आदेश का कड़ाई से पालन करते हुए प्रभावित शैक्षणिक गतिविधियों का पुनर्निर्धारण करें। आदेश के अनुसार नौवीं से 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई तथा अन्य प्रशासनिक कार्य पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुसार संचालित किए जा सकेंगे।

ट्रक ड्राइवर ने की खुदकुशी

आरा। भोजपुर में ट्रक के ड्राइवर ने खुदकुशी कर ली। छत की कुंडी से लटका हुआ शव मिला है। मृतक की पहचान के महुली गांव निवासी रामबाबू सिंह(58) के तौर पर हुई है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है। मृतक के साढ़ू दिलीप सिंह ने बताया कि वह घर पर अकेले थे। उनके परिवार के लोग कहीं गए हुए थे। इसी बीच उन्होंने छत की कुंडी से लटक कर फांसी लगा ली। आसपास के लोगों ने सूचना मिलने के बाद परिजन घर पहुंचे। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

प्रखंड-अनुमंडल कार्यालयों के आईटी सहायकों का ट्रांसफर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिला प्रशासन ने सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली को प्रभावी, पारदर्शी और सुचारू बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। बिहार लोक सेवाओं के अधिकार अधिनियम, 2011 के तहत नियुक्त सभी प्रखंड एवं अनुमंडल कार्यालयों के आईटी सहायकों का स्थानांतरण कर दिया गया है। यह कदम साहिला के निर्देश पर उठाया गया है।

लंबे समय से एक ही कार्यालय में थे कार्यरतः जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उन आईटी सहायकों को स्थानांतरित किया गया है जो लंबे समय से एक ही कार्यालय में कार्यरत थे। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक आवश्यकताओं और कार्यहित को ध्यान में रखते हुए कार्यालय प्रबंधन को बेहतर बनाना, कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और सरकारी योजनाओं व सेवाओं के क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी बनाना है।

स्थानांतरण से कर्मचारियों की जवाबदेही बढ़तीः प्रशासन का मानना है कि किसी भी कर्मचारी का लंबे समय तक एक ही स्थान पर रहना कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है। समय-समय पर स्थानांतरण से कर्मचारियों की जवाबदेही बढ़ती है, कार्य संस्कृति में सुधार आता है और सरकारी व्यवस्था मजबूत होती है। इसी विचार के तहत यह कदम उठाया गया है। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित नियंत्रक पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्थानांतरित किए गए आईटी सहायकों और नियोजित कार्यपालक सहायकों को उनके वर्तमान कार्यालय से 7 जुलाई तक अनिवार्य रूप से विरमित कर नई पदस्थापना स्थल पर योगदान के लिए भेजा जाए।

♦ बक्सर जिला प्रशासन का अहम फैसला, अधिनियम 2011 के तहत कार्रवाई

अनुपालन रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराने के निर्देशः साथ ही, विरमित करने के बाद इसकी अनुपालन रिपोर्ट जिला प्रशासन को समय पर उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है, ताकि स्थानांतरण आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन के इस फैसले को सरकारी कार्यालयों में कार्य व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और जनसेवा केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। आदेश जारी होने के बाद संबंधित कर्मियों ने नई पदस्थापना के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

भाजपा क्रीड़ा मंच संयोजक अरेस्ट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर नगर थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान के दौरान भाजपा क्रीड़ा मंच के जिला संयोजक दुर्गेश उपाध्याय उर्फ 'विद्रोही' को शराब के नशे में हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, जांच में उनके शराब सेवन की पुष्टि हुई, जिसके बाद बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शराब के नशे में कर रहा था हंगामाः यह घटना नया बाजार क्षेत्र में हुई, जहां बक्सर नगर थाना पुलिस नियमित वाहन जांच कर रही थी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने एक वाहन को रोका और दुर्गेश उपाध्याय को भी जांच के लिए रोका गया। आरोप है कि वह शराब के नशे में थे और मौके पर हंगामा कर रहे थे, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया।

प्रारंभिक जांच में शराब की हुई पुष्टिः पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच और आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद यह पुष्टि हुई कि उन्होंने शराब का सेवन किया था। इसके उपरांत, बिहार में लागू मद्य निषेध कानून के तहत उनके विरुद्ध आगे की कार्रवाई शुरू की गई है। बिहार में शराबबंदी कानून के कारण शराब का सेवन या इससे संबंधित कोई भी गतिविधि गंभीर अपराध मानी जाती है, जिसके लिए सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।

वाहन जांच के दौरान नशे में हंगामाः इस संबंध में, मनोज कुमार ने जानकारी दी कि नया बाजार इलाके में वाहन जांच के दौरान संबंधित व्यक्ति शराब के नशे में हंगामा कर रहे थे। जांच में शराब पीने की पुष्टि होने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया है। बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के सामने आने के बाद जिले के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। पुलिस फिलहाल पूरे मामले में नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई कर रही है।

महुली गांव में ट्रक के चालक ने फांसी लगा की खुदकुशी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के महुली गांव में एक ट्रक के चालक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के महुली गांव के निवासी स्वर्गीय नारद मुनि सिंह के 58 वर्षीय पुत्र रामबाबू सिंह था। घटना की सूचना मिलने के बाद मृतक रामबाबू सिंह के साढ़ू रिशु सिंह ने बताया कि गांव के लोगों द्वारा हमको फोन पर घटना की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद हमलोग महुली गांव पहुंचे। उनका परिवार बाहर गया था। इसी बीच रामबाबू सिंह ने घर में ही कुंडी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। आत्महत्या का कारण हमको जानकारी नहीं है। घटना के बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद मुफ्फसिल थाना के पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के समय रामबाबू सिंह का परिवार घर में नहीं था। घटना की सूचना मिलने के बाद मृतक रामबाबू सिंह की पत्नी आरती देवी पुत्र दीपू एवं पुत्री प्रिया कुमारी का रो -रो कर बुरा हाल है। रामबाबू सिंह दो भाई दो बहन में दूसरे स्थान पर था। वह ट्रक चलाते थे। मुफ्फसिल थाना के थानाध्यक्ष राम कृपाल यादव ने कहा कि थाना क्षेत्र के महुली गांव के निवासी रामबाबू सिंह ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर लिया था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंच शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

पुलिस के वीडियो में एसपी को बुलाता दिखा चंदन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर पुलिस ने भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में धमकी के आरोपों को खारिज कर दिया है। 8 मिनट 17 सेकंड का वीडियो जारी कर एसपी राज पर मृतक के भाई चंदन तिवारी को धमकाने के आरोपों को पूरी तरह निराधार और तथ्यहीन बताया है। आधिकारिक बयान में भोजपुर पुलिस ने कहा कि एसपी सिर्फ मृतक भरत तिवारी के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने और मामले के निष्पक्ष जांच के लिए उनका पक्ष जानने के उद्देश्य से उनके आवास पर गए थे। पुलिस का उद्देश्य पीड़ित परिवार को न्याय का भरोसा दिलाना था। पूरे बातचीत के दौरान शाहपुर पुलिस के साथ महिला सिपाही उनके दरवाजे पर मौजूद थीं।

'भीड़ से अलग हटकार बातचीत करने का इशारा किया': मुलाकात के दौरान मृतक के भाई चंदन ने एसपी से भीड़ से अलग हटकर बात करने का इशारा किया गया था, जिसे स्वीकार करते हुए उनसे उसी जगह मात्र 3-4 कदम की दूरी पर बातचीत की गई। जिसमें मृतक के भाई ने सुरक्षा प्रदान करने एवं मामले की निष्पक्ष जांच करने का अनुरोध किया गया था। भोजपुर पुलिस ने स्पष्ट किया कि बातचीत के दौरान किसी भी प्रकार की धमकी देने या दबाव बनाने का आरोप सरासर गलत है। ऐसा प्रतीत होता है कि चंदन तिवारी द्वारा यह बयान किसी बाहरी तत्व के बहकावे में आकर दिया जा रहा है। पुलिस मृतक भरत तिवारी के परिवार के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी जिम्मेदार अधिकारी की छवि को धूमिल करने के प्रयास और ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए।

अब जानिए भरत के भाई चंदन तिवारी ने क्या आरोप लगाया थाः मुलाकात के बाद भरत तिवारी के भाई चंदन तिवारी ने भोजपुर के एसपी राज पर धमकाने, केस उठाने की धमकी देने का आरोप लगाया था। चंदन तिवारी ने कहा था, 'बुधवार (24 जून) की रात एसपी अपनी पूरी टीम के साथ अचानक मेरे घर आए और अंदर घुस गए, वे किसके परमिशन से अंदर घुसे? जब एसपी राज अपनी पूरी टीम के साथ मेरे घर आए थे, तो घर पर मात्र चार लोग थे। मैं, मेरी पत्नी और मेरे माता-पिता थे। इसके अलावा अंदर कोई नहीं था, किसी भी गांववाले को अंदर घुसने नहीं दिया जा रहा था, मतलब एसपी अपनी पूरी टीम के साथ क्या करने आए थे।

प्रथम संभागीय त्रिदिवसीय सेमिनार शुरू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। आनंद मार्ग प्रचारक संघ आरा भुक्ति के सौजन्य से शारदा मैरेज पैलेस,आरा में प्रथम संभागीय त्रिदिवसीय सेमिनार का आयोजन 26 जून से शुरू हुआ। यह आध्यात्मिक एवं सामाजिक दर्शन पर आधारित सेमिनार है। शुक्रवार को इसका दूसरा दिन था जिसमें बड़ी संख्या में मार्गी शामिल हुए। सेमिनार का मुख्य विषय रूप और रूपातीत, भक्ति रूप सेतु तथा प्रउत है। वरिष्ठ आचार्य रूद्रप्रकाशानंद अवधूत ने 'रूप और रूपातीत' पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि रूप का तात्पर्य सृष्टि या जड़ता शक्ति से है जो तमोगुण से उत्पन्न होती है। रूपातीत असीमित, अखंड और अनंत सत्ता है जो देश, काल, पात्र की सीमा से बाहर है। मुख्य प्रशिक्षक आचार्य रूद्रप्रकाशानंद अवधूत हैं। इनके साथ आचार्य रत्नमुक्तानंद अवधूत, आचार्य चिदम्बरानंद अवधूत, आचार्य रामकृपानंद अवधूत, आचार्य शुभचिंतानंद अवधूत, आचार्य जतींद्रानंद अवधूत, तात्विक जय मंगल देव, महेंद्र कुमार, मिथिलेश कुमार, शिव मोहन जी, अश्वनी जी, राजेंद्र जी सहित सैकड़ों पुरुष-महिला भक्तगण उपस्थित हैं। सेमिनार में आरा, बक्सर, रोहतास, भभुआ, बलिया, पटना, जहानाबाद, औरंगाबाद, लखीसराय, जमुई, शेखपुरा, नालंदा और अरवल सहित कुल 13 जिलों से भक्तगण सम्मिलित हुए हैं। आरा और पटना डायोसिस के सैकड़ों आनन्दमार्गी भाग ले रहे हैं। आचार्य जी ने कहा कि रूपातीत परमात्मा को पाने का एकमात्र उपाय धर्म साधना है। धर्म साधना में इष्ट चक्र, इष्ट मंत्र एवं भाव का समावेश है। जीवन की अग्रगति परमात्मा की ओर है जिसमें विचारों की सूक्ष्मता, अहंता की दृढ़ता और पौरुष की प्रबलता जरूरी है। उन्होंने प्रतिमा, तीर्थाटन, प्रार्थना, अर्चना की व्यर्थता पर भी प्रकाश डाला और कुण्डलिनी जागरण व पूर्ण आत्मसमर्पण की बात कही। सेमिनार के अंतिम दिन समापन सत्र होगा जिसमें भक्तों को दीक्षा व मार्गदर्शन दिया जाएगा।

8 साल के बच्चे की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर में 8 साल के बच्चे की मौत हो गई। अमरूद के पेड़ से गिरने और गला दबने के कारण हादसा हुआ है। मृतक की पहचान देवकुली गांव निवासी सनत कुमार दुबे के पुत्र इशांत कुमार के तौर पर हुई है। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के बड़ौरा गांव की है। मृतक की मां ने बताया कि इशांत घर में खेल रहा था। इस दौरान मैंने उससे कहा कि चलो नहा लो, तो उसने कहा कि ठीक है मैं आता हूं। इस बीच वह घर के पास अमरूद के पेड़ पर चढ़ गया। जहां से गिर जाने के कारण उसके गला दब गया। कुछ देर बाद मैंने अपनी बेटी को कहा कि देखो बाबू कहां गया है। जब उसकी बहन वहां पहुंची तो उसने देखा कि वह पेड़ से लटका हुआ है। आनन-फानन में अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घर में मचा कोहरामः इशांत घर में इकलौता लड़का था। परिवार में मां और दो बहन श्रेष्ठी, श्रेया है। मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संसार के सभी दृश्य परिवर्तनशील हैं, सबका नाश तय : रूद्रप्रकाशानंद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। आनंद मार्ग प्रचारक संघ, आरा भुक्ति द्वारा शनिवार को शहर के शारदा मैरेज पैलेस में प्रथम संभागीय त्रिदिवसीय सेमिनार हुआ। सेमिनार में आरा, बक्सर, रोहतास, भभुआ, बलिया, पटना, जहानाबाद, औरंगाबाद, लखीसराय, जमुई, शेखपुरा, नालंदा और अरवल सहित 13 जिलों से बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला भक्तों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य आध्यात्मिक ज्ञान, साधना और भारतीय दर्शन के विभिन्न पहलुओं पर गहन चिंतन-मनन करना है। सेमिनार का मुख्य विषय रूप और रूपातीत रखा गया। मुख्य प्रशिक्षक आचार्य रूद्रप्रकाशानंद अवधूत ने विषय की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि रूप वह है जो किसी आकार, रंग, गुण अथवा स्वरूप में दिखाई देता है। मनुष्य, पेड़, पर्वत, नदी तथा समस्त दृश्य जगत इसके उदाहरण हैं। इसके विपरीत रूपातीत वह है जो किसी निश्चित आकार या सीमा में बंधा नहीं है और जिसे इंद्रियों से प्रत्यक्ष नहीं देखा जा सकता। भारतीय दर्शन में परमात्मा, ब्रह्म और आत्मा को रूपातीत माना गया है। उन्होंने कहा कि संसार के सभी दृश्य रूप परिवर्तनशील हैं। समय के साथ उनका स्वरूप बदलता है और अंततः उनका नाश हो जाता है, जबकि रूपातीत शाश्वत, अपरिवर्तनशील और सनातन सत्य का प्रतीक है। अनेक दार्शनिक परंपराओं के अनुसार समस्त सृष्टि के विविध रूप उसी परम सत्य की अभिव्यक्तियां हैं। इसलिए मनुष्य को केवल बाहरी स्वरूप तक सीमित न रहकर उस परम चेतना की अनुभूति का प्रयास करना चाहिए।सेमिनार में आचार्य रत्नमुक्तानंद अवधूत, आचार्य चिदम्बरानंद अवधूत, आचार्य रामकृपानंद अवधूत, आचार्य शुभचिंतानंद अवधूत, आचार्य जतींद्रानंद अवधूत, तात्विक जय मंगल देव, महेंद्र कुमार, मिथिलेश कुमार, शिव मोहन जी, अश्वनी जी एवं राजेंद्र जी ने भी आध्यात्मिक जीवन, साधना और मानव कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे।

आदेश के 4 साल बाद भी नहीं हट सका अतिक्रमण, परेशानी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गड़हनी। प्रखंड क्षेत्र के शिवपुर गांव में आहर एवं श्मशान भूमि से अतिक्रमण हटाने का मामला एक बार फिर चर्चा में है। आरोप है कि वर्ष 2022 में अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा अतिक्रमण हटाने का आदेश दिए जाने के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं हो सकी है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, शिवपुर गांव निवासी बलिराम राम ने आहर, पइन एवं श्मशान भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय में आवेदन 2021 में दिया था। मामले की सुनवाई वर्ष 2022 में अनुमंडलीय लोग शिकायत अधिकारियों के द्वारा तत्काल अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। आदेश के आलोक में गड़हनी के पूर्व सीओ उदय कांत चौधरी ने सभी अतिक्रमणकरियो को नोटिस जारी किया था इसके बावजूद भी आज तक जमीन को खाली नहीं कराया जा सका है। शिवपुर गांव के सामाजिक कार्यकर्ता रामनाथ सिंह ने बताया कि आहर और पइन पर हुए अतिक्रमण के कारण सिंचाई व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। और आज भी लोग इस बिहार सरकार के जमीन पर शौचालय सहित कई निर्माण कार्य कर रहे है। साथ ही बताया कि इस अतिक्रमण के कारण ही शिवपुर चइयाचक सड़क का निर्माण नहीं हो रहा है क्योंकि सैकड़ों लोग जमीन को अतिक्रमण कर संकीर्ण कर दिया दिया है। साथ ही जल निकासी एवं जल संचयन की प्राकृतिक व्यवस्था भी बाधित होने से किसानों को सैकड़ों एकड़ खेती-किसानी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं श्मशान के जगह को भी नहीं छोड़ा गया है और अतिक्रमण कर लिया गया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

पालीगंज में तेज रफ्तार ट्रक ने अधेड़ को कुचला, मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। महबलीपुर मोड़ के पास बालू लदे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को कुचल दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 60 वर्षीय लिली चौधरी के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय श्रीलखन चौधरी के पुत्र बताए गए हैं।

हादसे के बाद ग्रामीणों का हंगामा, सड़क जामः जानकारी के मुताबिक, लिली चौधरी महबलीपुर बाजार आए थे और पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पार करते समय अरवल की ओर से आ रहे बालू लदे ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने महबलीपुर मोड़ के पास सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ देर तक इलाके में यातायात भी प्रभावित रहा।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, ट्रक जब्तः सूचना मिलने पर पालीगंज थाना की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है। थानाप्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया, ग्रामीणों से सड़क हादसे में मौत की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी रही। ट्रक को जब्त किया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।'

❑ **सड़क पार करने के दौरान चपेट में आए, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम**

मजदूर की तड़पकर संदिग्ध मौत काम करते-करते अचानक गिरा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत दुल्हिनबाजार थाना क्षेत्र में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें मजदूर काम करते हुए अचानक गिरता दिखाई दे रहा है। मृतक की पहचान मनोहर ठाकुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मनोहर ठाकुर बंधन बैंक की गली स्थित एक घर के बाहर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे जमीन पर गिर पड़े।

सामने आए फुटेज में दिख रहा है कि मनोहर ठाकुर गिरने के बाद कुछ देर तक वहीं पड़े रहे। इस दौरान आसपास से लोग गुजरते दिखाई दिए, लेकिन परिजनों का आरोप है कि किसी ने उन्हें तत्काल मदद नहीं पहुंचाई। कुछ देर बाद मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद मृतक के परिजनों ने उस घर के मालिक पप्पू कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जहां मनोहर ठाकुर काम कर रहे थे। मृतक के भतीजे अमित कुमार ने बताया, 'बड़े पापा काम करने के लिए वहां गए थे। शाम को अचानक मौत की सूचना मिली।' उनका कहना है कि जब वे मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई, तब तक घर के मालिक पप्पू कुमार और अन्य लोग वहां से जा चुके थे। परिवार ने मौत के पीछे साजिश की आशंका जताई है। मामले में दुल्हिनबाजार थाना के थाना प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि घटना से जुड़ा CCTV फुटेज सामने आया है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। थाना प्रभारी विकास कुमार ने कहा, 'परिजनों ने घर मालिक पर हत्या की साजिश का आरोप लगाया है, लेकिन फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।'

संक्षिप्त समाचार

राजापाकर थाना अध्यक्ष के सिर में लगे 6 टांके

हाजीपुर। वैशाली में ताजिया जुलूस विसर्जन के दौरान राजापाकर थाना अध्यक्ष गौरीशंकर बैठा पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर में छह टांके लगे हैं। थाना अध्यक्ष गौरीशंकर बैठा ने बताया कि प्रशासन द्वारा शांति समिति की बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों का किसी भी आयोजन समिति या लाइसेंसधारी ने पालन नहीं किया। उन्होंने बताया कि राजापाकर बाजार में निकाली गई ताजिया जुलूस में सबसे पहले तकिया टोला के बुढ़वा अखाड़ा के लाइसेंसधारी ने निर्धारित मार्ग का उल्लंघन किया और दूसरे मार्ग से राजापाकर बाजार पहुंच गए, जबकि उनके ताजिया का विसर्जन सबसे पहले होना था। इसके बाद भुवनेश्वर चौक दर्जी टोला से निकले इस्लामिया अखाड़े के ताजिया को विसर्जन के लिए लाया जा रहा था। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्व उग्र हो गए और उन्होंने थाना अध्यक्ष गौरीशंकर बैठा पर घातक हमला कर दिया। हमलावरों ने उनके सिर पर वार किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों की मदद से उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजापाकर ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, थाना अध्यक्ष अब खतरे से बाहर हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। महुआ एसडीपीओ संजीव कुमार वज्र वाहन और पुलिस बल के साथ राजापाकर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। कुछ देर बाद देर रात वैशाली एसपी शुभांक मिश्रा भी राजापाकर पहुंचे और मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान राजापाकर प्रखंड विकास पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह सेंगर, अंचलाधिकारी गौरव कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद थे और उन्होंने निरीक्षण किया। एसडीपीओ महुआ ने घटनास्थल के पास एक ज्वेलरी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने बताया कि डीवीआर फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। समाचार लिखे जाने तक मामले की छानबीन जारी थी।

नोएडा में रोड एक्सीडेंट, प्रवासी मजदूर की मौत, रोड क्रॉस करते समय पिकअप ने मारी टक्कर

हाजीपुर। दिल्ली से सटे नोएडा में एक सड़क दुर्घटना में वैशाली जिले के एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय पप्पू कुमार के रूप में हुई है, जो महुआ थाना क्षेत्र के रसलपुर उर्फ मधौल वार्ड-15 के निवासी थे। वह भजन राय के पुत्र थे। पप्पू कुमार दिल्ली में रहकर मजदूरी करते थे और अपनी कमाई से परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी मृत्यु की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक की मां गिरजा देवी, पिता भजन राय, पत्नी रूबी कुमारी, भाई पवन कुमार और पंकज कुमार गहरे सदमे में हैं। उनके दो बच्चे, पुत्र आदित्य और पुत्री साक्षी भी इस घटना से आहत हैं। बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व जिला परिषद सदस्य अशोक कुमार अकेला सहित कई स्थानीय लोगों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित सरकारी सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या, सिर में चोट लगने के कारण गई जान, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मुसहरी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। यह घटना रविवार सुबह नवादा चौक के पास मानशाही नवादा गांव में हुई। मृतक की पहचान 40 साल के संतोष महतो के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, संतोष महतो और उनके छोटे भाई अशोक महतो के बीच घर में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर अशोक महतो ने घर में रखे जांता (पत्थर का उपकरण) से संतोष महतो के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी अशोक महतो मौके से फरार हो गया। शोर सुनकर परिवार और आसपास के लोग इकट्ठा हुए। सूचना मिलते ही मुसहरी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) भेज दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी छोटे भाई अशोक महतो को हिरासत में ले लिया है और आगे की जांच जारी है। इस मामले पर एसडीपीओ पूर्वी-2 मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुसहरी थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के दौरान एक व्यक्ति की हत्या की गई है। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण व्यक्ति की मौत हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन की जा रही है। हत्या का आरोप मृतक के छोटे भाई पर है, पुलिस की टीम की ओर से तत्काल उसके आरोपी भाई को हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। अब तक किसी प्रकार की कोई लिखित शिकायत पुलिस को नहीं मिली है।

मुजफ्फरपुर के कांटी स्टेशन पर मजदूर का शव मिला, कान-मुंह से खून निकल रहा था

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कांटी रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक मजदूर का शव बरामद किया गया है। यह शव प्लेटफार्म नंबर एक पर स्टेशन मास्टर के कमरे से लगभग सौ मीटर की दूरी पर मिला। मृतक के कान और मुंह से खून निकल रहा था। पुलिस ने रेल से गिर कर मौत की आशंका जताई है। स्थानीय नागरिकों ने तत्काल इसकी सूचना प्रशासन और पुलिस को दी। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम और रेलवे पुलिस (जीआरपी) बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है और आवश्यक सबूत जुटा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच और स्थानीय लोगों की मदद से मृतक युवक की पहचान हो गई है। उसकी पहचान कांटी प्रखंड के कुसी हरपुर होरिल गांव निवासी स्वर्गीय उमाशंकर ठाकुर के बेटे विपुल कुमार उर्फ वीजन (30) के रूप में हुई है। विपुल कुमार उर्फ वीजन के माता-पिता का पहले ही देहांत हो चुका था। माता-पिता के निधन के बाद घर में केवल दो भाई ही थे। विपुल गांव में रहकर कांटी रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में मजदूरी करता था। उसका दूसरा भाई झारखंड के जमशेदपुर में मजदूरी करता है। दोनों भाई मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रहे थे। चर्चा है कि आपसी रंजिश में हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। कुछ लोग हादसे की भी आशंका जता रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर गहराई से जांच कर रही है। रेल थाना पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पंचनामा तैयार करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मुजफ्फरपुर के श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (SKMCH) भेज दिया गया है।

मुजफ्फरपुर में महिला मजदूर की करंट लगने से मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के सकरा थाना क्षेत्र के मारकन गांव में रविवार सुबह करंट लगने से एक महिला मजदूर की मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। मृतका की पहचान मारकन गांव निवासी रामकरण राम की पत्नी मछिया देवी के रूप में हुई है। मछिया देवी एक गरीब परिवार से थीं और अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए मजदूरी करती थीं।व ह पिछले कई साल से गांव के ही रहने वाले अमल सिंह के घर पर गायों की देखरेख और उन्हें चारा खिलाने का काम करती थीं। रविवार सुबह भी वह हमेशा की तरह काम पर गई थीं। मवेशियों को चारा खिलाने के बाद, जब वह पानी भरने के लिए बिजली के मोटर के पास पहुंचीं, तभी वह करंट की चपेट में आ गईं। मोटर में पहले से ही बिजली का करंट उतर आया था (लीकेज था), जिससे लोहे के पाइप या पानी में करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट का झटका इतना जोरदार था कि मछिया देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। शोर सुनकर आसपास के भारी संख्या में ग्रामीण और मृतका के परिजन वहां इकट्ठा हो गए। आनन-फानन में बिजली आपूर्ति बंद कराई गई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। हादसे के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने स्थानीय प्रशासन और सरकार से मुआवजे की पुरजोर मांग की है। मृतका के परिजनों का कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है।

पटना साहिब गुरुद्वारा पहुंचे सद्गुरु जग्गी वासुदेव, सिरोपा व तलवार से हुआ सम्मान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। ईशा फाउंडेशन के संस्थापक और आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु (जग्गी वासुदेव) रविवार को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब पहुंचे। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। सिख परंपरा के अनुसार, उन्हें सिरोपा और तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा पहुंचने के बाद सद्गुरु ने मत्था टेका और अरदास की। उन्होंने देश, समाज और मानवता की खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

पटना साहिब पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का केंद्र- सद्गुरुः इस अवसर पर सद्गुरु ने पटना साहिब गुरुद्वारे को केवल सिख समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए आस्था और प्रेरणा का महान केंद्र बताया। उन्होंने कहा, 'यह दशम गुरु गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की जन्मभूमि है, जिनके साहस, त्याग और आध्यात्मिकता का संदेश आज भी दुनिया को प्रेरित करता है।' सद्गुरु ने गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन को धर्म, सत्य, साहस और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा, 'ऐसे पवित्र स्थलों का दर्शन भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को समझने का अवसर है।'

सद्गुरु ने समाज में शांति, भाईचारे और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने के लिए संतों और गुरुओं की शिक्षाओं को अपनाने का आह्वान किया। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्यों ने सद्गुरु के आगमन को ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा, टविभिन्न आध्यात्मिक परंपराओं के प्रतिनिधियों का पटना साहिब आना आपसी सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और धार्मिक सौहार्द का प्रतीक है।'

पंचायत विकास दिवस पर नशा मुक्ति का संकल्प, बच्चों की पेंटिंग और नुक्कड़ नाटक ने जगाई जागरूकता

♦ **मसौढ़ी प्रखंड की ग्राम सभाओं में विकास योजनाओं पर चर्चा, मद्य निषेध अभियान के तहत युवाओं और ग्रामीणों को किया गया जागरूक**

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी। प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में रविवार को पंचायत विकास दिवस उत्साह और जनभागीदारी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित ग्राम सभाओं में पंचायत विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई गई। कार्यक्रम के साथ-साथ मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार सरकार की ओर से नशा मुक्ति जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसमें बच्चों की पेंटिंग, नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का दिल जीत लिया।

भगवानगंज, देवरिया और रेवां पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों को रचनात्मक माध्यमों से लोगों के सामने प्रस्तुत किया गया। देवरिया पंचायत के प्राथमिक विद्यालय मिरचक में आयोजित चित्रांकन प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं विद्यार्थियों ने गीत, संगीत और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे से होने वाले सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान का प्रभावी संदेश दिया। पीएम श्री जीएसआरपी अनौली के विद्यार्थियों ने भी नशा मुक्ति विषय पर आकर्षक पेंटिंग बनाकर लोगों को जागरूक किया। प्रतियोगिता में उत्तम दुबे ने प्रथम और मसौम कुमारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा दीपिका कुमारी, छवि कुमारी और निशा कुमारी की पेंटिंग को भी प्रदर्शित किया गया, जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की।

देवरिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ओम प्रकाश कुमार ने आमसभा को संबोधित करते हुए ग्रामीणों से नशे से दूर रहने और बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मद्य निषेध विभाग के सब इंस्पेक्टर सौरभ कुमार ने युवाओं और बच्चों को शराब के साथ-साथ सूखा नशा एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने भी विजेता विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में पंचायत सचिव अविनाश कुमार, शिक्षक श्याम सुंदर दास, दीपक कुमार, पंचायत कर्मी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाकर कुमार, अनुमंडल पुलिस अधीक्षक (मद्य निषेध) संजय चौधरी एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित ग्रामीणों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया।

पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत, 5 दिनों तक चलेगा विशेष टीकाकरण अभियान, 4000 टीमें गठित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना में राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का रविवार को औपचारिक शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत फुलवारी शरीफ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) से हुई। पटना के सिविल सर्जन डॉ. योगेंद्र प्रसाद मंडल ने नवजात और पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने सभी बच्चों को समय पर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। उन्होंने कहा कि देश को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक टीकाकरण पहुंचाना जरूरी है।

जिले में 4 हजार टीमों की तैनातीः डॉ. मंडल ने बताया कि इस विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए पूरे पटना जिले में करीब 4,000 टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें पोलियो बूथों पर बच्चों को दवा पिलाने के साथ-साथ घर-घर जाकर भी उन बच्चों तक पहुंचेंगी, जो किसी कारण से बूथ तक नहीं पहुंच पाते। उन्होंने जोर दिया कि अभियान के दौरान एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए।

5 दिनों तक चलेगा अभियानः सिविल सर्जन के अनुसार, पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण ही है। यह अभियान पांच दिनों तक चलेगा, जिसमें जन्म से लेकर पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी।

आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान विवाद पर विभाग का जवाबः अभियान के दौरान बाढ़ अनुमंडल में आशा कार्यकर्ताओं द्वारा बकाया मानदेय को लेकर सहयोग नहीं करने की खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. योगेंद्र प्रसाद मंडल ने कहा कि विभाग ने मामले की जानकारी मिलते ही कार्रवाई की गई। डॉ. मंडल ने भरोसा दिलाया कि इसका अभियान पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

अभिभावकों से की अपीलः सिविल सर्जन ने कहा, 'स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी कर्मियों को समय पर उनका भुगतान मिले। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जन स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यक्रम निर्बाध रूप से संचालित होते रहें।' उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरे जिले में पल्स पोलियो अभियान पूरी गंभीरता और प्रभावी तरीके से चलाया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और अपने बच्चों को पोलियो की दो बूंद जीवनरक्षक दवा अवश्य पिलाएं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंचेंगी।

❑ **फुलवारी शरीफ सीएचसी से शुभारंभ**

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा जूते-चप्पल उतरवा कर चेकिंग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। केंद्रीय चयन पर्षद (CSBC) की ओर से आज बिहार पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा पूरे राज्य में हो रही है। एग्जाम के लिए एंट्री 11 बजे बंद हो गई है। परीक्षा सेंटर में कड़ी सुरक्षा के बीच छात्रों को एंट्री दी गई। मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। जूते-चप्पल खुलवाकर चेकिंग हुई।

लिखित परीक्षा दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक चलेगी। इस भर्ती परीक्षा के तहत 993 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। परीक्षा के लिए करीब 2.25 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यानी एक पद के लिए औसतन लगभग 227 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा।

परीक्षा को कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। परीक्षा एक ही पाली में आयोजित हुई।

अभ्यर्थियों की एग्जाम सेंटर्स में एंट्री सुबह 10:00 बजे से शुरू हुई, जबकि 11:00 बजे परीक्षा केंद्र का गेट बंद कर दिया गया। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। इधर, एग्जाम खत्म होने के बाद आरा स्टेशन पर अभ्यर्थियों की भीड़ दिखी।

❑ **एग्जाम के लिए चलाई गई 7 स्पेशल ट्रेन 993 पदों के लिए 2.25 लाख अभ्यर्थी शामिल**

6 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, नेपाल में बारिश से किशनगंज में बाढ़ जैसे हालात

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार में भीषण गर्मी की मार झेल रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश में मानसून एकबार फिर एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग ने आज 17 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस बीच रविवार सुबह खगड़िया, जमुई और नालंदा में बारिश हुई, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली। पटना में सुबह-सुबह बादल छाए रहे। बगहा में तेज हवा चलने के कारण गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक, वज्रपात और 40 से 60Kmph की रफ्तार से हवा चलेगी। सीमांचल के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

अररिया, किशनगंज, सुपौल, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा और सहरसा में भारी बारिश और तेज हवा चल सकती है। पटना, नालंदा, जहानाबाद समेत कई जिलों में बारिश होगी। इधर नेपाल में हो रही लगातार बारिश के चलते किशनगंज जिले की कई नदियां उफान पर हैं। जिले के दिघलबैंक प्रखंड की करूआमनी पंचायत में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। इससे 8 परिवारों के करीब 80 लोग प्रभावित हुए हैं। शनिवार को भीषण गर्मी के बीच बिहार के 6 जिलों का मौसम बदला। खगड़िया, बेगूसराय, बांका में तेज बारिश हुई। वहीं, नालंदा, मुजफ्फरपुर, बेतिया, मधुबनी में भी बारिश के बाद गर्मी से राहत मिली। इन शहरों में पहले बादल छाए, तेज हवा चली, फिर बारिश शुरू हो गई।

मसौढ़ी में ई-रिक्शा चालकों की मनमानी से जाम का झाम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

♦ **बीच सड़क सवारी भरने से आमजन बेहाल**
♦ **मुख्य बाजार और प्रमुख चौक-चौराहों पर रोज लग रहा जाम, कार्रवाई की मांग तेज**

मसौढ़ी। नगर क्षेत्र में ई-रिक्शा चालकों की मनमानी से यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। मुख्य बाजार, स्टेशन रोड, ब्लॉक रोड, कर्पूरी चौक सहित कई व्यस्त मार्गों पर ई-रिक्शा चालक बीच सड़क पर ही वाहन खड़ा कर सवारी बैठाने और उतारने लगते हैं। इससे आए दिन लंबा जाम लग जाता है और राहगीरों, दुकानदारों तथा अन्य वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार समझाने और टोकने के बावजूद कुछ ई-रिक्शा चालक नियमों का पालन नहीं करते। उल्टा वे अभद्र व्यवहार करते हुए सड़क पर ही बहस करने लगते हैं। ऐसी स्थिति में आम नागरिक खुद को असहज और असुरक्षित महसूस करते हैं।

जाम की समस्या का सबसे अधिक असर बाजार आने वाले ग्राहकों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और अस्पताल जाने वाले मरीजों पर पड़ रहा है। कई बार एंबुलेंस और अन्य जरूरी वाहनों को भी जाम में फंसना पड़ता है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ जाती है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब छह माह पहले एक वार्ड पार्षद ने सड़क किनारे ई-रिक्शा लगाने का आग्रह किया था, लेकिन चालक उनसे ही उलझ गया। विवाद इतना बढ़ गया कि नौबत हाथापाई तक पहुंच गई थी। बाद में स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। लोगों का कहना है कि आज भी कई चालक नियमों की अनदेखी करते हुए बीच सड़क वाहन खड़ा कर देते हैं और विरोध करने पर झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। नगरवासियों का आरोप है कि यातायात नियमों का प्रभावी अनुपालन नहीं होने के कारण शहर में अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। उन्होंने प्रशासन और यातायात पुलिस से मांग की है कि प्रमुख चौक-चौराहों पर नियमित जांच अभियान चलाया जाए, बीच सड़क वाहन खड़ा कर सवारी उठाने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा ई-रिक्शा के लिए निर्धारित स्टैंड और पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि यातायात सुचारु हो और आम लोगों को राहत मिल सके।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

रांची में आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण शिविर संपन्न

रांची। डांस वांस एकेडमी और उत्कल कराटे स्कूल (झारखंड शाखा) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हो गया। बारियातू में आयोजित शिविर का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को आत्मरक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना था। समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रत्येक बच्चे और युवा के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कराटे केवल शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित करने का प्रभावी साधन भी है। शिविर के दौरान सेम्पई रवि कुमार ने प्रतिभागियों को वार्म-अप और कराटे की बुनियादी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। वहीं चंदन कुमार ने काता की विभिन्न विधाओं का अभ्यास कराया। सेंसेई संदीप लाल और सेम्पई प्रिंस ठाकुर ने कुमिते की तकनीकों के साथ आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के प्रभावी तरीके भी बताए गए। शिविर के सफल आयोजन में ऋषि, शशि वर्मा और दीपक वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समापन समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जमशेदपुर में विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र स्थित सलगझरी फाटक के समीप शनिवार देर रात एक विवाहिता ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही परसुडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान देव कुमार शर्मा की पत्नी सोनी देवी के रूप में हुई है। पुलिस और परिजनों के अनुसार, सोनी देवी का विवाह वर्ष 2013 में हुआ था। परिवार में उनके पति के अलावा तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे और एक बेटी शामिल हैं। ससुराल पक्ष का कहना है कि वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं। हालांकि, परिवार की ओर से उनकी बीमारी के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। सोपोडेरा के निवासी मृतका के भाई बबलू कुमार शर्मा ने बताया कि शनिवार रात करीब 10:30 बजे उनके बहनोई का फोन आया, जिसमें सोनी देवी द्वारा फांसी लगाने की सूचना दी गई। उन्होंने कहा कि उनकी बहन का किसी प्रकार का कोई चिकित्सकीय उपचार नहीं चल रहा था। उन्होंने यह भी बताया कि परिवार में सामान्य घरेलू विवाद होते रहते थे, लेकिन आत्महत्या के पीछे की वजह की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने पूरे घटनाक्रम को संदेहास्पद बताते हुए मामले की निष्पक्ष और गहन पुलिस जांच की मांग की है। मामले में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया है कि परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया है। इस कारण घटना के वास्तविक कारणों को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से दिए जाने वाले आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच, उपलब्ध साक्ष्यों और संबंधित पक्षों के बयान के आधार पर ही लगाया जा सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की हर संभावित दिशा में जांच कर रही है।

डायन-बिसाही के शक में जेठ ने की गर्भवती भाभी और भतीजी की हत्या , गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के मंझारी थाना क्षेत्र के बड़ा तोरलो गांव में अंधविश्वास और पारिवारिक रंजिश ने एक हंसते-खेलते परिवार को पलभर में तबाह कर दिया। डायन-बिसाही के शक और आपसी खुन्नस में एक व्यक्ति ने अपनी ही गर्भवती भाभी और आठ वर्षीय भतीजी की कुल्हाड़ी से बेरहमी से हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, मृतका ननिका बिरुवा की बेटी शर्मिला बिरुवा (०८) स्कूल से लौटने के बाद घर के बाहर बैठकर खाना खा रही थी। इसी दौरान उसका ताऊ रमाये बिरुवा नशे की हालत में हाथ में कुल्हाड़ी लेकर वहां पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसने बिना किसी विवाद के मासूम बच्ची पर अचानक हमला कर दिया और उसके सिर व कनपटी पर कई वार कर दिए। बेटी की चीख सुनकर गर्भवती मां ननिका बिरुवा उसे बचाने के लिए दौड़ी, लेकिन आरोपित ने उस पर भी कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसके सिर और गर्दन पर कई वार किए गए, जिससे मां और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय घर में मौजूद अन्य बच्चे किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित रमाये बिरुवा की शादी करीब पांच वर्ष पहले हुई थी, लेकिन उसकी कोई संतान नहीं थी। वह अक्सर नशे में रहता था और अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। बताया जाता है कि उसकी पत्नी कई बार डरकर अपने देवर-देवरानी के घर चली जाती थी। इसी बात को लेकर आरोपित के मन में लंबे समय से नाराजगी थी। साथ ही वह अंधविश्वास के चलते अपने भाभी पर डायन-बिसाही का शक भी करता था। पुलिस का मानना है कि इसी मानसिकता और पारिवारिक विवाद के कारण उसने इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपित जंगल की ओर फरार हो गया था। मंझारी थाना प्रभारी दिलीप सहाय मांझी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला डायन-बिसाही के शक और आपसी विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है।

खूंटी में रेफरी प्रशिक्षण शिविर एक से

खूंटी। खूंटी जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आगामी 1 एवं 2 जुलाई को बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम दो दिवसीय जिला स्तरीय फुटबॉल रेफरी प्रशिक्षण कोर्स का आयोजन किया जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने रविवार को बताया कि प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अभ्यर्थियों को जिला फुटबॉल लीग, प्रखंड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिताओं, सुब्रतो मुखर्जी कप, लिटिल चैम्प्स, खेलो झारखंड तथा एसजीएफआई जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में रेफरी के रूप में कार्य करने का अवसर दिया जाएगा। संघ के सचिव चन्द्रदेव सिंह ने रविवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इन प्रतियोगिताओं में रेफरियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रेफरियों के नाम जिला फुटबॉल संघ की ओर से राज्य स्तरीय रेफरी परीक्षा के लिए अनुशंसित किए जाएंगे। संघ ने फुटबॉल में रुचि रखने वाले इच्छुक युवाओं से जल्द से जल्द पंजीयन कराने की अपील की है।

राजयोग ध्यान से मिलती है मानसिक शांति और आंतरिक शक्ति : डॉ. पवन वर्णवाल

एजेंसी। रांची

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र, चौधरी बगान (हरमू रोड) में रविवार को डॉक्टर्स दिवस और चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) दिवस के पूर्व सप्ताह के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सकों और चार्टर्ड एकाउंटेंटों ने आध्यात्मिकता, मानसिक शांति और जीवन मूल्यों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोचिकित्सक डॉ. पवन वर्णवाल ने कहा कि राजयोग ध्यान चिकित्सकों को मानसिक शांति प्रदान करने के साथ-साथ मरीजों के प्रति सहानुभूति, संवेदनशीलता और भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि तनावपूर्ण कार्य वातावरण में मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए ध्यान अत्यंत उपयोगी है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कुमकुम विद्यार्थी ने कहा कि आज के समय में प्रत्येक पेशे से जुड़े लोगों के लिए मानसिक शांति बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान में उन्हें विशेष शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ, जो जीवन और कार्य दोनों में संतुलन बनाए रखने में सहायक है। चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान, रांची चैप्टर के चेयरमैन अनीश जैन ने कहा कि आध्यात्मिकता व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देती है। वहीं संस्थान के सचिव दिलीप कुमार ने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजयोग का ज्ञान कठिन परिस्थितियों में भी व्यक्ति को आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। रांची चैप्टर के उपाध्यक्ष विवेक खोवाल ने कहा कि आध्यात्मिकता व्यक्ति को निःस्वार्थ प्रेम, सकारात्मक सोच और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों की ओर प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक जीवनशैली समाज में बेहतर संबंधों और सकारात्मक वातावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के दौरान केंद्र प्रशासिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने चिकित्सकों और चार्टर्ड एकाउंटेंटों के समाज के प्रति योगदान की सराहना करते हुए उन्हें आगामी डॉक्टर्स दिवस और सीए दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करने वाले सभी पेशेवर समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका, डॉ. हिमांशु, सीए शुभम केसरी, सीए श्रृंखला खोवाल सहित कई चिकित्सक, चार्टर्ड एकाउंटेंट, ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़े सदस्य तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुक्ति धाम प्रबंधन समिति का गठन, अंतिम संस्कार की सुविधाओं में सुधार का संकल्प

एजेंसी। खूंटी

खूंटी स्थित महात्मा गांधी धर्मशाला परिसर में रविवार को राष्ट्रीय हिन्दू रक्षा दल (आरएचआरडी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से मुक्तिधाम प्रबंधन समिति, खूंटी का गठन किया गया। बैठक में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद शोकाकुल परिवारों को अंतिम संस्कार के दौरान कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। खूंटी के मुक्तिधाम में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसे देखते हुए राष्ट्रीय हिन्दू रक्षा दल की उपसमिति के रूप में मुक्तिधाम प्रबंधन समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। समिति के पदाधिकारियों में जय प्रकाश भाला को अध्यक्ष, जितेंद्र कश्यप और अनूप साहू को उपाध्यक्ष, संजीव चौरसिया को सचिव और बिनय भगत को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं किशोर गंझू, अर्जुन पाहन, अशोक गुप्ता, मंगल मिश्रा, दीपक सिंह और गणेश राम को कार्यकारी सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 12 जुलाई (रविवार) को महात्मा गांधी धर्मशाला में राष्ट्रीय हिन्दू रक्षा दल की एक बृहद बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में संगठन की भावी योजनाओं एवं विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके अलावा सभी के सहयोग से हनुमान मंदिर का रुका हुआ निर्माण कार्य दोबारा शुरू कराने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय हिन्दू रक्षा दल के 62 सदस्य उपस्थित थे।

फोटो जर्नलिस्टों के मैत्री क्रिकेट मैच में फॉक्स-11 की शानदार जीत,रूपेश नारायण बने 'मैन ऑफ द मैच'

एजेंसी। रांची

झारखंड के फोटो जर्नलिस्टों के बीच रविवार को बरियातू स्थित बुद्धा फाउंडेशन परिसर के मैदान में मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। 11-11 ओवर के इस रोमांचक मुकाबले में लैंसमैन-11 और फॉक्स-11 की टीमों ने खेल भावना, आपसी सौहार्द और उत्साह का शानदार परिचय दिया। मुकाबले में फॉक्स-11 ने सात विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लैंसमैन-11 की टीम ने निर्धारित 11 ओवर में 102 रन बनाए। टीम के कप्तान मनोरंजन कुमार सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक 45 रन बनाए और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अमित दास ने 17 रन का योगदान दिया, जबकि अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी पारियां खेलकर टीम के स्कोर को मजबूती प्रदान की। 103 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी फॉक्स-11 की टीम ने आक्रामक शुरुआत की और 10.3 ओवर में केवल तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की जीत के नायक रूपेश नारायण रहे, जिन्होंने नाबाद 48 रन की शानदार पारी खेलते हुए अपनी टीम को सात विकेट से यादगार जीत दिलाई। उनकी संयमित और आक्रामक बल्लेबाजी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए खेल भावना और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। रूपेश नारायण को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। लैंसमैन-11 के कप्तान मनोरंजन कुमार सिंह को 'बेस्ट बल्लेबाज', राजकुमार को 'बेस्ट गेंदबाज' तथा बॉबी को 'बेस्ट फील्डर' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव, रांची नगर निगम की मेयर रौशनी खलखो, वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट, खेल प्रेमी तथा बड़ी संख्या में अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए इस तरह के मैत्रीपूर्ण आयोजनों को आपसी सहयोग, सौहार्द और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने वाला बताया।

रांची में 4.305 किलो अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक-मोबाइल जब्त

एजेंसी। रांची

रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 4.305 किलोग्राम अफीम के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सनिका मुंडा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से अफीम के अलावा एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमर कुमार पांडेय ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति तैमारा की ओर से बाइक पर अवैध अफीम लेकर रामपुर क्षेत्र में बेचने के उद्देश्य से आने वाला है। सूचना के आधार पर नामकुम थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने रांची-टाटा मार्ग पर नामकुम और दशमफॉल थाना क्षेत्र की सीमा के पास राईसा नदी के निकट वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान तैमारा की ओर से आ रहे एक नीले रंग की मोटरसाइकिल सवार को रुकने का संकेत दिया गया, लेकिन वह बाइक घुमाकर वापस भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान सनिका मुंडा के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसकी बाइक में टंगे एक झोले से 4.305 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने अफीम, बाइक और मोबाइल फोन जब्त कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। थाने में पूछताछ के दौरान आरोपित ने स्वीकार किया कि बरामद अफीम उसके खेत में अवैध रूप से उगाई गई अफीम की फसल से चिरा लगाकर निकाली गई थी। उसने यह भी बताया कि वह पहले भी कई बार विभिन्न ग्राहकों को अफीम बेच चुका है और इस बार वह रामपुर में एक व्यक्ति को तयशुदा रकम पर अफीम की खेप पहुंचाने जा रहा था। पुलिस ने मामले में शामिल अन्य लोगों की पहचान शुरू कर दी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

एजेंसी। खूंटी

उपायुक्त मो जावेद हुसैन ने रविवार को सदर अस्पताल, खूंटी से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की तथा जिलेवासियों से अपील की कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। उपायुक्त ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक पात्र बच्चे तक पोलियोरोधी खुराक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को अभियान के दौरान पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 28 जून को जिले के सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई जा रही है, वहीं 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीम, सहिया एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इस अवसर पर राज्य पर्यवेक्षक डॉ अरविंद कुमार, सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक सहित अन्य पदाधिकारी, चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

रांची समेत झारखंड के अधिकांश हिस्सों में मानसून फिर सक्रिय, बारिश ने दिलाई गर्मी-उमस से राहत

एजेंसी। रांची

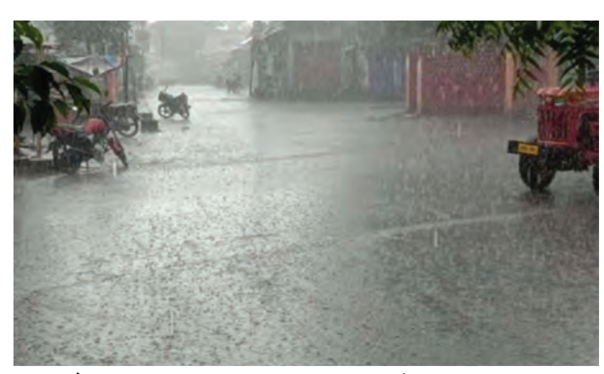

झारखंड की राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में रविवार दोपहर बाद मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया। दोपहर के बाद आसमान में घने बादल छा गए और रिमझिम बारिश शुरू हो गई। बारिश के चलते मौसम सुहावना हो गया तथा लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची केंद्र ने रविवार को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर शेष अधिकांश जिलों में गर्जन के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना जताई है। इसे देखते हुए विभाग ने संबंधित जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने यह भी पूर्वानुमान जताया है कि चार जुलाई तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने, खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे शरण नहीं लेने तथा आकाशीय बिजली के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक 54 मिलीमीटर वर्षा देवघर जिले के सिकटिया में दर्ज की गई। वहीं, राज्य का सर्वाधिक तापमान डाल्टनगंज में 40.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान रांची के नामकुम में 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। रविवार को सुबह से रांची और आसपास के क्षेत्रों में मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद बादल छा गए और कई इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 37.6 डिग्री और न्यूनतम 28.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 40.7 डिग्री और न्यूनतम 27.8 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 37.5 डिग्री और न्यूनतम 26.6 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 35.8 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक झारखंड में मानसून की गतिविधियां बनी रहेंगी और राज्य के अधिकांश जिलों में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है।

रांची की महापौर ने सदर अस्पताल से किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

एजेंसी। रांची

- **झारखंड में 61 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक**

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को रांची के सदर अस्पताल से महापौर रोशनी खलखो ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया। इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. विजय किशोर रजक, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. विमलेश कुमार सिंह सहित कई चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद महापौर रोशनी खलखो, विधायक सीपी सिंह और अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत में पिछले 14 वर्षों से पोलियो का एक भी मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने इसका श्रेय स्वास्थ्यकर्मियों की निरंतर मेहनत, प्रभावी टीकाकरण अभियान और जनसहभागिता को दिया। सिविल सर्जन ने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में सतर्कता बनाए रखना और प्रत्येक बच्चे का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे शून्य से पांच वर्ष तक के किसी भी बच्चे को पोलियो की खुराक से वंचित न रहने दें। मुख्य अतिथि महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि भारत ने पोलियो मुक्त राष्ट्र बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए नियमित टीकाकरण और जनसहभागिता जरूरी है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से ही देश पोलियो मुक्त बन पाया है। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल के अलावा गांवों के स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जा रही है, ताकि कोई भी बच्चा अभियान से छूट न जाए। उन्होंने सदर अस्पताल में बेहतर होती स्वास्थ्य सेवाओं की भी प्रशंसा की। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि देश को पोलियो मुक्त बनाने में स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने सदर अस्पताल में लगातार बेहतर हो रही स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि आज यहां सभी वर्गों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने अस्पताल को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सभी के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि वर्ष 1995 से देशभर में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष झारखंड में लगभग 61 लाख से अधिक बच्चों को 24,507 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 28 जून को बूथ दिवस के रूप में अभियान चलाया जा रहा है, जबकि 29 और 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगे जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी विशेष टीमें तैनात की गई हैं। राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. विजय किशोर रजक ने कहा कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान पूरे देश में एक साथ संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों में अब भी पोलियो के मामले मिलने के कारण सतर्कता और नियमित टीकाकरण आज भी उतना ही आवश्यक है जितना पहले था। कार्यक्रम के अंत में जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह ने सभी अतिथियों, स्वास्थ्यकर्मियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा करते हुए अभिभावकों से अपील की कि वे 28 से 30 जून तक चलने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के दौरान अपने शून्य से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं और पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को और मजबूत बनाएं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

एमके स्टालिन विधानसभा में लौटेंगे? चुनाव लड़ने की संभावना

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के मुखिया एम के स्टालिन आने वाले विधानसभा उपचुनाव में त्रिची ईस्ट या सिरकाजी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में, तमलिगा वेत्री कझगम ने 108 सीटें जीतीं और कांग्रेस, लेफ्ट पार्टियों, वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन से सरकार बनाई. टीवीके नेता जोसेफ विजय ने दो सीटों पेरम्बूर और त्रिची ईस्ट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की.

वहीं, डीएमके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, जो अपने गढ़ कोलाथुर से चौथी बार चुनाव लड़ रहे थे, उन्हें अचानक हार का सामना करना पड़ा. इस हार से डीएमके कैडर में बहुत सदमा और निराशा फैल गई.

इस बीच, मुख्यमंत्री जोसेफ विजय, जिन्होंने त्रिची ईस्ट और पेरम्बूर दोनों सीटें जीती थीं, ने त्रिची ईस्ट विधायक पद से इस्तीफा दे दिया. इसके अलावा, अन्नाद्रमुक के चार विधायक टीवीके में शामिल होने के लिए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया. वहीं, एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री सी विजयभास्कर ने भी विधायक पद से इस्तीफा दे दिया. ऐसे में छह विधानसभा सीटें खाली घोषित कर दी गईं.

इन खाली सीटों पर जल्द ही उपचुनाव होने की उम्मीद है, इसलिए राजनीतिक हलकों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि एम.के. स्टालिन त्रिची ईस्ट सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. हाल ही में त्रिची में हुई एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक में, पूर्व मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें डीएमके नेता एम.के. स्टालिन से उपचुनाव लड़ने की अपील की गई.

विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय की आलोचना का जवाब देते हुए, जो उन्होंने एक छोटी कहानी के किस्से के जरिए की थी, पूर्व मंत्री के.एन. नेहरू ने कहा कि एम.के. स्टालिन वाकई विधानसभा में वापस आएंगे. हालांकि, स्टालिन ने कहा था कि त्रिची ईस्ट सीट से चुनाव लड़ने के बारे में अभी कोई फैसला नहीं हुआ है. तमिलनाडु में, छह विधानसभा सीटें, त्रिची ईस्ट, पेरुंदुरई, मदुरंथकम, धारापुरम, अंबासमुद्रम और विरालीमलाई अभी खाली हैं.

इसके बीच, उम्मीद है कि एम.के. स्टालिन त्रिची ईस्ट विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ेंगे. अटकलें हैं कि उनके वहां से चुनाव लड़ने की बहुत ज्यादा संभावना है, क्योंकि इस चुनाव क्षेत्र में अल्पसंख्यकों की अच्छी-खासी आबादी है और स्थानीय डीएमके सचिव के एन नेहरू और अंबिल महेश डीएमके नेता की जीत पक्की करने के लिए अपने असर का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं.

खीरे की खेती पर केंद्रीय मंत्री को 99 लाख की सब्सिडी, सफाई में बोले-नियमों के तहत मिला लाभ

जयपुर, एजेंसी। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी सब्सिडी को लेकर राजनीतिक विवादों में घिर गए हैं। विवाद की वजह है राजस्थान में खीरे के पालीहाउस प्रोजेक्ट के लिए 99.60 लाख रुपये की सब्सिडी अपने ही मंत्रालय से हासिल करना है। कांग्रेस ने इसे हितों के टकराव का मामला बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि जब भागीरथ चौधरी स्वयं नेशनल हार्टिकल्चर बोर्ड के पदेन उपाध्यक्ष हैं, तब उनके द्वारा उसी बोर्ड की योजना का लाभ लेना निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जबकि मंत्री ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने नियमों के तहत एक किसान के रूप में सब्सिडी ली है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है। बता दें कि चौधरी का यह प्रोजेक्ट राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले के पेह गांव में स्थित है।

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक पर सियासी संग्राम: अभिजीत दीपके ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 के कथित पेपर लीक मामले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि नीट विवाद के बाद अब महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक ने एक बार फिर परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता सुनिश्चित करने में विफल रही है।

नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दीपके ने दावा किया कि महाराष्ट्र में परीक्षा से ठीक एक दिन पहले टीईटी को रद्द करना पड़ा, जिससे लाखों अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि 2017 से शिक्षक और अभ्यर्थी टीईटी घोटालों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, लेकिन सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के बजाय युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। दीपके ने आंदोलन को और तेज करने का ऐलान करते हुए कहा कि शिक्षा सुधार और पारदर्शिता की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी जंतर-मंतर पर आंदोलन में शामिल होंगे।

दीपके ने केंद्र सरकार पर फिर निशाना साधा

महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2026 के कथित पेपर लीक मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार पर फिर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट विवाद के बाद अब महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक ने यह साबित कर दिया है कि सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता सुनिश्चित करने में विफल रही है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई। दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक दीपके ने कहा कि महाराष्ट्र में परीक्षा शुरु होने से एक दिन पूर्व टीईटी रद्द करनी पड़ी। क्योंकि इसका भी प्रश्नपत्र लीक होने का मामला सामने आया। अब इस पूरे मामले में पुलिस ने भिवंडी से तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। तो वहीं एक और अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया गया है। दीपके ने आरोप लगाते हुए कहा कि 2017 से शिक्षक और अभ्यर्थी अश्वअ घोटालों को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं, लेकिन फिर भी सरकार परीक्षा प्रणाली में सुधार करने के बजाय पढ़ने लिखने वाले युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि चाहे राज्य स्तर की परीक्षा हो या राष्ट्रीय स्तर की, केंद्र की सरकार निष्पक्ष परीक्षा कराने में नाकाम रही है।

छात्रों को आवाज उठाने की अपील

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर नहीं है और छात्रों से इस मुद्दे पर खुलकर आवाज उठाने की अपील की। साथ ही उन्होंने राजनीतिक गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले धन के स्रोत पर भी सवाल खड़े किए। इस बीच अभिजीत दीपके ने घोषणा की कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

बता दें कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार और पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले सोनम वांगचुक रविवार से जंतर-मंतर पर सीजेपी के आंदोलन में शामिल होंगे और वहीं अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करेंगे। इस आंदोलन कि तैयारी को देखते हुए दीपके ने पहले से ही 'प्रधान गो बैक' अभियान की भी शुरुआत कर चुके हैं। इसके साथ ही छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों तथा सामाजिक संगठनों से इस आंदोलन में भाग लेने की अपील की है।

अमृतसर में बनेगा माता जानकी और लव-कुश का भव्य मंदिर! : अरविंद केजरीवाल

अमृतसर, एजेंसी। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने अमृतसर में माता जानकी और लव-कुश के भव्य मंदिर बनाने की घोषणा की है। अरविंद केजरीवाल ने अमृतसर को वाल्मिकी समाज के लोगों के लिए भव्य आस्था का केंद्र बताया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि उन्होंने अमृतसर में लव, कुश और माता जानकी को समर्पित एक मंदिर बनाने का फैसला किया गया है।

अरविंद केजरीवाल ने अमृतसर को पवित्र भूमि बताते हुए कहा, मैं अमृतसर को दुनिया की सबसे पवित्र जगहों में से एक मानता हूं। यहां हर धर्म के लोग और संस्थाएं मौजूद हैं। दरबार साहिब यहीं स्थित है। सभी धर्मों और दुनिया भर से लोग यहां श्रद्धा और प्रार्थना के लिए आते हैं, अपने दुखों से राहत पाते हैं और शांति का अनुभव करते हैं। अरविंद केजरीवाल ने अमृतसर को देशभक्तों की भूमि भी बताया। उन्होंने आगे कहा, यहां दुर्गियाना मंदिर भी है। देशभक्त लोगों के लिए यहां जलियावाला बाग और वाघा बॉर्डर है। भगवान वाल्मिकी ने यहां रामायण लिखी थी, माता सीता यही वाल्मिकी आश्रम रही थी। इसी भूमि पर लव-कुश ने जन्म लिया था और श्री राम का अश्वमेध घोड़ा, जिसे दुनिया में कोई नहीं रोक पाया था। उस घोड़े को यहां पेड़ पर बांधकर रखा था। यह वाल्मिकी समाज के लिए यह आस्था का स्थान है।

सीएम भगवंत मान ने दिए निर्देश : इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज ने सिख विधायकों को बेअदबी कानून के मामले में 29 जून को अकाल तख्त साहिब के सामने पेश होने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान का कहना है, हमारी सरकार का रुख यह है कि विधायक, कैबिनेट मंत्री और स्पीकर वहां जाएंगे। वे जो भी सुझाव देंगे, हम उन पर विचार करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि यह प्रिंसिपल के तौर पर फैसला लिया गया है।

सोनम को नहीं मिलनी चाहिए थी जमानत, राजा रघुवंशी की मां ने सिया गोयल के लिए मांगी फांसी

इंदौर, एजेंसी। मेघालय में हनीमून के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मारे गए इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की मां उमा रघुवंशी का दर्द एक बार फिर छलक उठा है। पुणे के पास लोहगढ़ किले में मंगेतर केतन अग्रवाल की धकेलकर हत्या करने के मामले ने उनके पुराने जख्मों को हरा कर दिया है। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए उमा रघुवंशी ने पुणे हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल की तुलना अपनी बहू सोनम रघुवंशी से की। उन्होंने आरोप लगाया कि सिया गोयल कुछ और नहीं बल्कि उनकी बहू सोनम का ही छोटा रूप है।

गौरतलब है कि राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम रघुवंशी पर अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। हाल ही में एक निचली अदालत ने जांच में कुछ तकनीकी कमियों का हवाला देते हुए सोनम को सशर्त जमानत पर रिहा किया है, जिस पर राजा की मां ने कड़ी आपत्ति जताई है।

अपने बेटे के मर्डर से गिनाई समानता

भावुक होते हुए उमा रघुवंशी ने कहा कि केतन अग्रवाल का मामला बिल्कुल उनके बेटे राजा के मामले जैसा ही है। दोनों मामलों में समानताएं गिनाते हुए उन्होंने कहा, जिस तरह सोनम रघुवंशी ने पूरी प्लानिंग की थी और बाद में एक झूठी कहानी बुनी ठीक उसी तरह सिया गोयल ने भी साजिश रची और अपने ही मंगेतर को पहाड़ी से नीचे धकेल दिया।

मैं उस मां का दर्द बहुत अच्छी तरह समझ सकती हूं, क्योंकि मैं खुद आज तक अपने बेटे को खोने के गम से उबर नहीं पाई हूं।

किसी के बेटे की जान मत लो

सिया गोयल और सोनम रघुवंशी जैसी युवतियों के रवैए पर उन्होंने कहा, अगर लड़कियों को शादी नहीं करनी है तो मत करें, लेकिन किसी के बेटों की जान तो मत लें। कृपया अपने माता-पिता से बात करें, लेकिन किसी की हत्या करने का अधिकार आपको नहीं है। सोनम रघुवंशी को अदालत से जमानत मिलने पर उमा रघुवंशी ने गहरी चिंता और नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे जघन्य अपराधों के आरोपियों को बिना किसी देरी के सख्त सजा मिलनी चाहिए, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं हो रहा है।

सोनम को नहीं मिलनी चाहिए थी जमानत : उन्होंने आरोप लगाया, सोनम को मिली जमानत समाज में एक बहुत गलत संदेश दे रही है। इससे अपराधियों का हौसला बढ़ेगा। अब आरोपियों को लगने लगा है कि वे इतना बड़ा अपराध करने के बाद भी अगर पकड़े गए तो आसानी से जेल से बाहर आ जाएंगे। पहली बात तो उन्हें पकड़े जाने का कोई डर नहीं है और अगर पकड़े भी गए तो वे सोचेंगे कि जब सोनम छूट सकती है तो हम भी छूट जाएंगे। उन्होंने अंदेशा जताया कि शायद सोनम की जमानत से प्रभावित होकर ही सिया गोयल छोटी सोनम बन गई।

2025 में इंदौर के 29 वर्षीय ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शादी मई 2025 में सोनम से हुई थी। शादी के महज 9 दिन बाद दोनों हनीमून के लिए मेघालय गए थे, जहां सोहरा (चेरापूंजी) की एक गहरी खाई में राजा का क्षत-विक्षत शव मिला था। मेघालय पुलिस के मुताबिक, सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाहा और तीन भाड़े के हत्यारों के साथ मिलकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया था।

केतन अग्रवाल मर्डर केस : पुणे के 26 वर्षीय कारोबारी केतन अग्रवाल की उनकी मंगेतर सिया गोयल ने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर लोहगढ़ किले की पहाड़ी से धकेलकर हत्या कर दी। सिया ने बदनामी के डर से सगाई तोड़ने के बजाय केतन को रास्ते से हटाना बेहतर समझा और इसे एक ट्रेकिंग हादसे का रूप देने की कोशिश की।

उमा रघुवंशी ने केतन अग्रवाल के परिवार ढांढस बंधाते हुए उनसे न्याय की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा, मुझे मेरे बेटे के लिए अभी तक पूरा न्याय नहीं मिला है, लेकिन मैं केतन के परिवार से यही कहूंगी कि जब तक आरोपियों को मौत की सजा न मिल जाए वे अपनी उम्मीद न खोएं। सिया, सोनम और मुस्कान जैसी सभी आरोपियों को सरेआम फांसी पर लटका दिया जाना चाहिए।

तिरुपति में भक्तों की भीड़, 1.5 लाख श्रद्धालु पहुंचे, वीआईपी ब्रेक दर्शन रद्द

तिरुमाला, एजेंसी। तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर (बालाजी) के दर्शन के लिए शनिवार को जबरदस्त भीड़ उमड़ी. कहा जा रहा है कि लगातार तीन दिन की छुट्टी को लेकर भक्तों की भीड़ जुटी. भीड़ के कारण भक्तों की पांच किलोमीटर तक लंबी लाइन लग गई. हालात को देखते हुए सोमवार के लिए तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने वीआईपी दर्शन ब्रेक रद्द कर दिये.

लगातार तीन दिन की छुट्टी का फायदा उठाते हुए शनिवार को भगवान के दर्शन के लिए तिरुमाला में बहुत सारे भक्त पहुंचे. पहले कभी नहीं देखा गया, एक ही दिन में 1.5 लाख भक्त दर्शन के लिए पहुंचे. नतीजतन, वैकुंठम क्यू कॉम्प्लेक्स-2 और नारायण गिरी शेड खचाखच भर गए और भक्त पचिकलवा गंगम्मा मंदिर तक लगभग पांच किलोमीटर तक लंबी लाइन में इंतजार कर रहे थे.

भारी भीड़ के बीच भक्तों को धीरे-धीरे सर्व दर्शन लाइन में जाने दिया गया. टीटीडी ने बताया कि बिना टोकन वाले भक्तों को भगवान के दर्शन करने में लगभग 18 घंटे लग रहे हैं. शुक्रवार को 81,340 भक्तों ने दर्शन किए. टीटीडी के एडिशनल ईओ वेंकैया चौधरी ने शनिवार रात लाइन का इंस्पेक्शन किया और मीडिया से बात की.

उन्होंने बताया कि सोमवार के लिए वीआईपी ब्रेक दर्शन कैंसिल कर दिए गए हैं. उन्होंने साफ किया कि रविवार को वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए रिकमेंडेशन लेटर एक्सेप्ट नहीं किए जाएंगे. उन्होंने ऑनलाइन %करंट बुकिंग% के जरिए आमतौर पर जारी होने वाले 800 श्रीवाणी टिकट कैंसिल करने का भी ऐलान किया. हालांकि, उन्होंने बताया कि तिरुपति एयरपोर्ट पर 200 श्रीवाणी टिकट जारी करना जारी रहेगा.

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने इतनी ज़्यादा भीड़ को मैनेज करने के लिए खास कदम उठाए. भक्तों के लिए बिना किसी परेशानी के दर्शन सुनिश्चत करने के लिए पूरा प्रशासन लगा दिया गया.

दिल्ली, उत्तराखंड में आतंकी हमले का अलर्ट, धार्मिक जगहों और सरकारी संस्थानों की बढ़ाई गई निगरानी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड सरकार व निहंगों में कई दिनों तक चले टकराव के बीच आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया गया है। एक ईमेल में दिल्ली और उत्तराखंड के कई मंदिरों के साथ सरकारी दफ्तरों, रेलवे स्टेशनों और पुलिस को निशाना बनाते हुए आतंकी हमले की धमकी दी गई है। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि इंटेलिजेंस एजेंसियों ने संभावित खतरे के बाद दिल्ली और उत्तराखंड के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है, जिसमें खास धार्मिक जगहों, सरकारी स्थानों और पुलिस ठिकानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सूत्रों ने बताया कि धमकी भरे संदेश में कथित तौर पर कुछ राजनीतिक नेताओं का भी जिक्र है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। अलर्ट के बाद दिल्ली व उत्तराखंड पुलिस और केंद्रीय इंटेलिजेंस एजेंसियों ने सावधानी के तौर पर संवेदनशील और ज्यादा आवाजाही वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि खास धार्मिक स्थलों, ट्रांसपोर्ट हब और सरकारी इमारतों पर तैनाती बढ़ा दी गई है, जबकि स्थानीय पुलिस को अलर्ट रहने और पेट्रोलिंग तेज करने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने ईमेल की असलियत का पता लगाने के लिए भी जांच शुरू कर दी है। साइबर एक्सपर्ट संदेश के डिजिटल ट्रेल को खंगाल रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि अभी तक किसी संभावित हमले के समय या सही जगह के बारे में कोई खास जानकारी नहीं मिली है। साथ ही उन्होंने कहा कि अलर्ट की गंभीरता को देखते हुए बचाव के उपाय किए जा रहे हैं।

7 जुलाई को कानपुर आएंगे प्रधानमंत्री मोदी

10 हजार करोड़ की परियोजनाओं की देंगे सौगात; 13 जिलों से जुटेंगे कार्यकर्ता

कानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहर कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सात जुलाई को निराला नगर रेलवे मैदान में एक जनसभा को संबोधित कर सकते हैं। हालांकि इसकी अभी तक आधिकारिक घोषणा नही हुई है। लेकिन उनके संभावित कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन और संगठन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। हैलीपेड, पार्किंग, यातायात को लेकर तैयारी की जा रही है।

13 जिलों के कार्यकर्ता होंगे शामिल: प्रधानमंत्री की रैली में 13 जिलों से करीब एक लाख से ज्यादा लोगों के पहुंचने की संभावना है। जिसे लेकर सभी जिम्मेदारियां सौंपने का कार्य शुरू कर दिया गया है। जनसभा से प्रधानमंत्री 10 हजार करोड़ की परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास की सौगात दे सकते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक जनसभा स्थल पर जर्मन हैंगर वाला विशाल पंडाल बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पांच हैलीपेड बनाने की तैयारी चल रही है।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा भूचाल: एमडीएमके ने डीएमके गठबंधन से तोड़ा 9 साल पुराना नाता

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव करते हुए वाइको के नेतृत्व वाली मारुमलारची द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एमडीएमके) ने डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग होने की औपचारिक घोषणा कर दी है। लगभग नौ वर्षों तक साथ रहने के बाद पार्टी ने चेन्नई में आयोजित जनरल काउंसिल और उच्च स्तरीय समिति की बैठक में यह फैसला लिया।

पार्टी का आरोप है कि गठबंधन के भीतर उसकी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को कमजोर करने की कोशिश की गई। एमडीएमके के इस फैसले को तमिलनाडु की राजनीति में अहम घटनाक्रम माना जा रहा है, खासकर 2026 विधानसभा चुनाव के बाद बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच। पार्टी ने फिलहाल भविष्य के चुनावी गठबंधन को लेकर कोई घोषणा नहीं की है और कहा है कि उचित समय पर इस पर फैसला लिया जाएगा। इस घटनाक्रम से राज्य की विपक्षी राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना बढ़ गई है।

आपको बता दें कि यह फैसला चेन्नई के एग्मोर स्थित पार्टी के मुख्यालय में हुई जनरल काउंसिल और हाई-लेवल कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के ऑडिटर अर्जुनाराज ने की और इसमें एमडीएमके के महासचिव वाइको और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पार्टी

के भविष्य के राजनीतिक रास्ते और सहयोगी दल के साथ मतभेदों पर विचार-विमर्श करने के बाद नेतृत्व ने डीएमके गठबंधन से अलग होने का प्रस्ताव पारित किया। बता दें कि यह घटनाक्रम उन खबरों के बीच सामने आया है कि सिरकाझी के विधायक एम. सेंथिल सेल्वन जल्द ही डीएमके में शामिल हो सकते हैं। वह 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में डीएमके के 'राइजिंग सन' (उगते सूरज) चुनाव चिह्न पर जीतने वाले दो विधायकों में से एक हैं। खास बात यह है कि सेंथिल सेलवन शनिवार को हुई जनरल काउंसिल की बैठक में शामिल नहीं हुए, जिससे उनके अगले राजनीतिक कदम को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

राजनीतिक पहचान कमजोर करने का लगाया आरोप : एमडीएमके ने गठबंधन के तहत डीएमके के चुनाव चिह्न पर सिरकाझी और कडायानल्लूर विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ा और दोनों सीटें जीतीं, हालांकि खबरों के मुताबिक चुनाव के बाद पार्टी की राजनीतिक दिशा और सत्ताधारी टीवीके सरकार को लेकर उसके बदलते रुख पर मतभेद सामने आए।

भविष्य के चुनावी गठबंधन पर उचित समय पर होगा फैसला : पार्टी के सूत्रों ने बताया कि सेंथिल सेल्वन कई मुद्दों पर नेतृत्व के रुख के खिलाफ थे। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, सेंथिल सेलवन ने एमएलए पद से इस्तीफ़ा न देने का फैसला किया है। अगर वह औपचारिक रूप से डीएमके में शामिल होते हैं, तो उनके सिरकाजी से विधायक बने रहने की उम्मीद है, क्योंकि वह डीएमके के चुनाव चिह्न पर चुने गए थे।

जनरल काउंसिल ने एक कड़े शब्दों वाला प्रस्ताव भी पारित किया, जिसमें डीएमके पर अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी एआईएडीएमके के साथ संबंध बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया। प्रस्ताव में कहा गया कि यह सबको पता था कि डीएमके ने एआईएडीएमके के साथ समझौता करने की संभावना तलाशी थी। एक ऐसा कदम जिसे एमडीएमके ने राजनीतिक रूप से अस्वीकार्य बताया।

भविष्य के चुनावी गठबंधन पर होगा फैसला : गौरतलब है कि बैठक में एक और उल्लेखनीय अनुपस्थिति दुरई वाइको की थी, जिनके दूर रहने के फैसले ने पार्टी के भीतर आंतरिक मतभेदों को लेकर और अटकलों को जन्म दिया है। एमडीएमके के औपचारिक रूप से गठबंधन से बाहर होने के साथ भविष्य की चुनावी लड़ाइयों से पहले तमिलनाडु के विपक्षी राजनीतिक परिदृश्य में बड़े बदलाव की संभावना है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

लखनऊ जैसे हादसे एक चिंताजनक परिपाटी का संकेत दे रहे हैं

हादसे छोटे हों या बड़े – किसी भी मामले में अगर कोताही न बरती जाए, नियमों को लेकर सख्ती की जाए, तो काफी हद तक ऐसे हादसों को टाला जा सकता है। जरूरत गंभीरता से कार्रवाई करने की है। जैसे ही कोई हादसा होता है, धड़ाधड़ सूचनाएं आने लगती हैं कि कैसे नियमों के अनुपालन में कोताही बरती गई और सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों की अनदेखी की गई। भवन निर्माण की मंजूरी, सुरक्षा मानकों के अनुपालन, निरीक्षण तंत्र, अग्नि सुरक्षा मंजूरी और विभिन्न विभागों की लापरवाही को लेकर असंख्य तथ्य सामने आने लगते हैं।लखनऊ के अलीगंज हादसे को लेकर भी खबरें आ रही हैं। नियमों के अनुपालन में सख्ती के दावे अधिकारी कर रहे हैं। कई स्तर पर कार्रवाई की सूचनाएं प्रशासन जारी कर रहा है।अहम सवाल है कि अगर खामियों के बारे में पहले से सब कुछ पता रहता है, तो किस मजबूरी में प्रशासन ने इस मामले में अब तक आंखें बंद कर रखी थीं? ऐसे हादसों में नियमों के उल्लंघन को लेकर सवाल उठते हैं। कुछ दिनों तक जांच चलती है और खामोशी छा जाती है। जांच में ऐसी कोताही अस्वीकार्य होनी चाहिए।दरअसल, इस तरह के हादसे मौजूदा दौर में सेवा क्षेत्र के इर्द-गिर्द फलती-फूलती शिक्षा अर्थव्यवस्था, अनियोजित शहरी विस्तार और नियमन की विफलताओं को प्रतिबिंबित करते हैं। कम पूंजी निवेश में मोटे मुनाफे के लालच में नियमों को ताक पर रखा जा रहा है। ऐसे उल्लंघन पूरे भारत में आम हैं, जहां व्यावसायिक और शैक्षिक प्रतिष्ठान बुनियादी सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी कर रहे हैं।लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के जो तथ्य सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि लगभग एक दशक पहले कथित अनधिकृत निर्माण के आरोप में अलीगंज की संपत्ति को गिराने की कार्रवाई शुरू की गई थी। इसे एलडीए आवास योजना के तहत आबंटित किया गया और बाद में बेचा गया था। इसे 2014 में आवासीय संरचना के रूप में मंजूरी दी गई थी।एलडीए ने अवैध निर्माण का पता चलने पर मई 2016 में गिराने का आदेश जारी किया, लेकिन दो महीने के भीतर ही आदेश वापस ले लिया। इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए है। अधिकांश योजनाओं और भवन उपनियमों में मिश्रित उपयोग वाले निर्माण की अनुमति दी जाती है, बशर्ते ऐसी इमारतें अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करती हों। लखनऊ के हादसे से स्पष्ट है कि दशकों तक गैर-कानूनी तरीके से आवासीय इमारत में कोचिंग संस्थान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रहीं और प्रशासन सोता रहा। आए दिन होने वाले अग्निकांड से कोई सबक नहीं सीखा गया।

उत्तर प्रदेश में जब भी कोई बड़ी प्राकृतिक या मानवजनित आपदा आई, मुख्यमंत्री ने अपना दफ्तर छोड़ा और स्वयं उस दर्द के पास जाकर खड़े हुए। पूर्ववर्ती शासकों से इसी भिन्नता ने उन्हें जननायक बनाया है। प्रयागराज में महाकुंभ-25 के दौरान हुई भगदड़ में भी उन्होंने सुनिश्चित किया कि हर प्रभावित तक राहत और मुआवजा पहुंचे और ऐसे इंतजाम कराए कि दोबारा इसकी पुनरावृत्ति न हो। कोविड-19 महामारी के दौरान जब लाखों प्रवासी मजदूर सड़कों पर थे।

संवेदनशील नेतृत्व का मानवीय स्पर्श

(ए.के. जैन)

कुछ घटनाएं पूरे समाज की चेतना को झकझोर देती हैं और इतनी पीड़ादायी होती हैं कि उनका दंश पूरी जिंदगी भर सालता है। ऐसे में जब कोई मुख्यमंत्री शासक की अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए भी एक अभिभावक की तरह लोगों के दुःख-दर्द पर अपने मर्म भरे हाथ रखता है, तो उसमें यह भाव भी होता है कि वेदना की इस घड़ी में मैं आपके साथ हूं और यह भाव जख्मों पर शीतल मरहम की तरह लोगों का संबल बन जाता है। लखनऊ के अलीगंज में आग से जलकर 15 बच्चों की मौत ऐसी पीड़ादायक घटना है, जिसकी भरपाई तो संभव नहीं लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे समय अपनी संवेदनशीलता का जो मानवीय स्पर्श व्यथित परिजनों को दिया, वह शासन का एक जिम्मेदार चेहरा है। सत्ता के शीर्ष पर बैठा व्यक्ति जब लोगों की व्यथा में उनके साथ दिखाई देता है तो न्याय की उम्मीद भी बढ़ जाती है। करुणा और कठोरता दोनों ही सुशासन के महत्वपूर्ण आयाम हैं। संवेदना यदि पीड़ित के घावों पर मरहम रखती है, तो कठोरता यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी दोषी बचे नहीं और पीड़ितों को न्याय मिले। लेकिन, यह तभी संभव है जब नेतृत्व संवेदनशील हो। लखनऊ में जिस समय यह घटना हुई, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। भाषण चल रहा था, मंच सजा था, कार्यक्रम में उत्साह था और तभी उन्हें वह खबर मिली जिसने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। उन्होंने पीड़ा भरे स्वर में मंच से कहा, 'मुझे आज अलीगढ़ में रुकना था लेकिन अभी-अभी लखनऊ में एक दुखद घटना की जानकारी मिली है जिसमें कुछ बच्चों की अग्निकांड में मृत्यु हो गई है। मैंने अधिकारियों को वहां भेजा है और स्वयं भी तुरंत लखनऊ लौट रहा हूं।' यह एक मुख्यमंत्री के भीतर के इंसान की आवाज़ थी, जो घटना से व्यथित था और अपनी जिम्मेदारियों को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रही था। उनका मंतव्य समझते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक घटनास्थल पर पहुंच चुके थे और विह्वल थे। लखनऊ पहुंचते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे घटनास्थल पर गए और वहां का निरीक्षण किया। जब एक मुख्यमंत्री किसी घटना का संज्ञान लेकर खुद मैदान में उतरता है तो प्रशासनिक मशीनरी भी उतनी ही सक्रिय हो जाती है। वह घायलों को देखने केजीएमयू अस्पताल भी गए और मृतकों के परिजनों को को धीरज बंधाया। आश्वस्त किया कि दोषी किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे। आक्सीजन सपोर्ट पर अपना इलाज करा रही एक युवती से उन्होंने बात कर पूरी जानकारी ली। मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता की घोषणा की। शाम तक यह राशि शोक संतप्त परिवारों को सौंप भी दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पीएमएनआरएफ से दो-दो लाख रुपये देने का ऐलान किया। आर्थिक मदद से किसी का जीवन नहीं लौटता, लेकिन यह संदेश जरूर देता है कि व्यवस्था उदासीन नहीं है, आपके साथ है। रात में ही रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह भी घटनास्थल और अस्पताल पहुंच गए, जो इस बात का प्रतीक था कि चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, आपदा की स्थिति में लोगों को अकेला नहीं छोड़ती। राजनीति की परिभाषाएं बहुत हैं, लेकिन जब कोई राजनेता अपना कार्यक्रम बीच में छोड़कर, मंच से उठकर, दर्द की आग में जलते किसी परिवार के पास दौड़ता है और उनके आंसू पोछता है तो सारी परिभाषाएं धूमिल पड़ जाती हैं। रह जाती है सिर्फ मनुष्यता की परिभाषा। लेकिन इसके साथ ही प्रशासकीय दायित्वों का निर्वहन भी जरूरी है। आधी रात तक मुख्यमंत्री के आवास पर उच्चस्तरीय बैठकें चलती रहीं। लापरवाही बरतने वाले चार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। बिल्डिंग मालिक वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला सहित चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। अलीगंज थाने में छह नामजद अभियुक्तों समेत अन्य जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और अपर पुलिस महानिदेशक प्रवीण कुमार की दो सदस्यीय एसआईटी गठित की गई, जिसे सात दिनों में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया। इसका संदेश दूर तक गया। कानपुर में फिजिक्स वाला सहित 22 कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया गया। प्रदेश में हर कोचिंग संस्थान जाकर इस बात की पड़ताल शुरू हो गई कि वहां बच्चों के लिए क्या सुरक्षा उपाय हैं। भविष्य की त्रासदियों को रोकने के लिए भी यह जरूरी है। राज्य में जब भी आपदा की स्थिति आई है, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशीलता उभार पर देखने को मिली है। आंधी, आकाशीय बिजली, अतिवृष्टि या दुर्घटनाओं से प्रभावित परिवारों को समय पर राहत पहुंचे, यह उन्होंने हर बार सुनिश्चित किया है। यहां तक कि सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों को भी ऐसे परिवारों से मुलाकात कर उनका दुःख-दर्द बांटने के निर्देश हैं। उत्तर प्रदेश में जब भी कोई बड़ी प्राकृतिक या मानवजनित आपदा आई, मुख्यमंत्री ने अपना दफ्तर छोड़ा और स्वयं उस दर्द के पास जाकर खड़े हुए। पूर्ववर्ती शासकों से इसी भिन्नता ने उन्हें जननायक बनाया है। प्रयागराज में महाकुंभ-25 के दौरान हुई भगदड़ में भी उन्होंने सुनिश्चित किया कि हर प्रभावित तक राहत और मुआवजा पहुंचे और ऐसे इंतजाम कराए कि दोबारा इसकी पुनरावृत्ति न हो। कोविड-19 महामारी के दौरान जब लाखों प्रवासी मजदूर सड़कों पर थे, तब भी योगी सरकार संकटमोचक बनी। यह ऐसा शासन-दर्शन है, जिसमें सत्ता केवल कुर्सी नहीं, जिम्मेदारी का भाव देती है। अलीगंज अग्निकांड को लेकर सीएम योगी की गंभीरता का अहसास इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अगले दिन के अपने सभी आधिकारिक कार्यक्रम रद्द कर दिए। उम्मीद है कि एसआईटी भी अपनी जांच को पूरी गंभीरता से अंजाम देकर इस अग्निकांड के लिए दोषी लोगों को कठोर दंड दिलाना सुनिश्चित कराएगी। ऐसा होने पर नियम-कानूनों की अवहेलना करने वालों और उनको प्रश्रय देने वालों तक शासन का कठोर संदेश पहुंचेगा। इससे होने वाले संभावित हादसों को भी रोका जा सकेगा, ताकि किसी और बच्चे या निर्दोष की जान न जाए। सत्ता के गलियारों में अनेक नेता आते हैं। वादे करते हैं, लेकिन जो नेता दर्द की आग के पास जाकर खड़ा होता है, लोग उसे ही याद रखते हैं। सरकार की संवेदनशीलता तब पूरी होती है, जब वह आंसू पोंछने के बाद उस वातावरण को भी समाप्त करे जो इन आंसुओं का कारण बना। सुरक्षा एक स्थायी प्रतिबद्धता है। जो चला जाता है, वह लौटता नहीं, यह कठोर सच है लेकिन जब एक मुख्यमंत्री रोती हुई मां के सिर पर हाथ रखता है, अस्पताल में बिस्तर पर पड़े ब च्चे का हाथ थामता है, तो एक असहाय परिवार को भरोसा मिलता है। यही वह विश्वासका धागा है, जो सरकार और जनता के बीच बंधा होता है।

नाबालिगों में हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ना पूरे समाज के लिए चेतावनी

हम किशोरों को सामाजिक मूल्यों का पाठ नहीं पढ़ा पाए हैं। नाबालिगों में हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। इसे रोकने के लिए कई स्तरों पर कदम उठाने की जरूरत है।आज हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जहां चंद रुपये के लिए किसी की हत्या कर दी जाती है। यह कानून व्यवस्था का मसला जरूर है, लेकिन इसके समाजशास्त्रीय पक्ष को लगातार अनदेखा किया गया है। चिंता की बात है कि बच्चों का स्वभाव भी अब उग्र होता जा रहा है। मामूली बातों पर आपा खो देना सामान्य बात हो गई है।दिल्ली में एक बार फिर महज कुछ रुपये के लिए एक व्यक्ति की हत्या समाज की मनोदशा की स्याह तस्वीर सामने रखती है। खबरों के मुताबिक, पिछले दिनों राजधानी के तिलक नगर इलाके में मात्र डेढ़ सौ रुपये के विवाद में तीन नाबालिगों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। नाबालिगों में इस तरह बढ़ रहे दुस्साहस की वजह जानने की आवश्यकता है।दिल्ली में स्थानीय निकाय से लेकर राज्य और केंद्र तक- तीन इंजन की सरकार होने और पुख्ता सुरक्षा के दावों के बीच इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, तो स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अगर यहां पढ़ने-लिखने की उम्र में बच्चे हथियार लेकर चल रहे हैं, यह कानून व्यवस्था संभालने वालों की भी लापरवाही है।इस तरह के अपराध से नागरिकों के मन में असुरक्षा का बोध बढ़ेगा। वैसे भी आत्मकेंद्रित हो रहे समाज में अब कोई किसी को बचाने के लिए आगे नहीं आता। हालांकि तिलक नगर में हुई हत्या के मामले में आरोपी तीन किशोरों को दिल्ली पुलिस ने कुछ ही घंटे में पकड़ लिया।

जल संरक्षण में जवाबदेही की जरूरत, समाज को अपने नकारात्मक रवैए में बदलाव लाना बेहद जरूरी

(चेतनादित्य आलोक)

देश भर के जलाशयों में अब उनकी कुल जल भंडारण क्षमता का केवल 28.28 फीसद जल ही बचा हुआ है, जो एक आपात स्थिति का संकेत है। आजकल दुनिया भर के विचारकों, चिंतकों, समाज विज्ञानियों, मानवाधिकार विशेषज्ञों, पर्यावरण वैज्ञानिकों और सरकारों को संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बुतरस घाली का लगभग तीन दशक पुराना वह कथन याद आता है, जिसमें उन्होंने दुनिया भर में पानी की कमी से जुड़ी परेशानियों के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए हो सकता है। निस्संदेह उन्होंने बहुत ही गंभीर समस्या की ओर इशारा किया था। मगर उनकी चेतावनी पर ज्यादातर देशों ने कोई ध्यान नहीं दिया। अगर दुनिया ने उनकी बात मान ली होती, तो क्या संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट में यह कहा जाता कि स्वच्छ पेयजल के अभाव में प्रतिवर्ष दुनिया भर में चौदह लाख से भी अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसलिए सभी देशों की सरकारों को जल संसाधन में निवेश करना चाहिए। वास्तव में यह दुखद स्थिति है कि साफ पीने का पानी न मिलने के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियों का शिकार होकर लाखों लोग प्रतिवर्ष अपनी जान गंवा देते हैं। जाहिर है कि दुनिया भर की सरकारों को संयुक्त राष्ट्र की बात को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधनों के संरक्षण में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने जिस निवेश की बात कही है, वह दरअसल, देशों की अर्थव्यवस्था तथा उनके नागरिकों के भविष्य में निवेश है। जब यह निवेश जन-साधारण तक शुद्ध पानी की पहुंच को सुनिश्चित करेगा, तब इसके अभाव में होने वाली बीमारियों से नागरिकों का बचाव हो सकेगा। इससे मानव संसाधन की सुरक्षा तो होगी ही, साथ ही लोगों के इलाज पर होने वाले खर्चों पर भी अंकुश लग सकेगा। इससे कई देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले अनावश्यक बोझ में भी कमी आएगी। इस प्रकार, यह निवेश पानी के मामले में दुनिया के तमाम जागरूक देशों का भविष्य निश्चित रूप से सुरक्षित कर सकता है। विश्व बैंक की उस चेतावनी को याद करना चाहिए, जिसमें उसने अपने ही एक अध्ययन के आधार पर यह दावा किया है कि वैश्विक सूखे और पानी के अभाव के कारण वर्ष 2030 तक विश्व भर में लगभग सात करोड़ लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ सकता है। विश्व बैंक की आशंका विश्व भर के जलाशयों में जल भंडारण की लचर व्यवस्था को लेकर है, जो बिल्कुल सही प्रतीत होती है। ऐसे में विस्थापितों का आंकड़ा उसके आंकड़े से अधिक भी हो सकता है। भारत की बात करें, तो देश के प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण की व्यवस्था आज भी लचर बनी हुई है और इसमें सुधार होने के बजाय यह लगातार बिगड़ती जा रही है। जलाशयों और नदियों की निगरानी करने वाले केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, देश भर के सभी 166 जलाशयों में जल भंडारण 40 फीसद से भी नीचे गिर गया है।

आज का राशिफल

मेष

आज आपके आर्थिक मामलों को बहुत ही ध्यान से संभालने की जरूरत है। चंद्रदेव आज वृश्चिक राशि में आपके अष्टम भाव में बने रहेंगे। आपको भावनाओं में बहकर या बाजार की अफवाहों को सुनकर कोई भी बड़ा निवेश करने से पूरी तरह बचना चाहिए। आपकी छोटी-छोटी बचत के प्रयास आने वाले दिनों में अच्छे परिणाम ला सकते हैं।

वृष

आज आपका पूरा ध्यान अपने आर्थिक भविष्य को मजबूत करने पर हो सकता है। आपकी लंबी अवधि के निवेश और बचत योजनाओं पर आज विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बिना सोचे-समझे किसी को भी धन उधार देने से पूरी तरह बचें। आपका व्यावहारिक नजरिया ही आपके आर्थिक संतुलन को बनाए रखेगा।

मिथुन

आज आपके कुछ छिपे हुए खर्चे या अचानक आने वाले भुगतान आपके सामने आ सकते हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी होगा। किसी भी तरह का अनावश्यक आर्थिक जोखिम लेने से पूरी तरह बचें। मानसिक तनाव को कम करने में मदद करेगा।

तुला

आर्थिक चर्चाएं आज आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती हैं। निवेश या बचत को लेकर कुछ नए विचार आपके सामने आ सकते हैं। सहकर्मियों के साथ मिलकर किए जाने वाले कार्यों में आज आपसी तालमेल एक बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। यदि आपकी बातचीत पूरी तरह स्पष्ट रहती है, तो आपके टीम प्रोजेक्ट्स बहुत ही आसानी से आगे बढ़ेंगे।

वृश्चिक

आज आर्थिक प्राथमिकताओं के प्रति जागरूकता और छवि में सुधार होगा। आप पूरी तरह व्यवस्थित योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे, तो आपकी आर्थिक स्थिति में अच्छा सुधार होगा। केवल मन की बातों के आधार पर धन से जुड़ा कोई भी निर्णय न लें। आपकी पेशेवर सफलताएं धीरे-धीरे आपकी आय को और मजबूत बनाने में सहयोग देंगी।

धनु

आज आपका मूड आपके आर्थिक निर्णयों पर असर डाल सकता है। जल्दबाजी या आवेश में आकर धन खर्च करने से पूरी तरह बचें। कोई भी खरीदारी या निवेश करने से पहले पूरी तरह तथ्यों और व्यावहारिक बातों पर ही भरोसा करें। कार्यस्थल पर होने वाले बदलावों को लेकर आज आप सामान्य से अधिक संवेदनशील महसूस कर सकते हैं।

कर्क

आज आपको अपनी बातचीत, बिक्री, सलाह या लोगों से संपर्क बढ़ाने के कार्यों के माध्यम से धन लाभ मिल सकता है। भविष्य में होने वाली कमाई का बहुत अधिक बढ़ा-चढ़ाकर अंदाजा लगाने से बचें। अपना पूरा ध्यान पूरी तरह वास्तविक योजनाओं पर लगाएं और अपने खर्चों की आदतों में एक अच्छा अनुशासन बनाए रखें।

सिंह

आज आपको धन से जुड़े बहुत ही समझदारी भरे फैसले लेने में मदद करेगी। आप आय या बचत के कुछ नए रास्ते खोज सकते हैं। मन के बहकावे में आकर की जाने वाली खरीदारी से पूरी तरह दूर रहें और अपनी लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करें। आपके पेशेवर विकास के लिए समय पूरी तरह अनुकूल बना हुआ है।

कन्या

आज आपके पेशेवर संपर्कों या सामाजिक दायरे के माध्यम से आज आर्थिक लाभ के कुछ अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं। अनुभवी लोगों द्वारा दी जा रही सलाह पर जरूर विचार करें। कोई भी निर्णय लेने से पहले अपनी तरफ से भी अच्छे से जांच कर लेना बेहतर रहेगा।

मकर

आज आपकी आर्थिक योजनाओं को आज एक बार फिर से गहराई से देखने की जरूरत पड़ सकती है। कुछ छिपे हुए खर्चे या अनदेखी बातें सामने आ सकते हैं। अपने बजट, बीमा के मामलों और लंबी अवधि के आर्थिक लक्ष्यों का मूल्यांकन करने के लिए आज का दिन बहुत अनुकूल है। आज आपको बहुत ही शांति से और अपनी रणनीतियों के अनुसार काम करने से लाभ मिल सकता है।

कुंभ

आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिल सकता है। किसी भी तरह के जोखिम भरे या नुकसानदेह कार्यों से पूरी तरह दूर रहें और केवल आजमाए हुए सुरक्षित तरीकों पर ही भरोसा करें। आपकी अच्छी प्लानिंग आपके भविष्य को और अधिक मजबूत बनाएगी। कार्यक्षेत्र में आज आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन इसके साथ ही आपको अच्छी पहचान भी मिलेगी।

मीन

कुछ खर्चे आज आपके सामने आ सकते हैं। नया ज्ञान सीखने के लिए किया जा रहा यह धन का निवेश आपको लंबे समय में बहुत अच्छे लाभ देगा। किसी भी नए अवसर का मूल्यांकन करते समय पूरी तरह व्यावहारिक बने रहें।आपके काम की प्रगति अभी थोड़ी धीमी लग सकती है, लेकिन आपकी मेहनत अच्छे परिणाम तैयार कर रही है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6136

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6135

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

वर्ग पहेली 6136

1	2	3		■	4	5	
6			■	7			■
	■	8				■	9
10	11	■	■	12		13	
■	14	15	16	■	■	17	
■	18			■	19		
20		■	■	■	21		
22		■	23			■	■

संकेतः बाएं से दाएं

1. नवंबर 1860 को अब्राहम लिंकन इस देश के सालहवें राष्ट्रपति चुने गए (4)
4. औलाद, कुलधर, वंशधर (3)
6. मध्यप्रदेश के इस अंचल में बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक स्थित है (3)
7. बजाने वाला, कृपा करने वाला (3)
8. यह मुगलशासक अकबर के बेटे थे जिनका जन्म 31 अगस्त 1569 को हुआ था (4)
10. काला, अश्वेत, कजरारा, श्यामल (2)
12. अनेकाका, विविध, बहुरूप (4)
14. मगध देश या दक्षिण बिहार का प्राचीन वैदिक नाम, घोड़ा (3)
17. कच्चे आम या इमलीसे बनाया गया खट्ठा-मीठा पदार्थ (2)
18. धतूरा, स्वर्ण (3)
19. राजा, सम्राट, बादशाह (3)
20. स्वरूप, व्यक्तित्व, घटित (2)
21. गहन चिंतन करने का भाव (3)
22. प्रतिष्ठा, इज्जत, आबरू (2)
23. अवाम, पब्लिक, जनसमुदाय (3)

(ऊपर से नीचे

1. कृष्णपक्ष की अंतिम तिथि (4)
2. सादृश्य, मिलन, सामंजस्य, एकता (2)
3. रस्म, रीति, प्रथा (3)
4. श्रृंगार कर्म करना, संवर्धन (4)
5. शिरोमणि, मुकुट, शिखा (2)
7. नग, मणि, रत्न (3)
9. स्वजन भावना, अपनत्वपूर्णता (5)
11. वास्तव में, वाकई, सचमुच (5)
13. असुंदर, अनाकर्षक, सौंदर्यहीन (4)
15. कण का अपभ्रंश (2)
16. लगातार देखने की क्रिया, टकटकी (2)
19. माता का वह लाड़-प्यार जो उसकी संतान पर होता है (3)
20. एक प्रकार का परिधान, अंगरखा, वस्त्र, वेश (2)

वर्ग पहेली 6135 का हल

स	द्दा	म	हु	सै	न	■	प
ह	■	ह	त	■	म	शा	ल
न	म	क	■	■	क	प	ट
शी	त	■	गु	ना	ह	■	ना
ल	ल	क	ना	■	रा	जा	■
■	बी	■	■	सा	म	वे	द
■	दो	प	ह	र	■	द	■
ह	स्त	■	म	ना	ना	■	लू

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

फीफा विश्व कप के बीच आई बुरी खबर

नीदरलैंड के फॉरवर्ड गाकपो के अजन्मे बेटे की गर्भ में मौत

वाशिंगटन : नीदरलैंड के फॉरवर्ड कोडी गाकपो की 'पार्टनर' (महिला मित्र) ने घोषणा की है कि गर्भावस्था के दौरान उनके अजन्मे बेटे की मृत्यु हो गई। गाकपो और मॉडल नोआ वैन डेर बिज का पहले से ही एक बेटा है और अक्टूबर में उनकी दूसरी संतान होनी थी। गाकपो अभी विश्व कप में टीम के साथ हैं, जहां नीदरलैंड नॉकआउट चरण में पहुंच चुका है। वैन डेर बिज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें दोनों कंबल और छोटी बुनी हुई टोपी के ऊपर हाथ पकड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह घोषणा भी की कि बच्चे की मौत हो गई है। वैन डेर बिज ने लिखा, 'आपके प्यार और समर्थन के लिए आभार। एलिजय राफेल गाकपो। हमेशा प्रिय। हमेशा हमारा बेटा।' अपनी पोस्ट में गाकपो ने लिखा, 'यह हमारे परिवार के लिए बेहद मुश्किल समय है। हम आपसे निजता और एकांत बनाए रखने का अनुरोध करते हैं।' गाकपो ने स्वीडन के खिलाफ नीदरलैंड की जीत में दो गोल किए और टीम को अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान दिलाने में मदद की। नीदरलैंड सोमवार को राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ेगा।

डैनी वायट की तूफानी पारी से जीता इंग्लैंड, न्यूजीलैंड हुआ बाहर

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 28वें मुकाबले में इंग्लैंड ने अपनी बादशाहत साबित करते हुए गत विजेता न्यूजीलैंड को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी है। केनिंग्टन ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर मिली इस शर्मनाक हार के साथ ही न्यूजीलैंड का इस टूर्नामेंट में सफर ग्रुप स्टेज में ही खत्म हो गया है और वह विश्व कप से बाहर हो गई है।

वायट और डंकले का तूफान, इंग्लैंड की धमाकेदार जीत

न्यूजीलैंड से मिले 164 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को इंग्लैंड की टीम ने बेहद आसानी से महज 1 विकेट खोकर 17.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। खराब फॉर्म से जूझ रही एमी जोन्स का फ्लॉप शो इस मैच में भी जारी रहा और वह सिर्फ 17 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। जोन्स का विकेट गिरने के बाद डैनी वायट और सोफी डंकले ने क्रीज पर मोर्चा संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों ने कीवी गेंदबाजों की जमकर क्लास लगाई और टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। वायट और डंकले के बीच दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 128 रनों की नाबाद और अटूट साझेदारी हुई, जिसने इंग्लैंड को एकतरफा जीत दिला दी।

डैनी वायट ने खेली 89 रनों की नाबाद पारी

इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज डैनी वायट ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए मैदान के चारों तरफ चौके-छक्के बरसाए। उन्होंने सिर्फ 53 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 89 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 15 चौके और 1 गगनचुंबी छक्का शामिल रहा। वहीं, दूसरी छोर पर उनका बखूबी साथ निभाते हुए सोफी डंकले 38 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 49 रन बनाकर नाबाद रहीं। न्यूजीलैंड की तरफ से एकमात्र सफलता गेंदबाज नेन्सी पटेल को मिली।

न्यूजीलैंड ने बनाए थे 163 रन, काम न आई अच्छी शुरुआत

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 163 रन टांगे थे। टीम को कप्तान अमेलिया केर और इसाबेला गेज ने बेहद मजबूत और दमदार शुरुआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9.6 ओवरों में 70 रनों की साझेदारी की। हालांकि, गेज की पारी थोड़ी धीमी रही और वह 27 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान अमेलिया केर ने 34 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 42 रनों की कप्तानी पारी खेली।

इसके बाद सोफी डिवाइन ने तेजतर्रार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 14 गेंदों में 1 चौका और 3 छक्के जड़कर 30 रन बटोरे। मध्यक्रम में इजी शार्प बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा सकीं और बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गईं। ब्रॉक हॉलिडे ने 17 गेंदों में 20 रनों का योगदान दिया, जबकि मेडी ग्रीन 17 रन बनाकर नाबाद रहीं। वहीं सूजी बेट्स बदकिस्मत रहीं और 13 गेंदों में 19 रन बनाकर रनआउट हो गईं।

शुभमन पर चढ़ा फुटबॉल का फीवर! रोनाल्डिन्हो के साथ आए नजर

न्यूयॉर्क। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अमेरिका में ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो से मुलाकात की। यह मुलाकात अमेरिका में खेले जा रहे फीफा विश्व कप 2026 के दौरान हुई, जिसकी मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से कर रहे हैं। शुभमन गिल ने इस खास मुलाकात की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की, जिसमें वह ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर और 2002 फीफा विश्व कप विजेता रोनाल्डिन्हो के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर सामने आने के बाद क्रिकेट और फुटबॉल प्रशंसकों के बीच यह काफी चर्चा का विषय बन गई।

शानदार फॉर्म में हैं शुभमन गिल

शुभमन गिल हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए नजर आए। भारत ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की और कप्तान के तौर पर यह गिल की पहली वनडे सीरीज जीत रही। गिल ने दो पारियों में 232 रन बनाए, जिसमें 154 रन की शानदार पारी भी शामिल रही। बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। इस सीरीज के दौरान गिल ने वनडे क्रिकेट में 3,000 रन और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 7,000 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया।

रोनाल्डिन्हो की वापसी की चर्चा

दूसरी ओर, ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो एक बार फिर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 46 वर्षीय रोनाल्डिन्हो ने इटली के सीरी-सी क्लब रावेना के साथ करार किया है। हालांकि शुरुआत में क्लब प्रबंधन ने साफ किया था कि उनकी भूमिका केवल मार्केटिंग और प्रमोशनल गतिविधियों तक सीमित रहेगी। लेकिन बाद में क्लब के उपाध्यक्ष अरिएदो ब्राइडा ने उनके मैदान पर उतरने की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा, 'रोनाल्डिन्हो एक कालजयी खिलाड़ी हैं। उन्होंने रावेना के साथ अनुबंध किया है, जो हमारे क्लब के लिए बड़ी उपलब्धि है। क्या वह खेलेंगे? यह अभी तय नहीं है, लेकिन इसकी संभावना से इनकार भी नहीं किया जा सकता।'

'नई जर्सी, वही मुस्कान'

रोनाल्डिन्हो ने क्लब से जुड़ने पर खुशी जताते हुए कहा, 'नई जर्सी, लेकिन वही मुस्कान। मैं फिर से मैदान पर उतरने और इस क्लब के साथ नई कहानी लिखने के लिए उत्साहित हूं। फुटबॉल हमेशा मेरे लिए खुशी का माध्यम रहा है और मैं 'जोगा बोनितो' की उसी भावना को रावेना के साथ साझा करना चाहता हूं।' रोनाल्डिन्हो ने अपने पेशेवर करियर का आखिरी मुकाबला साल 2015 में फ्लूमिनेंसे के लिए खेला था। इसके बाद वह लगातार लेजेंड्स और एग्जीबिशन मैचों में हिस्सा लेते रहे हैं। अब रावेना के साथ उनका जुड़ना फुटबॉल जगत में एक बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है।

अफ्रीका ने रचा इतिहास

पहली बार नॉकआउट राउंड में 9 टीमें पहुंचीं

न्यूर्याक । फीफा विश्व कप 2026 में अफ्रीकी फुटबॉल ने नया इतिहास रच दिया है। पहली बार अफ्रीका की रिकॉर्ड नौ टीमें टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण (राउंड ऑफ 32) में पहुंची हैं। कांगो की उज्बेकिस्तान पर शानदार जीत और ऑस्ट्रिया के खिलाफ अल्जीरिया के रोमांचक ड्रॉ ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुहर लगा दी। मोरक्को, मिस्र, सेनेगल और घाना जैसी मजबूत टीमों के साथ केप वर्दे और कांगो जैसी टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन कर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली अफ्रीकी टीमें :

मोरक्को
दक्षिण अफ्रीका
सेनेगल
आइवरी कोस्ट
घाना
केप वर्दे
मिस्र
अल्जीरिया
कांगो

विश्व कप 2026 के लिए अफ्रीका से कुल 10 देशों ने क्वालीफाई किया था, जिनमें से नौ ने अब नॉकआउट में भी अपनी जगह बना ली है।

अफ्रीका की रिकॉर्ड 9 टीमों ने किया नॉकआउट के लिए क्वालीफाई – अटलांटा में खेले गए मुकाबलों के बाद अफ्रीका की नौ टीमों ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की कर ली। इससे पहले किसी भी विश्व कप में इतने अफ्रीकी देश नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंच पाए थे।

- **कांगो की जीत ने रचा इतिहास –** कांगो ने उज्बेकिस्तान को 3–1 से हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया। मुकाबले में उज्बेकिस्तान ने 10वें मिनट में एल्डोर शोमुरोदोव के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद कांगो ने शानदार वापसी की। योएन विस्सा ने 68वें और इंजरी टाइम (90+1) में दो गोल दागे, जबकि फिस्टन मायेले ने 78वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विस्सा को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब कांगो का अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जिसे टीम के लिए सबसे बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।
- **अफ्रीकी फुटबॉल की बढ़ती ताकत –** इस विश्व कप ने साबित कर दिया कि अफ्रीकी फुटबॉल अब केवल कुछ चुनिंदा टीमों तक सीमित नहीं है। केप वर्दे और कांगो जैसी उभरती टीमों का नॉकआउट में पहुंचना इस महाद्वीप की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्रतिभा का बड़ा प्रमाण है। विश्व कप के इतिहास में पहले केवल छह अफ्रीकी देश ही कभी नॉकआउट चरण तक पहुंच पाए थे, लेकिन 2026 संस्करण ने इस रिकॉर्ड को पूरी तरह बदल दिया।

आमिर जंगू ने लारा और गेल की बराबरी की, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में ऐतिहासिक दोहरा शतक लगाया

एंटीगा : वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में में रिकॉर्ड 233 की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। दस दोहरे शतक के साथ वह ब्रायन लारा और क्रिस गेल के बाद श्रीलंका के खिलाफ़ टेस्ट दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे कैरेबियाई बल्लेबाज बन गए। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने अपना पहला दोहरा शतक लगाकर शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जंगू ने 342 गेंदों में अपना दोहरा बनाया। उन्होंने सोनल दिनुशा की गेंद पर एक रन लेकर अपनी यादगार पारी पूरी की। यह पारी अनुशासन, धैर्य और नियंत्रित आक्रामकता का बेहतरीन उदाहरण थी।

यह उपलब्धि जंगू के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय करियर का एक और शानदार अध्याय है। अपने वनडे डेब्यू पर शतक लगाकर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वे वेस्टइंडीज क्रिकेट के सबसे खास रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गए हैं और देश के दो महानतम बल्लेबाजों की बराबरी कर ली है। ब्रायन लारा श्रीलंका के खिलाफ 200 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी थे। उन्होंने 2001 में कोलंबो में 221 रन बनाए थे और फिर 2003 में सेंट लूसिया में 209 रनों की एक और शानदार पारी खेली थी। क्रिस गेल ने 2010 में गाले में 333 रनों की विशाल पारी खेलकर इस विरासत को और आगे बढ़ाया। यह पारी आज भी श्रीलंका के खिलाफ किसी भी बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर है। गेल पाकिस्तान के यूनिस खान के साथ उन दो बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने इस द्वीप देश के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाया है। जंगू की शानदार पारी वेस्टइंडीज की पहली पारी की मजबूत नींव बनी। उन्होंने कप्तान रोस्टन चेज के साथ मिलकर एक बड़ी साझेदारी की, जिसने श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और मेजबान टीम को सीरीज के पहले मैच में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

चेक ओपन 2026:

दीक्षा डागर की दमदार वापसी, तीन भारतीय महिला गोल्फरों ने कट किया पार

नई दिल्ली। चेक गणराज्य में खेले जा रहे टिप्सपोर्ट चेक लेडीज ओपन 2026 में भारतीय महिला गोल्फरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूर्व चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेलकर खिताब की दौड़ में खुद को बनाए रखा। उनके अलावा प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी कट हासिल कर भारत की चुनौती को मजबूत किया। हालांकि अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी कट पार करने में सफल नहीं हो सकीं।

दीक्षा डागर ने बनाए रखी खिताब जीतने की उम्मीद – 2019 की चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे राउंड में संयमित खेल दिखाते हुए एक अंडर 69 का स्कोर बनाया। पहले दिन के शानदार 66 के बाद उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 36 होल के बाद कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गईं। हाल ही में डच लेडीज ओपन में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहने वाली दीक्षा शानदार लय में नजर आ रही हैं। वह लीडर से सिर्फ चार शॉट पीछे हैं और अंतिम दौर में मजबूत चुनौती पेश कर सकती हैं।

तीन भारतीय खिलाड़ियों का अभियान हुआ समाप्त

दूसरी ओर भारत की अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। तीनों खिलाड़ी कट लाइन पार करने में नाकाम रहीं और उनका अभियान दूसरे दौर के बाद ही समाप्त हो गया।

स्वीडन और इंग्लैंड की खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान की जंग

टूर्नामेंट में फिलहाल स्वीडन की लिसा पीटरसन और इंग्लैंड की चार्लोट हीथ संयुक्त बढ़त पर हैं। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर 13 अंडर पार है। हालांकि दीक्षा डागर उनसे केवल चार शॉट पीछे हैं। ऐसे में अंतिम दौर में मजबूत प्रदर्शन उन्हें एक बार फिर खिताब की दौड़ में सबसे बड़े दावेदारों में शामिल कर सकता है।

प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी किया प्रभावित – भारत की युवा गोल्फर प्रणवी उर्स ने दूसरे दौर में बेहतरीन 67 का कार्ड खेलकर अपनी स्थिति मजबूत की और आसानी से कट हासिल किया। वहीं अनुभवी वाणी कपूर ने 70 का स्कोर बनाकर सप्ताहांत के मुकाबलों में जगह बनाई। तीन भारतीय खिलाड़ियों का अंतिम दो दौर में पहुंचना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

भारतीय गोल्फ की नजरें अब अंतिम दौर पर – तीन भारतीय खिलाड़ियों के कट पार करने से भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

फॉर्म में लौटे सुमित नागल, दो साल में पहली बार जीता एटीपी चैलेंजर खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने रोमानिया के टार्गु मुरेस में खेले गए इंटारो ओपन क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में फ्रांस के क्वालीफायर फेलिक्स बालशॉ को 6-3, 7-5 से हराकर दो साल से ज्यादा समय में अपना पहला एटीपी चैलेंजर खिताब जीता। इस जीत के साथ ही चैलेंजर स्तर पर नागल का खिताबी सूखा भी खत्म हो गया। इससे पहले उन्होंने जून 2024 में जर्मनी में हेलब्रॉन चैलेंजर जीता था।

सातवां एटीपी चैलेंजर खिताब अपने नाम किया

यह इस 28 वर्षीय खिलाड़ी का कुल सातवां एटीपी चैलेंजर एकल खिताब था और क्ले कोर्ट पर यह उनकी पांचवीं ट्रॉफी थी जो इस कोर्ट के प्रति उनके लगाव को दर्शाती है। नागल खराब दौर के बाद अपनी रैंकिंग को फिर से बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं और इस खिताब से उन्होंने 75 एटीपी रैंकिंग अंक हासिल किए। उम्मीद है कि नई रैंकिंग जारी होने पर वह दुनिया में लगभग 219वें नंबर पर पहुंच जाएंगे। उन्हें अपनी इस कामयाबी के लिए 15,510 यूरो की पुरस्कार राशि भी मिली।

भारतीय खिलाड़ी ने बेसलाइन से शानदार खेल दिखाते हुए पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन दूसरे सेट में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि बालशॉ मुकाबले में बने हुए थे। हालांकि नागल ने मैच के आखिरी पलों में संयम बनाए रखा और सीधे सेटों में जीत हासिल की। यह खिताब नागल के लिए सही समय पर आया है क्योंकि इससे उनका मनोबल बढ़ेगा। दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह फिर से बनाने की कोशिश में जुटे नागल ने इस सत्र का अधिकतर समय चैलेंजर सर्किट पर खेलते हुए बिताया है।

इस टूर्नामेंट से पहले उन्होंने 13 चैलेंजर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था और दूसरे दौर से आगे बढ़ने के लिए संघर्ष कर रहे थे। इस ट्रॉफी से पहले उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन मोल्दोवा में चिसिनाउ टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल तक जगह बनाना रहा था।

किदांबी श्रीकांत फाइनल में पहुंचे, देविका सिहाग और रौनक चौहान का शानदार सफर थमा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर और पूर्व विश्व नंबर–एक किदांबी श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो को 22–20, 15–21, 21–19 से हराकर इस साल पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

- **तीनों गेम में दिखा जबरदस्त संघर्ष –** पहले गेम में श्रीकांत ने 17–11 की बढ़त बना ली थी, लेकिन ओकिमोटो ने शानदार वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल कर लिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 22–20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 21–15 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी श्रीकांत ने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन ओकिमोटो ने स्कोर 12–12 से बराबर कर दिया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

पंचायत विकास दिवस पर निकाली गई प्रभात फेरी

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग के निर्देशानुसार ग्राम पंचायतों के सतत विकास को गति देने के लिए प्रखंड की सभी पंचायतों में 'पंचायत विकास दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। सरकार के नए आदेश के मुताबिक, अब राज्य में प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को अनिवार्य रूप से पंचायत विकास दिवस आयोजित किया जाएगा। इसी कड़ी में रविवार को पंचायत सरकार भवन, पंचायत भवन, सरकारी विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष ग्राम सभाएं बुलाई गईं। इन सभाओं की अध्यक्षता संबंधित पंचायतों के मुखिया ने की, जबकि पंचायत सचिव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। पंचायत विकास दिवस की शुरुआत सुबह के समय उत्साहपूर्ण माहौल में प्रभात फेरी निकालकर की गई। ग्रामीणों को विकास कार्यों के प्रति जागरूक करने के लिए निकाली गई इस रैली में स्कूली छात्र-छात्राओं, जीविका दीदियों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं और पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके बाद आयोजित ग्राम सभा में जीविका दीदियों ने मंच से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार जीविका समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं।

महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर हुई चर्चा

ओबरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। ओबरा प्रखंड के विभिन्न ग्राम पंचायतों में पंचायत विकास दिवस के अवसर पर एलएसडीजी (एलएसडीजी) थीम 09 महिला हितैषी ग्राम पंचायत विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रखंड के ओबरा पंचायत में मुखिया सीमा अग्रवाल, रतनपुर पंचायत में मुखिया मंजू देवी तथा सरसौली पंचायत में मुखिया रेखा देवी सहित अन्य पंचायतों में भी संबंधित जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिला हितैषी ग्राम पंचायत की अवधारणा को साकार करने के लिए कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने महिलाओं की निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा एवं कौशल विकास को प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रभावी योजनाओं के क्रियान्वयन पर बल दिया।

हाइवा और टोटो की टक्कर, दो गंभीर

गोह (औरंगाबाद) (नि. सं.)। गोह थाना क्षेत्र के एनएच-120 पर रविवार को हाइवा और टोटो की आमने-सामने की टक्कर में एक महिला यात्री एवं टोटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गया रेफर किया गया है। घायलों की पहचान कुर्माईन गांव निवासी त्रिभुषन सिंह की 40 वर्षीय पत्नी नीलम देवी तथा उपहारा थाना क्षेत्र के बाजितपुर गांव निवासी हरिद्वार सिंह के 35 वर्षीय पुत्र चंदन सिंह के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टोटो गया की ओर से सवारी लेकर गोह आ रहा था, जबकि हाइवा दाउदनगर की ओर से आ रहा था। सरेया मोड़ के समीप दोनों वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई।

पंचायत विकास दिवस पर महिला सशक्तिकरण का संदेश, प्रभारी मंत्री रमा निषाद ने किया जिला स्तरीय समारोह का उद्घाटन, कहा

महिलाओं की भागीदारी से ही होगा पंचायतों का सर्वांगीण विकास

- पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में पंचायतों को विकास का वास्तविक केंद्र बनाने पर दिया जोर, 'मन की बात' का हुआ सीधा प्रसारण

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

पंचायत विकास दिवस के अवसर पर रविवार को मदनपुर प्रखंड की बनिया पंचायत स्थित राणा रामेश्वर +2 उच्च विद्यालय, बनिया घटराइन के मैदान में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन बिहार सरकार के पिछड़ा वर्ग एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की मंत्री सह औरंगाबाद की प्रभारी मंत्री रमा निषाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में 'पंचायत विकास दिवस' का आयोजन किया जा रहा है। जून माह की थीम 'महिला हितैषी ग्राम पंचायत' निर्धारित की गई, जिसके तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, समान अवसर, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण में ग्राम पंचायतों की भूमिका को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से हुआ। इसके बाद प्रभारी मंत्री रमा निषाद, जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने प्रभारी मंत्री को बुके एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया। वहीं वरीय उप समाहर्ता श्वेता प्रियदर्शी ने जिला पदाधिकारी एवं स्थानीय मुखिया को भी बुके और शॉल देकर सम्मानित किया। विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने स्वागत गान प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया।

अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री रमा निषाद ने कहा कि पंचायत विकास दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि ग्राम पंचायतों को विकास का वास्तविक केंद्र बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि जून माह की थीम 'महिला हितैषी ग्राम पंचायत' अत्यंत प्रासंगिक है। किसी भी पंचायत का समग्र विकास तभी संभव है, जब वहां की महिलाएं सुरक्षित, शिक्षित, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हों तथा विकास की प्रत्येक प्रक्रिया में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं और आज पंचायतें ग्रामीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण इकाई बन चुकी हैं। प्रभारी मंत्री ने बताया कि पंचायत सरकार भवनों का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि ग्रामीणों को अधिकांश सरकारी सेवाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकें और उन्हें प्रखंड अथवा जिला मुख्यालय का अनावश्यक चक्कर न लगाना पड़े।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट पंचायतों के विकास कार्यों पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसे उपस्थित ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने गंभीरतापूर्वक सुना। मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की ओर से 'विकसित भारत-समृद्ध बिहार' अभियान के तहत नशामुक्त बिहार, शराबबंदी, महिलाओं के सम्मान एवं परिवार के कल्याण पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इसके माध्यम से लोगों को शराबबंदी से पहले और बाद की सामाजिक परिस्थितियों से अवगत कराया गया। समारोह में जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद, वरीय उप समाहर्ता श्वेता प्रियदर्शी, डीआरडीए निदेशक अनुपम कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना), प्रखंड विकास पदाधिकारी मदनपुर, अंचल अधिकारी मदनपुर, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी मदनपुर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में जीविका दीदियां, आशा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत 4.07 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

डीएम ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर किया शुभारंभ, 1139 टीमें घर-घर पहुंचेंगी

- 29 जून से 2 जुलाई तक चलेगा विशेष अभियान
- डीएम ने कहा- कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से न रहे वंचित
- पोलियो मुक्त बनाए रखने के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में रविवार से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हो गई। सदर अस्पताल में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की खुराक पिलाने तथा अभियान को सफल बनाने में सहयोग की अपील की। डीएम ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी उपाय समय पर पोलियो की दवा पिलाना है। भारत ने पोलियो उन्मूलन में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए प्रत्येक अभियान में सभी बच्चों तक दवा पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए।

जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 4,07,952 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए पूरे जिले में 1139 टीमों का गठन किया गया है। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें 4,61,592 घरों तक पहुंचकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। अभियान के पहले दिन जिले के सभी निर्धारित बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई। इसके बाद स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर उन बच्चों को दवा पिलाएंगे, जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके। यह अभियान 29 जून से 2 जुलाई तक चलेगा। स्वास्थ्य विभाग ने सभी टीमों को पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिला पदाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, चिकित्सा पदाधिकारियों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं अभियान से जुड़े सभी कर्मियों को पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि घर-घर जाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. कृष्ण कुमार, जिला डीपीएम अनवर, सदर अस्पताल के चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास के 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलवाएं और जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

नहर किनारे महिला का शव मिलने से सनसनी, गला घोंटकर हत्या की आशंका

- गले में रस्सी और दुपट्टा बंधा मिला, पहचान नहीं होने पर 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा शव
- तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

जिले के बारुण थाना क्षेत्र में नहर किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना बारुण-दाउदनगर मुख्य सड़क से भलुआ गांव जाने वाले मार्ग स्थित नहर किनारे की है। प्रथम दृष्टया मामला गला घोंटकर हत्या का प्रतीत हो रहा है। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही बारुण थानाध्यक्ष रंजीत कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ एसआई रिमझिम कुमारी, एसआई श्रीनाथ मंडल एवं एएसआई धर्मेंद्र कुमार भी मौजूद थे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया तथा आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस के अनुसार महिला के गले में रस्सी और दुपट्टा बंधा हुआ मिला है। गले पर मिले निशानों से गला घोंटकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि हत्या किसी अन्य स्थान पर करने के बाद साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को नहर किनारे फेंक दिया गया।

घटनास्थल की घेराबंदी कर पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। साथ ही आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस स्थानीय लोगों से भी पूछताछ कर मृतका की पहचान का प्रयास कर रही है तथा घटनास्थल से संभावित साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। बारुण थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव को शिनाख्त के लिए 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। यदि इस दौरान मृतका की पहचान हो जाती है तो शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा, अन्यथा सरकारी प्रावधानों के अनुसार अंतिम संस्कार कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्पष्ट पुष्टि हो सकेगी।

फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। हत्या के कारणों और इसमें शामिल लोगों की पहचान के लिए तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों का भी सहारा लिया जा रहा है।

महिला हितैषी ग्राम पंचायत थीम पर सभी प्रखंडों में निकली जागरूकता प्रभात फेरी

- स्कूली छात्र-छात्राओं, जीविका दीदियों व पंचायत प्रतिनिधियों ने महिला सशक्तिकरण और जनभागीदारी का दिया संदेश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार पंचायत विकास दिवस के अवसर पर रविवार को जिले के सभी प्रखंडों एवं ग्राम पंचायतों में महिला हितैषी ग्राम पंचायत थीम के तहत व्यापक स्तर पर जागरूकता प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में स्कूली छात्र-छात्राओं, जीविका दीदियों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं, पंचायत प्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जागरूकता रैली के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, शिक्षा, ग्रामीण विकास, पंचायतों की भूमिका तथा जनभागीदारी से जुड़े संदेश लोगों तक पहुंचाए गए। प्रतिभागियों ने प्रेरणादायक नारों के जरिए महिला सम्मान, समान अवसर और सशक्त पंचायतों के निर्माण का संदेश दिया।

पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार द्वारा प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को आयोजित किए जाने वाले पंचायत विकास दिवस के तहत जून माह की थीम महिला हितैषी ग्राम पंचायत निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य पंचायत स्तर पर महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान, सहभागिता एवं समग्र विकास को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। जिला प्रशासन ने कहा कि पंचायतों को अधिक जागरूक, सहभागी एवं जनकल्याणकारी बनाने के लिए इस प्रकार के जनजागरूकता कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

संगत की जमीन को लेकर मैं जनता के निर्णय के साथ : राजेंद्र सर्राफ

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

बाबा बिहारी दास संगत के अध्यक्ष राजेंद्र सर्राफ ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा है कि वे पिछले लगभग 21 वर्षों से संगत के अध्यक्ष हैं और कुछ दिनों से संगत की जमीन को लेकर यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि जमीन बेच दी गई है। कहा कि यह बात पूरी तरह गलत है। जमीन कार सेवा के लिए संगत को दी गई है न कि बेची गई है। कहा कि दाउदनगर स्थित गुरुग्रंथ साहिब स्थल एवं उससे जुड़ी जमीन को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने को लेकर यूपी के एक कार सेवा बाबा से बातचीत हुई है। उनकी स्पष्ट मंशा है कि यह जमीन दाउदनगर के लिए सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि यदि आम जनता समाज हित में इस जमीन पर किसी प्रकार का निर्माण या उपयोग करना चाहती है तो उसे इसकी स्वतंत्रता है, लेकिन असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगाना जरूरी है। वर्तमान में दिन के समय वहां नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है तथा रात में भी गलत लोगों का आना - जाना बना रहता है। ऐसे माहौल पर रोक लगाने और स्थल की गरिमा बनाए रखने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। उन्होंने कहा कि यदि किसी को इस पर आपत्ति है तो जनता जो निर्णय लेगी, वह उन्हें स्वीकार होगा और वे जनता के निर्णय के साथ हैं।

आगे उन्होंने यह भी कहा कि जिस 100 रुपये के स्टांप पेपर की चर्चा की जा रही है, उसमें न तो खाता संख्या अंकित है और न ही प्लॉट संख्या लिखी गई है। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य असामाजिक तत्वों पर रोक लगाना है। प्रेस वार्ता में विनोद कांस्कर, सन्नी गुप्ता, रवि पांडेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुहर्रम जुलूस में भाईचारे की मिसाल, हनुमान मंदिर समिति ने किया खलीफाओं का सम्मान

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

मुहर्रम जुलूस के अवसर पर श्री हनुमान मंदिर यज्ञ समिति के अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने जुलूस में शामिल विभिन्न अखाड़ा कमेटियों के खलीफाओं, राजद कार्यकर्ता मुन्ना अजीज सहित अन्य गणमान्य लोगों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर दोनों समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर प्रेम, शांति और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। समारोह में उपस्थित लोगों ने सामाजिक एकता एवं आपसी विश्वास को और मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया।

अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि सभी धर्मों और त्योहारों का मूल उद्देश्य समाज में प्रेम, भाईचारा और सद्भाव बनाए रखना है। उन्होंने लोगों से आपसी सौहार्द और सामाजिक समरसता को आगे भी इसी प्रकार कायम रखने की अपील की। इस अवसर पर सिद्धनाथ प्रसाद कांस्यकार (वार्ड पार्षद प्रतिनिधि), प्रो. सुजीत कुमार, अरुण कुमार श्रीवास्तव, पप्पू गुप्ता (हनुमान मंदिर पूजा व्यवस्थापक प्रमुख), बिगन प्रसाद तांती सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नशा उन्मूलन जागरूकता रैली, युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील

- पंचायत विकास दिवस पर निकली रैली, ग्रामीणों को नशामुक्त समाज निर्माण का दिलाया गया संकल्प

निज संवाददाता | बारुण (औरंगाबाद)

पंचायत विकास दिवस के अवसर पर बारुण प्रखंड की बरौली पंचायत में प्रखंड विकास पदाधिकारी नीरज कुमार के निर्देशन में नशा उन्मूलन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य ग्रामीणों के बीच नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। रैली में शामिल लोगों ने हाथों में जागरूकता संबंधी संदेश लिखी तख्तियां लेकर गांव के विभिन्न मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, नशामुक्त समाज, स्वस्थ समाज' तथा 'नशा त्यागें, परिवार बचाएं' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। ग्रामीणों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। पंचायत स्तर पर इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों में सकारात्मक सोच विकसित करना तथा युवाओं को नशे की लत से बचाकर उन्हें शिक्षा, रोजगार और राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करना है। इस अवसर पर अजीत कुमार मिश्रा, शैलेश कुमार, योगेंद्र कुमार, सुमित कुमार, रमाकांत मिश्रा, विजय राजवंशी, साकेत सिंह एवं मनोज कुमार सहित पंचायत के अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जन-जागरूकता अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

अभय सिंह बने अरवल व औरंगाबाद भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला प्रभारी

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने सांगठनिक विस्तार करते हुए दाउदनगर प्रखंड के रामनगर निवासी अभय सिंह को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने उन्हें जिला और मंडल स्तर पर आयोजित होने वाले आगामी प्रशिक्षण शिविरों के लिए औरंगाबाद एवं अरवल जिले का प्रभारी नियुक्त किया है। अभय सिंह को यह महत्वपूर्ण दायित्व भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सिंह चंद्रवंशी द्वारा दिया गया है। अपनी इस नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए अभय सिंह ने कहा है कि दोनों जिलों में ओबीसी मोर्चा के तहत होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सफल और ऐतिहासिक बनाना उनकी प्राथमिकता होगी। उनका मुख्य लक्ष्य इन दोनों जिलों में भाजपा ओबीसी मोर्चा को जमीनी स्तर पर बेहद मजबूत और सशक्त बनाना है। इधर अभय सिंह को यह नई जिम्मेदारी मिलने पर स्थानीय भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। उन्हें बधाई देने वालों में मुख्य रूप से रामानंद सिंह चंद्रवंशी, सत्येंद्र सिंह, सुभाष सिंह चंद्रवंशी, भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम पाठक, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, रंजन वर्मा, रामजी मालाकार और वार्ड पार्षद सोनी देवी सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल हैं।

भरत तिवारी की याद में भदवा बाजार में निकला कैंडल मार्च, निष्पक्ष जांच और न्याय की उठी मांग

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

रफीगंज प्रखंड के भदवा बाजार में क्रांतिवीर भरत तिवारी की शहादत को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए रविवार को कैंडल मार्च निकाला गया। इसमें सैकड़ों ग्रामीणों, युवाओं और बच्चों ने हाथों में जलती मोमबत्तियां लेकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा निष्पक्ष जांच और शीघ्र न्याय की मांग की। कैंडल मार्च के दौरान पूर्व एबीवीपी गया नगर सह मंत्री ओमप्रकाश ने कहा कि भरत तिवारी ने समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया था। उनका बलिदान सदैव याद रखा जाएगा और समाज उनके योगदान को कभी नहीं भूल सकता। जिंकेश कुमार ने कहा कि जब तक भरत तिवारी के मामले में न्याय नहीं मिल जाता, तब तक लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से आवाज उठाई जाती रहेगी। वहीं रामानुज मिश्रा ने बिहार सरकार एवं पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। आनंद मोहन ने कहा कि शहीदों का सम्मान तभी सार्थक होगा।

आज से नियमित समय पर चलेगा व्यवहार न्यायालय

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद में आज से नियमित समय-सारिणी के अनुसार न्यायिक कार्य संपादित किए जाएंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद के पैनल अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेशानुसार अब मॉर्निंग कोर्ट व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। उन्होंने बताया कि 29 जून से न्यायालय में कोर्ट की कार्यवाही प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से प्रारंभ होकर शाम 4:30 बजे तक चलेगी। दोपहर 1:30 बजे से 2:00 बजे तक भोजनावकाश रहेगा। उन्होंने बताया कि न्यायालय परिसर सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुला रहेगा। अधिवक्ताओं, वादकारियों एवं आम नागरिकों से नई समय-सारिणी के अनुसार न्यायालय पहुंचने की अपील की गई है।